जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी, बुधवार 2 अगस्त, 2023

NPO NEW PRODUCT OFFER

CLOSES ON 31ST AUGUST, 2023

FIXED PRICE

NO MIDDLE-MEN
DIRECT TO CUSTOMER

KEDIA सेजस्थान
KOTHI & WALK-UP APARTMENT
अजमेर रोड़, जयपुर

5 महीने में 25 लाख और पजेशन तक 50 लाख तक का रिटर्न

PROPOSED FIXED RATE & RENTAL

1.5 गुना रिटर्न

POSSESSION DEC. 2025

युनिट टाइप कीमत (लाख में)	NPO New Product Offer आज की रेट	31 अगस्त की रेट +5%	30 सितम्बर की रेट +10%	31 अक्टूबर की रेट +15%	30 नवम्बर की रेट +20%	31 दिसम्बर की रेट +25%	पजेशन की रेट +50%	पजेशन के बाद रेंटल
2 BHK (GF) अपार्टमेंट	45 L	47.25 L	49.50 L	51.75 L	54 L	56.25 L	67.50 L	22,000
3 BHK (SF) अपार्टमेंट	50 L	52.50 L	55 L	57.5 L	60 L	62.50 L	75 L	25,000
3 BHK (FF) अपार्टमेंट	55 L	57.75 L	60.5 L	63.25 L	66 L	68.75 L	82.50 L	28,000
3 BHK BIG कोठी	60 L	63.00 L	66 L	69 L	72 L	75 L	90 L	30,000
4 BHK BIGGER कोठी	70 L	73.50 L	77 L	80.50 L	84 L	87.50 L	105 L	40,000
4 BHK BIGGEST कोठी	100 L	105 L	110 L	115 L	120 L	125 L	150 L	50,000

KEDIA®

1800 120 2323

info@kedia.com www.kedia.com

www.rera.rajasthan.gov.in | RERA No. RAJ/P/2023/2387

WALKTHROUGH QR CODE | DOWNLOAD BROCHURE | LOCATION QR CODE | ROUTE MAP | SITE TOUR 360 DEGREE

*T&C Apply

विचार बिन्दु

दुरात्मा के लिए देश भक्ति अंतिम शरण है। –जॉन्सन

चमक खोती गांधी विचार की संस्थाएं और उन पर कहर

वाराणसी में छह दशकों से महात्मा गांधी के विचारों के प्रचार का काम कर रही बापू, विनोबा भावे और जयप्रकाश नारायण के अनुयाइयों की संस्था 'सर्व सेवा संघ' के परिसर को रेलवे की ज़मीन पर अवैध कब्जा मानते हुए जिस प्रकार पुलिस के बल की मदद से बेदखल किया गया है तथा वहां के पुस्तकालय तथा कार्यालय से पुस्तकों तथा ऐतिहासिक दस्तावेजों को उठा कर बाहर फेंका गया है उससे बहुत से लोग सदमे में हैं। लोगों को लगता है कि महात्मा गांधी की वैचारिक विरासत को मिटा देने के व्यवस्थित प्रयासों का यह एक हिस्सा है। 'सर्व सेवा संघ' का परिसर वाराणसी में ओल्ड जीटी रोड और वरुणा नदी के बीच स्थित है। इसी परिसर के एक हिस्से में गांधी विद्या संस्थान है। जब से काशी रेलवे स्टेशन को मल्टीमॉडल स्टेशन और खिड़कियां घाट को 'नमो घाट' में तब्दील किया गया है तभी से इस संस्था के पूरे परिसर पर प्रशासन की नजर बताई जाती है। दिसंबर 2020 में प्रशासन ने परिसर के एक हिस्से पर जबरन अधिकार जमा कर उस जगह को काशी कॉरिडोर के वर्कशॉप के लिए ठेकेदार को आवंटित कर दी थी। वाराणसी के कमिश्नर द्वारा संस्थान के एक भवन को अपनी मर्जी से राष्ट्रीय इंदिरा गांधी कला केंद्र के क्षेत्रीय कार्यालय के लिए उपलब्ध कराने के प्रयास की बात भी सामने आई है। भूदान के प्रणेता विनोबा भावे की कल्पना के आधार पर 1960 में 'सर्व सेवा संघ' परिसर की स्थापना वाराणसी में हुई थी। इस परिसर के लिए 1960, 1961 और 1970 में भूमि रेलवे से खरीदी गयी थी जिसका क्रय मूल्य ट्रेजरी के माध्मय से जमा हुआ। तीनों रजिस्ट्री करने वाले रेलवे अधिकारी तत्कालीन डिविजनल रेलवे इंजीनियर थे और रेलवे के उस समय के प्रावधानों के अनुसार विक्रय की कार्यवाही के लिए सक्षम प्राधिकारी थे। रजिस्ट्री के समय रजिस्ट्रार ने विक्रय करने वाले अधिकारियों की वैधानिकता को पूरी तरह जांच करने के बाद सेल डीड जारी की थी। राजस्व अभिलेखों में भी 1960 और 1961 की रजिस्टरियों के आधार पर 'सर्व सेवा संघ' का उल्लेख चला आ रहा है। यह गांधीवादी संस्था अपनी भूमि का उपयोग और उपभोग भी लगातार करता रहा है। केवल एक रजिस्ट्री जो 1970 में हुई है का अमलदरामत तकनीकी कमियों से नही हो सका, जिसकी पत्रावली अब तक लंबित है। देखने वाली बात यह है कि इस भूमि को लेकर रेलवे का सर्व सेवा संघ के साथ कभी कोई विवाद भी नहीं रहा। परिसर में गांधी चित्र प्रदर्शनी, बालवाडी, सभागार, विनोबा कुटी, सर्व सेवा संघ प्रकाशन कार्यालय आदि संचालित हो रहे थे। इसके अलावा परिसर में 20 से अधिक कर्मचारियों के परिवार कई वर्षों से रह रहे थे। प्रशासन ने संघ की समस्त गतिविधियों को बंद करा कर सभी को उसके परिसर से बाहर ही नहीं निकाल दिया बल्कि पुस्तकालय की किताबों को भी बाहर फेंक दिया। वाराणसी के सौंदर्यीकरण के नाम पर यह बलि ली जा रही है। सर्व सेवा संघ का परिसर सघन वृक्षों से आच्छादित है और अनेक वृक्ष तो सौ वर्ष से भी अधिक के हैं जिनको धरोहर की श्रेणी में माना जाता है। इनमें इमारती, फलदार, शोभाकार और औषधीय वृक्ष शामिल हैं। यह क्षेत्र वरुणा और गंगा नदियों की दो सौ मीटर की परिधि के क्षेत्र में आता है जिस पर किसी नये निर्माण की योजना बनाने से पहले राष्ट्रीय हरित आयोग की अनापत्ति लेनी आवश्यक होती है। पर्यावरण विशेषज्ञों ने काशी स्टेशन के प्रस्तावित विकास की परियोजना के सामाजिक और पर्यावरणीय प्रभावों का सामाजिक अंकेक्षण, जन सुनवाई, राष्ट्रीय हरित आयोग की अनापत्ति जैसे प्रक्रिया को सार्वजनिक किये जाने की मांग की थी किन्तु उसे भी नजरअंदाज कर दिया गया। सर्व सेवा संघ की तरफ से सभी सक्षम अधिकारियों को बार-बार कहा गया कि परिसर के स्वामित्व की बाबत लम्बित मुकदमे की सुनवाई तक कोई कार्यवाही न की जाय मगर दिनांक 22 जुलाई को पौ फटने से भी पहले भारी पुलिस बल वहां पहुंचा और बिना किसी आदेश या नोटिस के आनन-फानन में बेदखली की इकतरफा कार्यवाही को अंजाम दे दिया। राष्ट्रपति के भेजे गए एक ज्ञापन यही सारी शिकायत करते हुए बताया गया है कि रेलवे प्रशासन ने सभी भवनों पर ताले लगा दिये हैं और परिसर में आम जन का प्रवेश प्रतिबंधित कर दिया है, जबकि ऐसा करने के लिए किसी न्यायालय का कोई आदेश नही है।

गांधी विचार से जुड़ी संस्थाओं के लिए भी यह आत्मावलोकन का समय है। क्यों उनकी हैसियत इतनी गिर गई है कि प्रशासन उनके खिलाफ इस हद तक चला जाता है और देश के आम आदमी में कोई बेचैनी, कोई सुरसुराहट नहीं होती। मुख्यधारा के मीडिया के लिए भी यह कोई मुद्दा नहीं होता।

प्रशासन का कहना है कि 63 साल पहले इस जमीन को किसी भी संस्था को बेचने की कोई नीति नहीं थी तथा रेलवे द्वारा उसे बेचने के लिए कोई निविदा प्रक्रिया भी नहीं अपनाई गई। इसी को आधार बना कर वाराणसी के जिलाधिकारी ने पिछले माह अचानक एक आदेश पारित कर वर्ष 1960, 1961 एवं 1970 की इस भूमि की खरीद फरोख्त को अमान्य करार दे दिया। यह तर्क दिया गया कि रेलवे द्वारा सर्व सेवा संघ को भूमि का बेचान होना तथा उसकी रजिस्टरियां कूट रचना थी। कहा गया कि जिस वरिष्ठ रेल अधिकारी के हस्ताक्षरों से रेलवे की भूमि सर्व सेवा संघ को मिली वह ऐसा करने के लिए अधिकृत नहीं था। जिलाधिकारी ने प्रभावित पक्ष का यह तर्क अनसुना कर दिया कि समस्त साक्ष्य और दस्तावेज बताते हैं कि तत्कालीन व्यवस्थाओं में वही अधिकारी प्राधिकृत था तथा आज के नये प्रावधानों की रोशनी में उसे नहीं देखा जा सकता। इस प्रकरण पर रेलवे बोर्ड के पूर्व चेयरमैन वाई. पी. आनंद का भी सार्वजनिक बयान आया है जिसमें उन्होंने स्पष्ट किया है कि 'सर्व सेवा संघ' को रेलवे द्वारा आवंटित जमीन के विक्रय-पत्र पर नॉर्दर्न रेलवे के डिविजनल इंजीयर के वैध हस्ताक्षर है और वह जमीन नियमानुसार बेची गई थी। उनके मुताबिक, "आजादी के बाद तब तक रेलवे की जमीनों को बेचने के लिए नीलाम करने की कोई नीति नहीं बनी थी। उस समय बनारस के रेलवे के सबसे वरिष्ठ अधिकारी के पास जमीनों को बेचने के अधिकार होते थे। जमीनों की अदला-बदली करना और बेचना रेलवे की सामान्य प्रक्रिया होती है, इसमें कोई अचरज की बात नहीं है। रेलवे ने जमीन का सौदा किया, कीमत स्वीकार की और जमीन की रजिस्ट्री कराने के बाद उस पर सर्व सेवा संघ को कब्जा दिलाया। इसलिए वह पूरी प्रक्रिया विधि संगत थी।"

सर्व सेवा संघ गांधी जी के विचारों पर चलने वाली संस्था है और लोकनायक जय प्रकाश तथा विनोबा की कर्मस्थली भी रहा है जो एक राष्ट्रीय धरोहर कही जा सकती है। सर्व सेवा संघ के प्रकाशनों की बिक्री के लिए रेलवे ने विगत कई दशकों से देश भर के प्रमुख स्टेशनों पर स्टाल भी उपलब्ध कराये हुए हैं। यह भी जग विदित है कि महात्मा गांधी के विचारों से असहमति रखने वाले लोग अब लोकतान्त्रिक निर्वाचन से केंद्र और उत्तरप्रदेश में सत्ता में हैं। उन्हें मतदाताओं का बहुमत प्राप्त है। मगर लोकतंत्र की खूबसूरती यह होती है कि किसी भी दल की कितने ही प्रचंड बहुमत से जीत हो, शासन सबका होता है, किसी अमुक समूह का नहीं होता। वह उनका भी होता है जिन्होंने उसे वोट नहीं दिया है। इसीलिए विधायिका का निर्वाचित सदस्य यह शपथ लेता है कि वह बिना किसी भेद के सबके साथ न्याय करेगा। लोकतंत्र में चुनाव में विजेता होने पर गर्व नहीं होता बल्कि सत्ता संभालने की आई जिम्मेवारी के साथ नम्रता भी आती है। अपना कदम सही होने का विश्वास होने पर भी दूसरे पक्ष को उसके नजरिए से समझने का शासन का व्यवहार लोकतंत्र में महत्वपूर्ण होता है। महात्मा गांधी के विचारों के प्रसार में लगी संस्था के साथ यह व्यवहार लोकतंत्र में विश्वास करने वालों को इसीलिए लोकतांत्रिक व्यवस्था पर कुठाराघात लगता है।

गांधी विचार से जुड़ी संस्थाओं के लिए भी यह आत्मावलोकन का समय है। क्यों उनकी हैसियत इतनी गिर गई है कि प्रशासन उनके खिलाफ इस हद तक चला जाता है और देश के आम आदमी में कोई बेचैनी, कोई सुरसुराहट नहीं होती। मुख्यधारा के मीडिया के लिए भी यह कोई मुद्दा नहीं होता। कारण स्पष्ट है कि महात्मा गांधी की अहिंसा और अपरिग्रह की बातें गांधी के बाद के अनुयाइयों ने खुद त्याग दी और बड़ी-बड़ी भौतिक संस्थाएं अपने पक्ष की सरकारों के भरोसे खड़ी कर ली। संस्थाओं में ऐसी संपत्तियां बनाना बापू की सेवा की भावना के प्रतिकूल था। जब संपतियां बनी तो उन पर कब्जों को लेकर लोगों में लोभ आना ही था। गांधी के नाम पर चलने वाली संस्थाओं में पदों पर जमे रहने और जमे हुओं को उखाड़ने की कैसी रस्साकसी रही है और बनी हुई है यह किसी से छुपी बात नहीं है। जहां संपत्ति होगी वहां झगड़े होंगे ही। झगड़े होंगे तो टूटन होगी। जब एकता नहीं होगी तो पिटाई होगी ही। गांधी विचार के विरोध वाली ताकतें इसलिए बलवती हुई क्योंकि गांधी के सत्य और अहिंसा के विचार को नई पीढ़ी को पहुंचाने का झण्डा लिए चलने वाले खुद के होकर रह गए और सत्ता पर आश्रित होते चले गए और उन्हें पता ही नहीं चला कि उनके पांव के नीचे से जमीन कब खिसक गई है। मध्यम वर्ग की नई पीढ़ी, जिसके बूते पर भारत आज दुनिया की पांचवीं बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है, उसे गांधी की या उसके विचारों की कोई जानकारी नहीं है। उलटे उनके दिमाग में गांधी के प्रति झूठी कहानियों का विष भरा हुआ है। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि गांधी के अनुयाइयों ने बापू की शिक्षाओं को न अपनाए जाने वाला आदर्श मान कर किताबों में धर दिया और अपने जीवन को व्यावहारिक बना लिया।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

शहरों पर बढ़ता भार, अति शहरीकरण

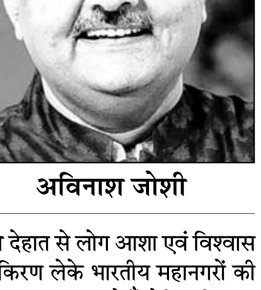

अविनाश जोशी

गांव देहात से लोग आशा एवं विश्वास की किरण लेके भारतीय महानगरों की तरफ पलायन कर रहे हैं लेकिन विकास की इस अंधी दौड़ में हर शहर की अपनी सीमाएं है। बढ़ती जनसंख्या से शहरो की व्यवस्था बिलकुल चरमरा सी गई है। लगता है हमे विकास की इस व्यवस्था का फिर से आकलन करना पड़ेगा।

पिछले कुछ सालों से अति शहरीकरण एक जटिल एवं ज्वलंत समस्या के रूप में हमारे सामने उभरा है। हमारे ग्रामीण अंचल से पलायन करते वक्त हर युवा यह सोचता है कि उसे उन्नत रोजगार एवम उच्च जीवन शैली नसीब हो जाएगी लेकिन भारतीय शहरो की वर्तमान स्थिति उसके ख्वाबों को पूरा करने में सक्षम नहीं है। यद्यिप हमारे यहाँ नगरीकरण अभी शैशव काल में है, इसके बावजूद हमारे नगरों की समस्याएँ पश्चिमी देशों से कहीं अधिक गम्भीर हैं। इस समस्या का कारण तथा समाधान ढूँढना अत्यन्त आवश्यक है। वर्तमान में अति नगरीकरण विश्व के अधिकांश नगरों को निगल रहा है और हम मूकदर्शक बने उसका कठोर एवं पीड़ादायी दंश झेलने को विवश हैं। यह एक विडम्बना ही है कि भारत जैसे विकासशील और जनसंख्या-बहुल देश में यदि गाँवों से शहरों की ओर जन-निष्क्रमण की गति नहीं बढ़ाई जाती तो गाँव बेरोजगार लोगों से भर जाएँगे और यदि गति बढ़ाई गई तो नगरों का दुर्भाग्यपूर्ण विकास नहीं रोका जा सकेगा। अत: योजनाओं के क्रियान्वयन में इस प्रकार का तालमेल बढ़ाना होगा कि साँप भी मर जाए और लाठी भी न टूटे।

संयुक्त राष्ट्र संघ की परिभाषा के अनुसार, ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों का शहरों में जाकर रहना और काम करना भी शहरीकरण है। किसी राष्ट्र की जनसंख्या का बढ़ता हुआ आकार जब शहर की तरफ निवास के लिए आकर्षित होता है एवम ग्रामीण अंचल से शहरों की तरफ पलायन करने लगता है तो उसे नगरीकरण या शहरीकरण कहते हैं। औद्योगीकरण, रोजगार के अवसर, व्यावसायीकरण, आधुनिकीकरण, सामाजिक लाभ और ग्रामीण-शहरी परिवर्तन शहरीकरण के मुख्य कारण हैं।

शहरीकरण एक प्रक्रिया है जिसमें शहरी क्षेत्र में विकास की गति बढ़ती है और लोग गाँवों से शहरों में बसते हैं। शहरीकरण के द्वारा शहरों की विकास और बढ़ती आबादी का सामर्थ्य सुनिश्चित किया जाता है। अति शहरीकरण यानी अत्यधिक शहरीकरण का मतलब है कि शहर की बढ़ती आबादी, अपार्टमेंट्स, व्यापारिक इमारतें, और सड़कों के निर्माण जैसी विकास क्रियाएं इतनी तेजी से हो रही हों कि इसका पर्याप्त सामर्थ्य नहीं होता है और इससे जनसंख्या एवं पर्यावरण को नुकसान हो सकता है।

यह बात तो लगभग सर्वमान्य है कि जिस रफ्तार से जनसंख्या बढ़ रही है, उस रफ्तार से न तो रोजगार के अवसर बढ़ रहे हैं और न ही रिहायशी क्षेत्र। ऐसे में स्वाभाविक है कि नगरों में जनसंख्या का घनत्व बढ़ेगा और अंततोगत्वा अति शहरीकरण की स्थिति उत्पन्न होगी। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरों की ओर जनसंख्या का पलायन अतिनगरीकरण का सबसे बड़ा कारण है। ग्रामीण क्षेत्रों से इस जनसंख्या पलायन के पीछे मुख्य कारण ग्रामीण क्षेत्रों में अधिक बेरोजगारी तथा दैनिक सुविधाओं का अभाव,चूँकि ग्रामीण क्षेत्र मुख्यत: कृषि आधारित होते हैं, वहाँ के स्थानीय लोगों को साल भर काम नहीं मिल पाता है, फलस्वरूप वे नगरों की ओर भागते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों से नगरीय क्षेत्रों में जनसंख्या का यह पलायन अत्यन्त तीव्र गति से हो रहा है और अनुमान है कि आने वाले वक्त में यह संख्या बड़ती ही जाएगी।

भारतीय शहरी संस्कृति प्राचीनकाल से ही आकर्षण का केन्द्र रही हैं। चूँकि नगर का स्वरूप गाँव के स्वरूप से बिल्कुल भिन्न होता है और वहाँ सुख-सुविधाओं का भी अम्बार लगा रहता है,यही एक मुख्य कारण है ग्रामीण जनसंख्या का शहरों की ओर आकर्षित होने का। यह बात अलग है कि भिन्न-भिन्न नगरों का विकास भिन्न-भिन्न कारणों से होता है, जैसे-दिल्ली, कोलकाता, वाराणसी आदि नगरों को ही लें। इन नगरों का विकास क्रमश: प्रशासनिक, व्यापारिक तथा धार्मिक कारणों से हुआ और इन्हीं कारणों ने उपरोक्त नगरों के विकास के लिए लोगों को आकर्षित करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। धीरे-धीरे उनका इतना विकास हो गया कि वहां अतिनगरीकरण की स्थिति उत्पन्न हो गई। भारत में जिस तरह चंडीगढ़, भुवनेश्वर, जमशेदपुर, गाँधीनगर आदि को बसाया गया है, उसी तरह अन्य उभरते नगरों को उनके विकास क्रम में ही नियोजित ढँग से बसाया जाए। अभी जो नगर छोटे हैं उसे गम्भीरता से लेते हुए उनके नियोजित एवं दूरदर्शितापूर्ण विकास की प्रक्रिया को अपनाया जाए।

निरन्तर बढ़ती जनसंख्या ने नगरों में अतिनगरीकरण की स्थिति उत्पन्न करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। जिस रफ्तार से जनसंख्या में वृद्धि हो रही है, उस रफ्तार से न तो कृषि एवं उद्योगों का विकास हो रहा है और न ही आवासीय क्षेत्रों का निर्माण। इस प्रकार प्रतिदिन एक नई आबादी उसी सीमित स्थान में रहने को विवश है। कुछ वर्षों पूर्व मुंबई में किए गए एक सर्वेक्षण से पता चला है कि वहाँ 14 प्रतिशत परिवार या तो सड़कों पर रहते हैं या उनका निवास गंदी बस्तियों में है। चेन्नई जैसे महानगर में ऐसे परिवारों की संख्या कुल जनसंख्या का 15 प्रतिशत है। पिछले कुछ वर्षों तक बंगलौर में 95 गंदी बस्तियाँ थी जिनमें 31 लाख व्यक्ति रहते थे। अब इनकी संख्या सम्भवत: और बढ़ गई होगी। नवीनतम अनुमान के अनुसार भारत में रहने वाला हर पाँचवाँ व्यक्ति गंदी बस्ती में रहता है।

18वीं शताब्दी के उत्तरार्द्ध में पूँजीवादी सिद्धान्त के सामने आने के बाद नई औद्योगिक व्यवस्था प्रारम्भ हुई। कल-कारखानों के स्वरूप में भी अमूल-चूल परिवर्तन हुए। कारखानों के आकार तथा संख्या में वृद्धि के साथ-साथ श्रमिकों की संख्या में भी अत्यधिक वृद्धि हुई। इस समय मशीनीकरण ने उद्योगों को विशाल रूप प्रदान किया। भारत में आजादी के पूर्व जमशेदपुर इस्पात उद्योग के रूप में स्थापित हो चुका था। स्वतंत्रता प्राप्ति के पश्चात भिलाई, दुर्गापुर, बोकारो, राउरकेला, कुल्टी, बर्नपुर, भद्रावती आदि नगरों की स्थापना लोहा-इस्पात उद्योग का विस्तार था। बरौनी, नूनमाटी, अंकलेश्वर आदि नगरों का विकास तेल शोधन कार्यों के कारण हुआ। मुंबई एवम शोलापुर, अहमदाबाद, सूरत, भड़ौच, इंदौर, नागपुर आदि में सूती वस्त्र उद्योग के कारखाने स्थापित हुए। बंगाल में हुगली में जूट उद्योग ने प्रगति की। ऐसे नगरों ने जो समुद्र किनारे स्थित थे और जहाँ बंदरगाह की सुविधा उपलब्ध थी, वहां औद्योगिक विकास ज्यादा तीव्र गति से हुआ।

यह बात तो लगभग सर्वमान्य है कि किसी भी उद्योग की स्थापना में श्रमिक शक्ति का महत्व सर्वोपरि होता है। जब भी किसी नगर या महानगर में उद्योग स्थापित होते हैं तो भारी संख्या में श्रमिकों की आवश्यकता होती है और उनकी आपूर्ति प्राय: बाहरी क्षेत्रों से होती है और शीघ्र ही ये नगर अनियन्त्रित भीड़-भाड़ व गंदे मकानों से घिर जाते हैं। वर्तमान में मुम्बई जैसे महानगरों ने फिल्म उद्योग के विकास के कारण लाखों युवाओं को अपनी ओर खींचने में सफलता पाई है। ग्रामीण क्षेत्रों के विकास ले लिए यह जरूरी है कि कृषि-आधारित उद्योगों का विकास हो, जैसे कि हाल ही में कई चीनी मिलें उत्तर प्रदेश के ग्रामीण इलाकों में स्थापित हुई हैं। इससे तीन फायदे हुए हैं। पहला यह कि वहाँ के लोगों को अपनी फसल बेचने नहीं जाना पड़ा। दूसरा, बिचौलियों की आवश्यकता न होने के कारण वे अपनी फसलों को सीधे कारखानों में बेच सके जिससे उन्हें अधिकतम मूल्य की प्राप्ति हुई। तीसरे, उन्हें गाँव में ही रोजगार मिल गया। ग्रामीण तथा कम शहरी क्षेत्रों में जिन उद्योगों का विकास सम्भव है, उनमें चीनी उद्योग, पोल्ट्री उद्योग तथा वनोत्पाद आधारित उद्योग मुख्य हैं।

साथ ही कुटीर एवं लघु उद्योगों को भी प्रोत्साहन मिलना चाहिए। इसके अतिरिक्त ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युतीकरण और बैंकिंग सुविधा का विस्तार भी अति आवश्यक है ताकि ग्रामीणों का व्यापार तथा उनकी अर्थव्यवस्था सुदृढ़ हो सके। तब निश्चित रूप से नगरों के स्वरूप में परिवर्तन आएगा और बहुत हद तक अतिनगरीकरण की समस्या दूर होगी। भारत में अतिनगरीकरण की समस्या से जूझ रहे विभिन्न नगरों के गर्भ में ही इस समस्या का कारण छिपा है। अतिनगरीकरण में सस्ते एवं तीव्र यातायात के साधन तथा उन्नत दूरसंचार माध्यमों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आज सड़क मार्ग द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का सम्पर्क महानगरों से सम्भव हुआ है, वहीं रेलमार्गों ने सस्ते एवं तीव्र गति के यातायात साधन उपलब्ध हो गए है तेज गति के यातायात साधनों की उपलब्धता के कारण लोग बड़े-बड़े नगरों की ओर इन सेवाओं को प्राप्त करने के लिए भागते हैं। आज की इस गलाकाट प्रतियोगिता के दौर में उद्योग अथवा व्यापारिक कार्य वहीं केन्द्रित होते हैं जहाँ उपरोक्त सुविधाएँ उपलब्ध हों। जैसे भारत के हर बड़े नगर को लें जहाँ सेल्यूलर फोन, इंटरनेट, मोबाइल फोन, ई-मेल आदि की सुविधा उपलब्ध है जो सर्वोत्कृष्ट दूरसंचार प्रणालियाँ हैं। इस स्थिति में उद्योगपतियों तथा व्यापारियों का रुझान वहीं होगा जहाँ उपरोक्त सुविधाएँ उपलब्ध हों।

भारतीय नगरों में एक आम बात देखने को मिलती है कि जितने भी उच्च संस्थान हैं, जैसे- शिक्षा संस्थान, अस्पताल, कार्यालय, न्यायालय आदि, वे सब नगरों या महानगरों में ही स्थित हैं। इन संस्थानों का महानगरों में स्थित होने का सबसे बड़ा कारण शायद यह है कि उनका सेवा क्षेत्र काफी विस्तृत है अर्थात वे काफी बड़े क्षेत्र को अपनी सेवाएँ प्रदान करते हैं। भारत में 1991 से आर्थिक उदारीकरण के सिद्धान्त को अपनाया गया। फलस्वरूप पिछले कुछ वर्षों में सैकड़ों बहुराष्ट्रीय कम्पनियों को भारत में स्थापित होने का मौका मिला जिनमें बड़ी संख्या में कुशल और अकुशल दोनों प्रकार के श्रमिकों को रोजगार मिला जिसकी आपूर्ति ग्रामीण और अर्द्ध ग्रामीण क्षेत्रों से हुई। साथ ही इसने विदेशों से भी कुशल एवं प्रशिक्षित लोगों को अपनी ओर आकर्षित किया। इस तरह भूमंडलीकरण, आर्थिक उदारीकरण आदि ने प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों प्रकार से नगरीय स्वरूप एवं उसके पर्यावरण को प्रभावित किया। नगरों में ओवर अरबनाइजेशन की स्थिति के जो दुष्परिणाम सामने आए हैं, वे हैं: रिहायशी मकानों की कमी; मकानों के किराए अधिक होना; गंदी बस्तियों का विकास; प्रशासनिक कठिनाईयाँ; नगरीय सुविधाओं की कमी; यातायात की समस्या; स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सुविधाओं का अभाव; अपराधों में वृद्धि; प्रदूषण की समस्या; दुर्घटनाओं में वृद्धि; मनोरंजक स्थलों की कमी; कूड़ा-कर्कट विसर्जन समस्या; विद्युत समस्या; पेयजल समस्या; बेरोजगारी समस्या; एवं सार्वजनिक क्षेत्रों में अतिक्रमण की समस्या।

नगरों में अति शहरीकरण की स्थिति के लिए विभिन्न उद्योगों का एक ही स्थान पर केन्द्रीकरण बहुत हद तक जिम्मेवार है। प्रत्येक नगर या महानगर के आस-पास या उसके चारों ओर छोटे-छोटे शहर या कस्बे होते हैं। यदि इन कस्बों को बड़े नगरों के साथ इस प्रकार जोड़ा जाए कि वे तमाम सुविधाएँ उन कस्बों को उपलब्ध हों जो मुख्य नगरों में उपलब्ध हैं, तो जनसंख्या घनत्व नगर विशेष में एकत्रित होने से रोका जा सकता है। जैसे-जैसे सुदूरवर्ती क्षेत्रों में सुविधाएँ एवं सेवाएँ उपलब्ध होती जाएँगी, जनसंख्या का सुदूरवर्ती क्षेत्रों में प्रसार होता जाएगा। इससे आंशिक रूप से ही सही, अतिनगरीकरण की स्थिति को कम किया जा सकेगा। अब तो दिल्ली जैसे महानगर में यह विधि अपनाई भी जा रही है। दूसरे शब्दों में, ग्रामीण क्षेत्रों का नगरीकरण और नगरी क्षेत्रों का ग्रामीणीकरण आज अत्यन्त आवश्यक है।

पिथौरागढ़ उत्तराखंड के युवा कवि महेश चंद के तेजी से बदलते नगरीय परिवेश पे यह शब्द एक बार सोचने को मजबूर कर देते है।

"अब पहुँची हो सड़क तुम गाँव जब पूरा गाँव शहर जा चुका है"।

–अविनाश जोशी,
स्वंतत्र पत्रकार एवं लेखक

कला तालाब गांव में आजादी के 76 साल बाद भी नहीं बनी सड़क

बच्चे बहते नाले को पार कर स्कूल जाते हैं

- **बीमार को चारपाई तक सड़क पर ले जाते हैं लोग**
- **कला तालाब गांव के 18 घरों में करीब 100 की आबादी है और मुख्य सड़क से तीन किलोमीटर गांव अंदर की तरफ है।**
- **'इस गांव में 250 से कम आबादी होगी, इसलिए सरकार की किसी भी स्कीम में यहां पर डामर सड़क नहीं बनने से वंचित होगी'**

राजसमंद, (निसं)। राज्य सरकार विकास के चाहे कितने ही दावे करती हो मगर जमीनी हालात बेहद चौंकाने वाले है। कला तालाब एक ऐसा गांव है जहां के लोगों को सड़क तक नसीब नहीं हुई। गांव में सड़क नहीं होने की वजह से पहाड़ों का पानी मुख्य रास्ते पर बह रहा है। गांव के बच्चों को परिजन हाथ पकड़ कर मुख्य रोड तक छोड़ते हैं। जब पानी का बहाव तेज होता है तब पहाड़ों के ऊपर से चलकर स्कूल जाना पड़ता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में गांव में कोई बीमार हो जाए तो उसको चारपाई पर लेटाकर मुख्य सड़क तक ले जाना पड़ता है क्योंकि नाले में पानी का बहाव ज्यादा होने से कच्ची सड़क पूरी कट चुकी है। इस कारण चार पहिया वाहन गांव तक आता ही नहीं है।

कुंभलगढ़ उपखंड के समीचा ग्राम पंचायत के कला तालाब गांव के हालात काफी खराब है। आजादी के 76 वर्ष बाद भी इस गांव में सरकार की तरफ से न तो डामरीकरण सड़क बनाई और न ही सीसी सड़क। बारिश के दिनों मे तो हालात इतने बदतर हो जाते हैं कि लोगों को अपने घर तक जाने के लिए भी कई चुनौतियों का सामना करन पडता है समीचा क्षेत्र के सभी पहाडियों का पानी इस गांव से होकर आगे बहता है। जबकि इस गांव में पुलिया निर्माण और गांव तक जाने के लिए रास्ता बेहद जरूरी है मगर चुनाव के समय वादे करने वाले नेता वोट मांगने आते है उसके बाद कोई इनका हाल पूछने वाला नहीं है। रास्ता इतना खराब है कि चार पहिया वाहन यहां तक नहीं पहुंच पाता है। गांव के लोगों के लिए सबसे बडी चुनौती बारिश के मौसम में रहती है एक तो स्कूल जाने वाले बच्चों की चिंता और अगर बहाव तेज आया तो सभी लोग घरों में ही रहते हैं या पहाड़ी के ऊपर होकर समीचा गांव तक पहुंचते हैं। कला तालाब गांव के 18 घरों में करीब 100 की आबादी है और मुख्य सड़क से तीन किलोमीटर गांव अंदर की तरफ है।

कला तालाब के गणपतसिंह ने बताया कि गांव में चुनाव के समय भाजपा व कांग्रेस पार्टी के नेता इस गांव तक जरूर आते हैं और उस समय गांव तक सड़क बनाने के लिए बडे-बडे वादे करके चले जाते हैं। इसके बाद इस बस्ती में मुड़कर कभी नहीं देखा। गांव के लोग लंबे समय से परेशान हैं। परेशान ग्रामीणों ने विधानसभा अध्यक्ष, कुंभलगढ़ विधायक सुरेंद्रसिंह राठौड़, पूर्व विधायक गणेशसिंह परमार को कई बार ज्ञापन देकर गांव तक सड़क बनाने की मांग की मगर अब तक कुछ नहीं हुआ।

बहते पानी से प्रतिदिन बच्चों को स्कूल भेजना पड़ता है। कई बार स्कूल से छुट्टी के बाद बच्चे जल्दी आ जाते हैं तब वे अकेले ही आते है अब ऐसे में हरदम खतरा रहता है। इसके अलावा बारिश के मौसम में गांव में कोई बीमार हो जाए या डिलीवरी केस हो तो उसे चारपाई पर मुख्य सड़क तक ले जाना पडता है। इसके बाद वाहन से उसे अस्पताल ले जाने की एक सबसे बडी चुनौती है।

विधायक कुंभलगढ़ सुरेन्द्रसिंह राठौड का कहना है कि ये रास्ता तालाब की पाल के पास होकर गुजरता है। पूर्व में यहां पर सड़क बनवाई थी, लेकिन पहाड़ी क्षेत्र होने के कारण यहां पर वर्ष पर्यंत पानी बहता रहता है। जिसके कारण यहां पर डामर की सड़क का टिकना संभव नहीं हो रहा है। मामला मेरे संज्ञान में है, पूरी सीसी रोड बनवानी होगी जिसके लिए बड़े बजट की आवश्यता है। मैने डीएमएफटी के प्रस्ताव में ये सड़क ले रखी है। जल्द ही स्वीकृति आने पर सड़क निर्माण कार्य शुरू करवाकर वहां के ग्रामीणों को राहत दी जाएगी।

मगनीराम रेगर, अभिशाषी अभियंता, पीडब्ल्यूडी विभाग आमेट-कुंभलगढ़ का कहना है कि इस गांव में 250 से कम आबादी होगी, इसलिए सरकार की किसी भी स्कीम में यहां पर डामर सड़क नहीं बनने से वंचित होगी। विभाग की ओर से अब 100 तक की आबादी को सड़क से जोड़ने की योजना में प्रस्ताव बनाकर भेजे है। स्वीकृति आने के बाद वहां पर सड़क बना दी जाएगी।

मूलभूत सुविधाओं से वंचित धनावत फलावासी

उदयपुर, (कासं)। आजादी के पिचहत्तर वर्ष बाद भी जिले के लसाडिया थाना क्षेत्र के धोलीया ग्रामवासी नदी पार कर स्कूल, शमशान एवं चिकित्सालय जाने के लिए मजबूर हैं।

उल्लेखनीय है कि जिले के लसाड़िया तहसील स्थित धोलिया गांव धनावतफला क्षेत्र के लोग देश की आजादी के बाद से आज दिन तक मूलभूत सूविधाओं से वंचित है। यहां के ग्राम में करीब 40 घरों की आबादी मे 100-125 लोग निवास करते हैं। ये लोग धोलिया में बहने वाली नदी के दूसरे छोर पर रहते हैं। इनके बच्चे राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोरीवेरी में पढ़ने जाते हैं। वर्षाकाल के समय में नदी में बहने वाले पानी के चलते सिर पर किताबों को रख कर पढ़ने जाना इन मासूसभावी कर्णधारों की मजबूरी सी बन गई है जिससे कभी बड़े हादसे को न्यौता देने जैसा है। यहीं नहीं यहां के लोगों का शमशान भी नदी के दूसरे छोर पर स्थित है। जिन्हें वर्षाकाल के दौरान किसी परिवारजन की मृत्यु होने पर अर्थी को दूसरे छोर तक ले जाना दुभर हो जाता है। अगर नदी का तेज बहाव होने पर ग्रामवासियों को बहाव कम होने का इंतजार करना पड़ता है। इसी तरह गर्भवती महिलाएं बीमारी एवं सामाजिक कार्य में भी इस नदी को पार कर दूसरे छोर तक जाना ग्रामीणों की मजबूरी सा बन गया है। सड़क, पुलिया स्वीकृत करने की मांग करते हुए क्षैत्रवासियों ने मुख्य सचिव राजस्थान सरकार, जिला कलक्टर, उपखण्ड अधिकारी को गुहार लगाई है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 2 अगस्त, 2023

प्र. सावन मास (अधिक), कृष्ण पक्ष, प्रतिपदा तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2080, श्रवण नक्षत्र दिन 12:58 तक, आयुष्मान योग दिन 2:33 तक, बालव करण दिन 10:04 तक, चन्द्रमा रात्रि 11:26 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-कर्क, चन्द्रमा-मकर, मंगल-सिंह, बुध-सिंह, गुरू-मेष, शुक्र-सिंह, शनि-कुम्भ, राहु-मेष, केतु-तुला राशि में।

कुमार योग दिन 12:58 तक है। राजयोग रात्रि 8:06 से सूर्योदय तक है। आज से पंचक रात्रि 11:26 से आरम्भ होंगे। शुक्र वृद्धत्व सांय 6:45 से आरम्भ होगा।

सर्वश्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:14 तक, शुभ 10:54 से 12:33 तक, चर 3:52 से 5:31 तक, लाभ 5:31 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:55, सूर्यास्त 7:11

मेष

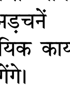

व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्यों में आ रही अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष

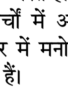

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि होगी। परिवार में मनोरंजन के कार्यक्रम बन सकते हैं।

मिथुन

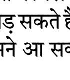

अपनी कार्य योजना को सीमित रखें। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं। नवीन कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं।

कर्क

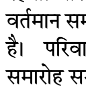

परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में सामूहिक प्रयासों से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं।

सिंह

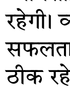

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्यों में व्यस्तता बनी रहेगी। व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कन्या

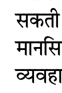

व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ रहेगी। व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को मानसिक तनाव बना रहेगा। परिजनों के व्यवहार के कारण मन खिन्न हो सकता है।

तुला

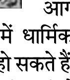

परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। नौकरीपेशा व्यक्तियों को उच्चाधिकारियों से सहयोग मिलेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक

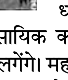

व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

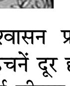

व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा।

मकर

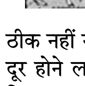

व्यावसायिक/आर्थिक मामलों में लापरवाही ठीक नहीं रहेगी। व्यावसायिक अड़चनें दूर होने लगेंगी। घर-परिवार में वाद-विवाद टालना ठीक रहेगा। वाणी पर नियंत्रण संयम रखना ठीक रहेगा।

कुंभ

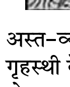

घर-परिवार में अतिथियों के आगमन से दिनचर्या अस्त-व्यस्त हो सकती है। घर-गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी।

मीन

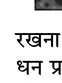

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बनाए रखना ठीक रहेगा। संभावित स्त्रोत से धन प्राप्त होगा। व्यावसायिके स्थिति ठीक रहेगी। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

हिण्डौन सिटी

Rashtradoot

फोनः- 230200, 230400 फैक्सः- 07469-230600 वर्षः 15 संख्याः 272 प्रभात हिण्डौन सिटी, बुधवार 2 अगस्त, 2023 पो. रजि.SWM-RJ-6069/2017-18 पृष्ठ 8 मूल्य 2.50 रु.

राजस्थान में बढ़ रहे महिला अपराध, बिगड़ती कानून व्यवस्था, पेपर लीक और किसान कर्ज़माफी नहीं करने जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा ने मंगलवार को राजधानी जयपुर में कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया। सरदार पटेल मार्ग स्थित भाजपा कार्यालय पर हुई जनसभा में प्रदेशभर से हजारों लोग उमड़े। प्रदेश प्रभारी व भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सी.पी. जोशी, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़ और उपनेता प्रतिपक्ष व पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया, केंद्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत, सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ और सुमेधानंद सरस्वती ने जनसभा को संबोधित किया। वहीं, प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे के शामिल नहीं होने को लेकर चर्चाएं भी होती रहीं। भाजपा कार्यालय से निकलकर कार्यकताओं ने जब सचिवालय घेराव की कोशिश की तो पुलिस ने उन्हें स्टैच्यू सर्किल पर रोक लिया और वॉटर कैनन चलाकर भीड़ को खदेड़ा। इसके बाद भाजपा नेताओं ने विरोध जताते हुए गिरफ्तारियां भी दीं। **(विस्तृत समाचार पेज नम्बर दो पर पढ़ें।)**

'मणिपुर में कानून व्यवस्था पूरी तरह खत्म हो गयी'

सुप्रीम कोर्ट ने आदेश दिया कि, मणिपुर के पुलिस महानिदेशक 7 अगस्त को न्यायालय के समक्ष उपस्थित होकर, इस बारे में न्यायालय के सवालों का जवाब दें

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने मणिपुर कीजातीय हिंसा, जिसमें महिलाओं को निशाना बनाया जा रहा है, के कारण संविधान के ठप्प होने पर गौर करते हुए राज्य के पुलिस महानिदेशक को 7 अगस्त से पहले व्यक्तिगत रूप से पेश होकर पुलिस की गलतियों पर प्रश्नों के उत्तर देने को कहा।

जांच को धीमी और सुस्त बताते हुए मुख्य न्यायाधीश डी.वाय. चन्द्रचूड़ ने कहा कि एफ.आई.आर. दर्ज होने और बयान दर्ज करने में देर हुई है।

मुख्य न्यायाधीश ने कहा "जांच की आवश्यक प्रकृति कोर्ट को समझाने के लिए हम मणिपुर के डी.जी.पी. को निर्देश देते हैं कि वे सोमवार को दोपहर 2 बजे व्यक्तिगत रूप से कोर्ट में उपस्थित रहें और कोर्ट के सवालों के जवाब दें।"

- **सुप्रीम कोर्ट ने यह टिप्पणी की कि, वारदात के बाद मई माह के आरंभ से जुलाई के अंत तक इतनी कमजोर और धीमी गति से जांच हुई थी, जैसे कोई कानून ही नहीं लागू है मणिपुर में।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि, 6523 एफ.आई.आर. दर्ज हुई और अब सी.बी.आई. को जांच सौंपी गयी है, पर लगता नहीं कि, सी.बी.आई. इतनी सारी एफ.आई.आर. की जांच कर पायेगी, अतः सुप्रीम कोर्ट रिटायर्ड जजों का पैनल गठित कर सकता है, इस पूरे मामले में।**
- **सुप्रीम कोर्ट ने यह संकेत दिया कि, इतनी भयावह, घृणित व भारी हिंसा हुई है कि, सुप्रीम कोर्ट एक एस.आई.टी. गठित कर इस घटनाक्रम की गहराई से जांच करवा सकता है।**

सुप्रीम कोर्ट की टिप्पणियों से विपक्ष को और हथियार मिलेगा जो मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह को हटाने और राष्ट्रपति शासन लगाने की मांग कर रहा है।

जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की सदस्यता वाली बैंच ने कहा, जांच बहुत सुस्त है। कोई गिरफ्तारी नहीं हुई। बयान इतने समय बाद रिकॉर्ड किए जा रहे हैं। इससे लगता है कि मई के आरंभ से जुलाई का अंत तक कोई कानून नहीं था। संवैधानिक मशीनरी ठप्प पड़ गई। शायद यह सही ह कि गिरफ्तारी इसीलिए नहीं हुई कि पुलिस उस क्षेत्र में प्रवेश नहीं कर सकती थी। लेकिन कानून-व्यवस्था तो पूरी तरह ठप्प हो गई।"

बैंच ने 20 जुलाई को एक वीडियो का स्वतः संज्ञान लिया था जिसमें दंगाग्रस्त मणिपुर में दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाया गया था। कोर्ट ने राज्य सरकार से कहा वह 6523 एफ.आई.आर. को हत्या, बलात्कार, बलात्कार एवं हत्या, आगजनी, लूटपाट, संपत्ति नष्ट करने, महिलाओं का शीलभंग, पूजास्थलों को नष्ट करने जैसे अपराधों में अलग-अलग बांट दें।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्या रूस यूक्रेन पर न्यूक्लियर बम गिराने की सोच रहा है?

दिमित्री मेदवेदेव, जो 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति थे तथा अब पुतिन के विश्वासी दायां हाथ हैं, ने यह चेतावनी दी

-सुकुमार साह-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। लंबे समय से चले आ रहे युद्ध के बीच रूस द्वारा यूक्रेन को घुटनों पर लाने के उद्देश्य से कई बार परमाणु हथियारों की धमकी दी गई है। अभी तक सब थोथी ही साबित हुई है।

रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सुरक्षा परिषद के वर्तमान उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव की नवीनतम धमकी भी ऐसी ही थोथी हो सकती है। लेकिन यह उन खबरों के बाद आई है कि यूक्रेन नाटो की मदद से भारी जवाबी हमले की योजना बना रहा है इसलिए इस धमकी को नज़रअंदाज नहीं किया जा सकता।

यह विशेषकर अनिष्टकारी है। यह देखते हुए कि रूस क पास हथियारों का भारी जखीरा है। रूस के पास 4477 स्थापित और आरक्षित परमाणु हथियार हैं जिनमें से 1900 घातक हथियार हैं। यह जानकारी फैडरेशन ऑफ अमेरिकन साइंटिस्ट्स ने दी है।

- **इस चेतावनी को गंभीरता से इसलिये लिया जा रहा है, क्योंकि काफी चर्चा है कि, यूक्रेन नाटो की मदद से रूस के खिलाफ "पलट आक्रमण" (काउन्टर ऑफैन्सिव अटैक) करने वाला है।**

राष्ट्रपति पुतिन के निकट सहयोगी मेदवेदेव ने कहा बताया कि अगर जवाबी हमला सफल हो गया और इसमें रूस का कुछ भाग हथिया लिया जाता है तो, "हमें रूस के राष्ट्रपति के आदेशानुसार परमाणु हथियारों का उपयोग करना होगा।

मेदवेदेव ने कहा, "उसके अलावा कोई चारा ही नहीं है। हमारे शत्रुओं को हमारे सैनिकों से प्रार्थना करनी चाहिए कि दुनिया को परमाणु की लपटों में न धकेले। मेदवेदेव 2008 से 2012 तक रूस के राष्ट्रपति रहे। वे कई बार परमाणु हमले की बात कह चुक हैं।

पश्चिमी मीडिया की खबरें कहती हैं कि गत अप्रैल में स्वीडन और फिनलैंड नाटो में शामिल होते हैं तो रूस परमाणु हमला कर सकता है। हेलसिंकी माह के अंत में इस रक्षा गठबंधन में शामिल हो गया जबकि स्टॉकहोम का नाटो में जाने का रास्ता साफ हुआ जब तुर्की ने अपने ऐतराज वापस ले लिए।

सितंबर में मेदवेदेव ने कहा था कि रूस की सीमा के क्षेत्रों को यूक्रेन से बचाने के लिए रणनीतिक परमाणु हथियारों का उपयोग किया जा सकता है और जनवरी में जब नाटो के सदस्य देश यूक्रेन को नए हथियार भेजने पर पर विचार कर रहे थे तब मेदवेदेव ने कहा था कि युद्ध में रूस की हार का नतीजा परमाणु युद्ध हो सकता है।

मेदवेदेव ने जनवरी में टेलीग्राम मैसेंजर सर्विस पर लिखा, "एक परंपरागत युद्ध में एक परमाणु शक्ति की हार से परमाणु युद्ध भड़क सकता है। परमाणु शक्तियाँ ऐसे प्रमुख विवाद नहीं हार सकतीं जिससे उनका भाग्य जुड़ा है।

मेदवेदेव के वक्तव्य से पहले रूस के रक्षा मंत्री ने कीव पर ड्रोन से मॉस्को पर हमले का आरोप लगाया था। रविवार को तीन ड्रोन बीच में रोके गए लेकिन मॉस्को के पश्चिम में एक व्यापारिक प्रतिष्ठान पर हमला हुआ।

गत माह पुतिन ने कहा था कि रूस रणनीतिक परमाणु हथियारों की पहली खेप बेलारूस पहुंचा चुका है जहां वे रोकथाम के लिए लगाए गए हैं।

सैंट पीटर्सबर्ग इंटरनैशनल इकोनॉमिक फोरम में बोलते हुए पुतिन ने कहा कि रूस जो बाकी हथियार बेलारूस पहुंचाना चाहता है वे गर्मी के अंत तक या इस वर्ष के अंत तक पहुंच जाएंगे।

अमेरिका की डिफैंस इंटैलिजेंस एजेन्सी ने कहा है कि उसके पास पुतिन के इस दावे पर संदेह करन का कोई कारण नहीं है कि परमाणु हथियार बेलारूस में हैं।

अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने उस समय कहा था कि "हमें अपने परमाणु रवैये को समायोजित करने की कोई आवश्यकता नहीं है क्योंकि ऐसे कोई संकेत नहीं है कि रूस परमाणु हथियार काम में लेने की तैयारी कर रहा है।

बेलारूस के राष्ट्रपति एलैक्जेंडर लुकाशेंको ने गत माह कहा था कि हमले की स्थिति में वे बेलारूस की धरती पर तैनात रणनीतिक रूसी परमाणु हथियारों का उपयोग करने से वे नहीं हिचकेंगे।

लेकिन डी.आई.ए. के वरिष्ठ अधिकारियों ने कहा कि वे नहीं मानते कि लुकाशेकों का हथियारों पर कोई नियंत्रण है। उन पर रूस का ही नियंत्रण होगा।

क्या आपको कम सुनाई देता है।?
ऑटोमैटिक
कान की मशीनें
स्पीच थैरेपी
कॉकलियर इम्पलांट, ऑटिज्म
डिले स्पीच, हकलाना, तुतलाना
PERFECT SPEECH AND HEARING SOLUTIONS
Tonk Road, JAIPUR | Vaishali Nagar, JAIPUR
सम्पर्क- 94602 07080

सी.एम. गहलोत के खिलाफ समन पर रोक से इन्कार

जयपुर, 1 अगस्त (का.सं.)। दिल्ली की राउज़ एवेन्यु की विशेष अदालत ने, संजीवनी क्रेडिट कोऑपरेटिव सोसायटी घोटाला मामले में केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह व उनके परिवारजनों के खिलाफ की गई बयानबाजी के आपराधिक मानहानि मामले में सीएम अशोक गहलोत को जारी समन पर रोक लगाने से इनकार

- **दिल्ली के राउज़ एवेन्यु की विशेष अदालत ने एक आपराधिक मानहानि मामले में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उपस्थित होने को कहा है। यह केस केन्द्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह ने संजीवनी क्रेडिट मामले में गहलोत की बयानबाजी के खिलाफ दर्ज करवाया है।**

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

यू.पी. में साम्प्रदायिक व विवादित बयान बाजी चरम सीमा पर!

एक तरफ मु.मंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, ज्ञानवापी पूजा स्थल को मस्जिद कहने से विवाद भड़केगा

-श्रीनन्द झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। चुनावी लिहाज़ से भारत के सबसे महत्वपूर्ण राज्य उत्तर प्रदेश का राजनीतिक माहौल गर्म हो रहा है। राज्य के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुस्लिम समुदाय से अपील की है कि वह ज्ञानवापी मस्ज़िद से संबंधित विवाद का "कोई समाधान प्रस्तुत करे।" उन्होंने कहा कि "ज्ञानवापी की दीवारें चीख रही हैं तथा इसे मस्जिद कहने से विवाद पैदा होगा।

समाजवादी पार्टी नेता स्वामी प्रसाद मौर्य, जो पहले भाजपा में थे, ने यह कहकर एक नया विवाद खड़ा कर दिया है कि बहुत से मंदिर, जिनमें बद्रीनाथ एवं केदारनाथ मंदिर भी शामिल हैं, बौद्ध मठों को ध्वस्त करके बनवाने गये थे। पूर्व राज्यपाल सतपाल मलिक ने यह कहकर तिक्तता और भी बढ़ा दी है कि भाजपा नेता 2024 के चुनाव जीतने के लिये किसी भी चाल या दाँव का सहारा ले सकते हैं, जैसे- अयोध्या के मंदिर पर बम के हमले की व्यवस्था कर लें या किसी महत्वपूर्ण पार्टी नेता को मरवा दें।

- **दूसरी ओर सपा के स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा कि, बद्रीनाथ, केदारनाथ मंदिर, सातवीं/आठवीं शताब्दी में बौद्ध विहार/आश्रम थे, जिन्हें नष्ट करके, उनके स्थान पर मंदिर बनाये गये हैं।**
- **स्वामी प्रसाद मौर्य ने इसी लय में आगे कहा कि, पुरी का जगन्नाथ मंदिर, अयप्पा मंदिर पंढरपुर का विठोबा मंदिर भी बौद्ध मठ थे, जिन्हें तोड़ कर उन पर हिन्दू पूजा स्थल बनाने गये हैं।**
- **मायावती ने कहा, ये बातें स्वामी प्रसाद मौर्य ने तब क्यों नहीं उठाईं, जब वे भाजपा में थे। अब सपा से जुड़ने के बाद, इन बातों को उछालना केवल चुनाव में लाभ हानि की सोच का परिणाम है।**
- **पूर्व राज्यपाल सत्यपाल मलिक ने और भी आगे बढ़ कर कहा, भाजपा चुनाव जीतने के लिये कुछ भी कर सकती है। यहां तक कि, अयोध्या राम मंदिर पर बम भी गिरा सकती है।**

ज्ञानवापी पर योगी आदित्यनाथ का यह बयान इलाहाबाद उच्च न्यायालय के उस याचिका पर निर्णय देने से पहले

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अविश्वास प्रस्ताव पर 8 अगस्त को चर्चा होगी

-डॉ. सतीश मिश्रा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। विपक्षी गठबंधन इंडिया द्वारा लाये गये अविश्वास प्रस्ताव पर 8 अगस्त को चर्चा होगी तथा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी 10 अगस्त को बहस का जवाब देंगे।

सूत्रों ने कहा कि कांग्रेस सांसद गौरव गोगोई द्वारा पेश किये गये अविश्वास प्रस्ताव के नोटिस पर चर्चा की तिथि के निर्धारण पर यह निर्णय लोकसभा की बिजनैस एडवाइजरी कमेटी की मीटिंग में मंगलवार को लिया गया, जिसकी अध्यक्षता लोकसभा अध्यक्ष ओम बिड़ला ने की।

- **प्रधानमंत्री 10 अगस्त को सदन में अविश्वास प्रस्ताव पर हुई बहस का जवाब देंगे।**

सूत्रों ने आगे कहा कि प्रस्ताव पर चर्चा के तिथि निर्धारण में सत्तारूढ़ दल की इस इच्छा को मद्दे नजर रखा गया है कि इस पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

'गलत टैस्ट रिपोर्ट का मतलब होता है गलत इलाज'

फर्जी लैब का मामला केवल कानूनी या गैर कानूनी नहीं, यह मरीज के लिये जानलेवा साबित हो सकता है

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 1 अगस्त। फर्जी मैडिकल रिपोर्ट तैयार करने वाली मैडिकल लैब्स केवल गैर कानूनी तरीके से पैसे ऐंठने का ही कृत्य नहीं करतीं बल्कि जनता के स्वास्थ्य के साथ भी खिलवाड़ करती हैं। जिन लैब्स से गलत रिपोर्ट जारी होती है वे जाँच करा रहे मरीज को सही समय पर सही इलाज करवाने से वंचित करती है जो जानलेवा भी हो सकता है। मरीज़ की मैडिकल रिपोर्ट ही उसका मैडिकल ट्रीटमैंट निर्धारित करती है।

फर्जी लैब्स सरकारी स्वास्थ्य योजनाओं को कैसे प्रभावित करती हैं, इस श्रृंखला में आगे बताया गया है। फर्जी मैडिकल लैब्स के कारोबार से भारी नुकसान होता है जिसकी रोकथाम के लिए ही कड़े व विस्तृत कानून लाए गए हैं, जिनको लागू करवाना राज्य के स्वास्थ्य विभाग का ही दायित्व है। लेकिन राज्य सरकार जानते-बूझते कैसे इन नियमों का उल्लंघन कर रही है, आज की खबर में उस बारे में जानकारी दी गई है।

- **सरकार की यह दलील थोथी है कि, सभी टैस्ट लैब्स पर निगरानी रखने के लिये उसके पास फंड नहीं है, क्योंकि, अगर सही रिपोर्ट उपलब्ध कराने की गारंटी सरकार नहीं दे सकती तो सही इलाज की गारंटी कहां से देगी। इस श्रृंखला की पहली कड़ी में इसका उल्लेख किया जा चुका है।**
- **क्योंकि लैब्स के पंजीकरण के संबंध में सन् 2020 में ही मानक तय कर दिए गए थे, राज्य सरकार को प्रदेश की सभी मैडिकल लैब्स का पंजीकरण 2022 तक कर देना चाहिए था, जो कि अभी तक भी नहीं हुआ है।**
- **नियम के अनुसार, राज्य सरकार को प्रदेश के सारे जिलों, जिनमें जयपुर और जोधपुर जैसे बड़े जिले भी शामिल हैं, की लैब्स का पंजीकरण कर यह जानकारी केन्द्र सरकार के साथ साझा करनी थी और अखबारों में भी प्रकाशित करनी थी, परन्तु दस्तावेजों से ऐसा प्रतीत होता है कि, राज्य सरकार जान बूझ कर अपने दायित्वों से पल्ला झाड़ रही है।**

जैसा कि विदित है कि वर्ष 2018 में केन्द्र सरकार ने मैडिकल लैब्स के मानक तय कर दिए थे। इन मानकों को केन्द्र सरकार ने वर्ष 2020 में पुनः संशोधित भी किया था। इन मानकों में लैब्स को बड़ी, छोटी एवं मध्यम स्तर में विभाजित किया गया है। इन्हीं मानकों में से एक है कि, छोटी लैब्स (बेसिक लैब्स) में एम.सी.आई. या राज्य स्तर की मैडिकल काऊंसिल में रजिस्टर्ड एम.बी.बी.एस. डॉक्टर, जिनके पास मैडिकल लैब्स में कार्य करने का कम- से- कम एक साल का अनुभव हो, 'बेसिक' लैब्स में तैयार की जा रही मेडिकल टैस्ट रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर सकते हैं। वर्ष 2020 में जारी किए गए मानकों में कहा गया है कि माध्यमिक और बड़े स्तर की लैब्स में एम.डी. या डिप्लोमा ऑफ नैशनल बोर्ड या डिप्लोमा इन क्लीनिकल पैथोलॉजी कर चुके डॉक्टर्स, जो एम.सी.आई. या राज्य स्तरीय मैडिकल काउंसिल में रजिस्टर्ड हो, वे इन लैब्स द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट पर हस्ताक्षर कर सकते हैं।

केन्द्र सरकार द्वारा संशोधित मानकों में पैथोलॉजी, माईक्रोबॉयोलॉजी क्षेत्रों में एम.एस.सी. या पी.एच.डी. कर चुके व्यक्ति, टैस्ट रिपोर्ट जारी कर सकते हैं परंतु ऐसी लैब के संचालकों को या स्वयं एम.एस.सी. या पी.एच.डी. कर चुके व्यक्तियों को, रिपोर्ट के नीचे यह 'डिसक्लेमर' भी देना होता है कि उनके द्वारा जारी की गई रिपोर्ट केवल चिकित्सकों के उपयोग के लिए है ना कि किसी व्यक्ति विशेष का चिकित्सीय निदान का आंकलन है।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2017 में आदेश दिया था कि केवल एम.डी. (डॉक्टरेट ऑफ मैडिसन) कर चुके डॉक्टर ही मैडिकल रिपोर्ट पर हस्ताक्षर करने के लिए योग्य हैं और वर्तमान में केन्द्र सरकार द्वारा जारी किए गए मानक सुप्रीम कोर्ट द्वारा दिए गए आदेश की पूरी तरह पालना नहीं करते।

क्लीनिकल एस्टैबलिशमेंट एक्ट के तहत बने रूल्स के अनुसार चिकित्सा विभाग को प्राईवेट मैडिकल लैब्स, चाहे बड़ी, छोटी या माध्यमिक स्तर की, का स्थायी पंजीयन करना होता है। स्थायी पंजीयन करने के लिए भी विभाग को लैब के संचालक, लैब का पता, लैब में

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

शिव सेना मसले की त्वरित सुनवाई नहीं

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सुप्रीम कोर्ट ने उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना की याचिका पर त्वरित सुनवाई मंगलवार को इन्कार कर दिया। उद्धव ठाकरे ने चुनाव आयोग द्वारा प्रतिद्वंदी शिंदे गुट को असली शिव सेना के रूप में मान्यता दने और पार्टी का अधिकृत चुनाव चिन्ह तीर-कमान आवंटित करने के खिलाफ याचिका दायर की है।

- **सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि, संवैधानिक बैंच पहले जम्मू-कश्मीर केस की सुनवाई कर ले उसके बाद शिव सेना का केस सुना जाएगा।**

वरिष्ठ अधिवक्ता अमित आनंद तिवारी ने चीफ जस्टिस डी.वाय. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली बैंच के समक्ष मामला रखा और त्वरित सुनवाई की मांग की। बैंच, जिसमें जस्टिस जे.बी. पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा भी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भरतपुर के पहाड़ी, कामा, नगर व सीकरी में इंटरनेट बंद

हरियाणा के नूंह में ब्रज मण्डल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया

हरियाणा के नूंह में ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद भरतपुर में पुलिस ने बॉर्डर को सील कर दिया।

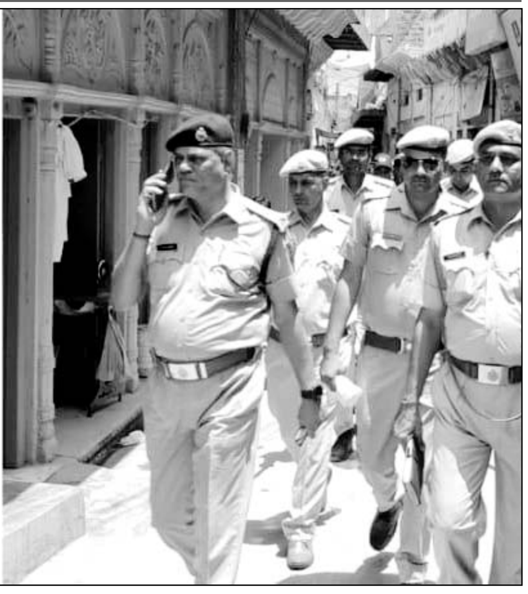

उपखंड अधिकारी तथा कामां के एडिशनल ने जुरहरा थाने पर सीएलजी सदस्यों की बैठक ली। वहीं पुलिस ने फ्लैग मार्च किया।

भरतपुर/जुरहरा, (निसं)। हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया है। यहां के चार क्षेत्रों में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। वहीं मंगलवार को बॉर्डर भी सील कर दिया गया है। हरियाणा राज्य से भरतपुर की सीमाएं जुडी हैं इसलिए यह निर्णय लिया गया है। वहीं प्रशासन के द्वारा संबंधित क्षेत्र में धारा 144 लगाने का प्रस्ताव जिला कलेक्टर लोक बंधु को भेजा गया है।

संभागीय आयुक्त सांवरमल वर्मा ने मंगलवार सुबह पहाड़ी, कामां, नगर, सीकरी में आज सुबह 6 बजे से बुधवार सुबह 6 बजे तक इंटरनेट पर रोक लगा दी गई है। संभागीय आयुक्त ने आदेश में बताया कि हरियाणा के नूंह(मेवात) में ब्रज मंडल धार्मिक यात्रा के दौरान दो गुटों में टकराव हो गया। इससे तोड़फोड़ आगजनी, पथराव और नेशनल हाईवे जाम जाम स्थिति बनी हुई है। भरतपुर में असामाजिक तत्वों की ओर से कानून और शांति व्यवस्था बिगाड़ने की कोशिश की जा सकती है।

एसपी मृदुल कच्छावा ने बताया कि नूंह में निकाली जाने वाले भगवा यात्रा का असर भरतपुर में नहीं पड़े, इसके लिए भरतपुर पुलिस को अलर्ट किया गया है। हरियाणा बॉर्डर के आस-पास पुलिस जाब्ता तैनात कर निगरानी बढ़ा दी गई है। मंगलवार सुबह यहां फ्लैग मार्च निकाला गया। हालांकि नासिर-जुनैद की हत्या के आरोपियों को पकड़ने के लिए गोपालगढ़ थाना पुलिस की एक टीम हरियाणा में है। अभी नासिर-जुनैद हत्याकांड के मामले में 3 आरोपियों की गिरफ्तारी हुई है। बाकी के आरोपियों को गिरफ्तार करने की कोशिश की जा रही है।1 अगस्त को हरियाणा के नूंह में ब्रज मंडल यात्रा

- **प्रशासन के द्वारा संबंधित क्षेत्र में धारा 144 लगाने का प्रस्ताव जिला कलेक्टर लोक बंधु को भेजा गया है**

निकाली जा रही थी। इसमें मोनू मानेसर ने अपनी टीम के साथ यात्रा में शामिल होने का ऐलान किया था।

मोनू मानेसर को भरतपुर पुलिस नासिर, जुनैद हत्याकांड में तलाश कर रही है। यात्रा में शामिल होने का दावा करते हुए मोनू मानेसर ने एक वीडियो जारी किया था। जिसके बाद पुलिस अधिकारियों ने हरियाणा से सटे मेवात इलाके के बॉर्डर इलाकों में अलर्ट जारी किया था। जिससे नूंह में हुए बबाल का असर भरतपुर में न पड़े, इस स्थिति में सांप्रदायिक तनाव फैलने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शांति और कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए इंटरनेट सेवाओं पर रोक लगाना जरूरी है। ब्रॉडबैंड और लीज लाइन सेवाओं को छोड़कर इंटरनेट पर रोक लगाई है।

जुरहरा कस्बे में पुलिस का फ्लैग मार्च :- हरियाणा के नूंह में विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की ब्रज मंडल यात्रा के दौरान हिंसा और बवाल के बाद राजस्थान के भरतपुर में अलर्ट जारी किया गया है। जिसके चलते मंगलवार को कामां एडिशनल एसपी हिम्मतसिंह के नेतृत्व में भारी पुलिस जाप्ते के साथ जुरहरा कस्बे में फ्लैग मार्च निकाला। वहीं क्षेत्र के लोगों से अमन-चैन कायम रखने की अपील की गई है। वहीं उपखंड अधिकारी दिनेश शर्मा तथा कामां के एडिशनल हिम्मत सिंह ने जुरहरा थाने पर सीएलजी सदस्यों की बैठक ली। बैठक के दौरान एडिशनल एसपी हिम्मत सिंह ने कहा कि कामां क्षेत्र में दोनो समुदायों के बीच आपसी भाईचारा बना हुआ है और और सम्पूर्ण कामां क्षेत्र में शांति का माहौल है वहीं सोशल मीडिया पर भरतपुर पुलिस पूरी तरह नजर बनाए हुए है किसी भी प्रकार की आपत्तिजनक पोस्ट तथा कमेंट करने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी

दिनेश शर्मा उपखंड अधिकारी कामां का कहना है कि मंगलवार को कामां तथा जुरहरा क्षेत्र में सीएलजी सदस्यों की बैठक ली गई। बैठक के दौरान सीएलजी सदस्यों के द्वारा अवगत कराया गया कि क्षेत्र में किसी भी बाहरी बात या अफवाह को लेकर कोई तनाव नहीं है। फिर भी नूंह मेवात में हुई हिंसा के बाद क्षेत्र में बॉर्डर इलाकों में पुलिस जाप्ता तैनात किया गया है। क्षेत्र में संबंधित सभी थानाधिकारियों को सोशल मीडिया पर फैलाई जाने वाली किसी भी अफवाह से निपटने के आदेश दिए गए हैं। कामां उपखंड के सभी क्षेत्रवासियों से अपील करता हूं कि क्षेत्र में किसी भी अफवाह पर ध्यान ना दें तथा किसी भी प्रकार की सूचना मिलने पर प्रशासन को अवगत कराया जाए। क्षेत्र में पूरी तरह से शांति है कानून व्यवस्था बिगाड़ने वाले लोगों से सख्ती से निपटा जाएगा।

मुकंदरा को शीघ्र मिल सकता है बाघों का एक और जोड़ा

नई दिल्ली/कोटा। मुकंदरा हिल्स टाइगर रिज़र्व को शीघ्र ही बाघों के एक और जोड़े की सौगात मिल सकती है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने मंगलवार को सांसद दुष्यंत सिंह से मुलाकात के दौरान यह आश्वासन दिया है। फिलहाल यहां एक बाघिन को शिफ्ट करने की तैयारी चल रही है। सांसद सिंह ने मंगलवार को पर्यावरण मंत्री यादव से संसद भवन में मुलाकात कर मुकंदरा टाइगर रिजर्व को बाघों से आबाद करने की मांग रखी।

- **पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने सांसद दुष्यंत सिंह को आश्वासन दिया**

उन्होंने कहा कि 2013 में अधिसूचित होने के 10 साल बाद भी हाड़ौती में इको पर्यटन के विकास का स्वप्न साकार नहीं हो सका है। उन्होनें कहा कि पिछले तीन माह से बाघ एमटी 5 यहां एकाकी जीवन व्यतीत कर रहा है, ऐसे में उसकी स्वयं की सुरक्षा के साथ आसपास की आबादी को भी खतरा है। सांसद ने कहा कि मुकंदरा में मात्र एक बाघिन को शिफ्ट करने से समस्या का समाधान संभव नहीं है। उन्होंने यहां एक बाघ और तीन-चार बाघिनों की शिफ्टिंग का सुझाव दिया। सांसद ने कोटा के अभेड़ा बायोलॉजिकल पार्क में पल रहे शावकों को भी शीघ्रता से अभ्यारण्य में शिफ्ट करने का सुझाव दिया। उन्होंने अभ्यारण्य से संबंधित अधिकारी एवं वन रक्षकों की संख्या बढ़ा ने की मांग भी रखी। इस चर्चा के दौरान क्षेत्रीय रेलवे सलाहकार समिति सदस्य धीरज गुप्ता और नागेश शर्मा भी उपस्थित रहे।

पुलिस ने पकड़ी हुई अवैध शराब बैची

भीलवाड़ा, (निसं)। आमजन में विश्वास और अपराधियों में भय के नारे वाली भीलवाड़ा पुलिस इन दिनों अपराधियों से पकड़ी हुई अवैध शराब को अवैध रूप से ढाबों पर बैचने में लगी हुई है। मामला भीलवाड़ा के पुर थाने से जुड़ा हुआ है जहां के एक दीवान हनुमान ने पुलिस कार्यवाही में पकड़ी अवैध शराब को एक ढाबे को बैच दी। मामले का खुलासा आबक़ारी टीम द्वारा बीती रात कानोली चौराहे पर एक ढाबे पर की गई कार्यवाही में हुआ। जब ढाबे मालिक ने पूछताछ में पुर थाने के एक दीवान द्वारा शराब बैचने की बात क़बूली।

जिला आबकारी अधिकारी लोकेश जोशी ने बताया कि बीती रात भीलवाड़ा बाइपास स्थित 64 जोगणियां 52 भैंरू नामक ढाबे पर कार्यवाही के दौरान अवैध बीयर की पांच और अंग्रेजी शराब के पव्वों की 3 पेटियां मिली। टीम ने ढाबा संचालक राहुल सांसी और कर्मचारी दुर्गालाल को गिरफ्तार कर पूछताछ की तो उन्होंने शराब की यह पेटियां पुर थाने के एक दीवान हनुमान द्वारा बीयर पेटी एक हजार रुपये और अंठोजी शराब की ढाई हजार पेटी में बैचने की बात क़बूली। दीवान हनुमान की इस करतूत की जानकारी जिला पुलिस अधीक्षक को मिलने के बाद दीवान को लाइन हाज़िर किया है।

सोने-चांदी के जेवरात व नगदी पार

धौलपुर, (निसं)। मनियां कस्बे के टांडा रोड स्थित रामनगर कॉलोनी वार्ड नंबर 2 में एक मकान में चोरों ने दिनदहाड़े चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। चोरों ने मंगलवार को दिनदहाड़े जिस समय मकान मालिक घर पर नहीं था उस समय घर में घुसकर लाखों रुपए की चोरी की वारदात को अंजाम दिया है। मकान चंद्रभान पुत्र रामनाथ निवासी रामनगर कॉलोनी टाडा रोड मनिया का है जो कॉस्मेटिक की दुकान चलाता है। पीड़ित चंद्रभान ने बताया कि बच्चे सुबह स्कूल पढ़ने के लिए गए हुए थे। इसी दौरान करीब 11 बजे वह अपने परिवार के साथ धौलपुर रीको एरिया स्थित हनुमान मंदिर पर दर्शन के लिए गया हुआ था। इसी दौरान पीड़ित अपने परिवार सहित दोपहर करीब 1 बजे घर पहुंचा इस दौरान पीड़ित ने देखा कि घर का पूरा सामान बिखरा हुआ पड़ा है और घर के ताले टूटे हुए पड़े हैं। जब पीड़ित ने जानकारी ली तो घर से सोने एवं चांदी के आभूषण तथा नगदी गायब मिली। जिस पर पीड़ित चंद्रभान ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मौका मुआयना किया और घटनाक्रम की पूरी जानकारी ली। पीड़ित चंद्रभान ने मनियां थाने में पूरी घटनाक्रम को लेकर जेवरात व नकदी चोरी हुई है उसका उल्लेख करते हुए मामला दर्ज कराया है।

मां के सामने 38 दिन तक नाबालिग बेटी से दुष्कर्म

दोनों को नशीली दवा खिलाकर किया बेहोश, आरोपी फरार

अनूपगढ़, (निसं)। मां के सामने बेटी से रेप का मामला सामने आया है। आरोपी ने 38 दिन तक मां-बेटी को बंधक बनाकर नशीली दवाईयां देकर बेहोश रखा। इस दौरान 16 साल की नाबालिग से रेप करता रहा। एक दिन मौका देखकर मां-बेटी आरोपी के चंगुल से भागकर घर लौटी। इसके बाद बेटी के पिता पुलिस में आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज करवाया। आरोपी की तलाश की जा रही है।

- **मां-बेटी आरोपी के चंगुल से भागकर घर लौटी, मामला दर्ज करवाया**

रावला थानाधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि नाबालिग के पिता ने आरोपी महेंद्र (30) के खिलाफ बेटी से रेप करने की रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पिता ने बताया कि उन्होंने आरोपी के एक रिश्तेदार की जमीन गांव से ही 2 किलोमीटर दूर खेती करने के लिए बंटाई पर ली थी। आरोपी भी अपने गांव में खेती करता है। इस दौरान महेंद्र से जान-पहचान हो गई। 6 महीने में जान-पहचान बढ़ गई। कुछ समय पहले आरोपी महेंद्र ने 20 हजार रुपए भी उधार लिया था। पिता ने बताया कि 16 जून 2023 को उसकी पत्नी को आरोपी महेंद्र ने फोन किया था। उसने कहा कि मेरे पास अभी 20 हजार रुपए है। आप चौक पर आकर पैसे ले जाओ। उसने बेटी को भी साथ लाने को कहा था। पत्नी बाजार जाने का कहकर बेटी को साथ ले गई। उसने कहा कि आते समय घर का कुछ सामान लेकर आ जाएगी। इसके बाद दोनों गांव से ही एक निजी बस में बैठकर 4 किलोमीटर दूर चौक पहुंची। चौक पर एक कार में महेंद्र कुमार अपने दोस्त विनोद कुमार (22) के साथ बैठा था। आरोपी महेंद्र ने मेरी पत्नी और बेटी को कार में बैठाकर ज्यूस लाने की बात कही। ज्यूस पीने के बाद दोनों बेहोश हो गई। होश आने पर मां-बेटी 150 किलोमीटर दूर एक क्षेत्र में एक झोपड़ी में थी। महेंद्र ने दोनों को झोपड़ी में बंधक बना लिया और नशीली दवा देकर बेहोश करता रहा। बेहोशी की हालत में ही बेटी से रेप किया। विरोध करने पर बंदूक दिखाकर जान से मारने की धमकी देता था। आरोपी हर दिन मां के सामने बेटी से रेप करता और चला जाता।

पीड़िता के पिता ने बताया कि मां-बेटी के घर नहीं आने पर दोनों की तलाश की लेकिन वे नहीं मिली। 10 दिन बीत जाने के बाद भी दोनों का कुछ पता नहीं चला। इस बीच महेंद्र को भी फोन किया लेकिन स्विच ऑफ आया था। इसके बाद थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई। 24 जुलाई की सुबह आरोपी महेंद्र झोपड़ी में पहुंचने में लेट हो गया। इस बीच मां-बेटी ने जैसे-तैसे अपने हाथ-पैर खोले और भाग निकली। दोनों बस में बैठ गई। दोनों के पास पैसे नहीं थे। अगले दिन 25 जुलाई को कंडक्टर को किराए के पैसे दिए। घर आने के बाद दोनों ने आपबीती बताई। लोक लिहाज के कारण पहले मामला दर्ज नहीं करवाया। बाद में हिम्मत कर 31 जुलाई को मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पॉक्सों एक्ट समेत अन्य धाराओं में मामला दर्ज किया है।

थानाधिकारी रमेश कुमार ने बताया कि परिवादी की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया गया है। पीड़िता का मेडिकल करवाया गया है। दोषियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

लुहारिया विवाद में पुलिस की कार्रवाई, 79 नामज़द लोगों सहित 250 पर मुक़दमा दर्ज

पुलिस ने आठ लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया

भीलवाड़ा, (निसं)। ज़िले के माण्डल थाना क्षेत्र में आठवीं कक्षा की एक छात्रा के पीने के पानी की बोतल में समुदाय विशेष के तीन युवकों द्वारा यूरीन मिलाने व बैग में प्रेम-पत्र लिखकर रखने के बाद लुहारिया में सोमवार को हुये उपद्रव को लेकर मांडल पुलिस ने दोनों समुदायों के नामद 79 लोगों सहित अन्य 200-250 लोगों पर एफ़आईआर दर्ज की है। साथ ही आठ लोगों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार किया है।

प्रकरण की जांच कर रहे पुर थाना प्रभारी शिवराज गुर्जर ने बताया कि छात्रा के साथ हुई घटना को लेकर स्कूल प्रिंसीपल की रिपोर्ट पर तीन नामजद छात्रों के खिलाफ सोमवार रात को केस दर्ज हो चुका है। लुहारिया में सोमवार को हुये पथराव व सरकारी जीप में तोड़फोड़ को लेकर माण्डल थाना अधिकारी मुकेश कुमार वर्मा की रिपोर्ट पर धारा 147, 148, 149, 336, 427 भादस व 3 पी डी पी पी एक्ट के तहत केस दर्ज कर किया गया है। इसमें बताया गया है कि सोशल मीडिया पर वायरल मैसेज से उत्पन्न परिस्थितियों के मद्देनजर कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिए थाना प्रभारी वर्मा लुहारिया स्कूल पहुंचे।

स्कूल के बाहर कई लोग एकत्रित हो गये तथा नारेबाजी करते हुये बस स्टेण्ड पर पहुंचे।

- **प्रिंसीपल की रिपोर्ट पर तीन नामजद छात्रों के खिलाफ सोमवार रात को केस दर्ज हो चुका है**
- **आठवीं कक्षा की एक छात्रा के पीने के पानी की बोतल में समुदाय विशेष के तीन युवकों द्वारा यूरीन मिलाने व बैग में प्रेम-पत्र लिखकर रखने के बाद उपद्रव का मामला**

जहां लुहारिया चौकी का जाब्ता मौजूद था। तहसीलदार, सीबीईओ मांडल भी वहां आये। सुबह सवा आठ बजे स्कूल के बाहर गांव के लगभग 125-150 ग्रामीण एकत्रित हो गये। दस-बारह लोगों को स्कूल के अंदर ले जाकर वार्ता की गई। जिन्होंने प्रिंसीपल व अन्य शिक्षकों के स्थानांतरण सहित अन्य मांगें रखी गई। इन मांगों को मान लिया गया। इसी दौरान स्कूल के बाहर लगभग 200-250 युवक एकत्रित हो गये तथा नारेबाजी करते हुये स्कूल के बाहर से रवाना होकर बस स्टेण्ड पर पहुंचे। इनमें से कुछ लोगों ने अपने हाथों में लकड़ियां व लोहे के सरिये ले लिये तथा बाजार की दुकानें बन्द करवा दूसरे समुदाय की बस्ती की ओर बढ़ने लगे, जिन्हें पुलिस जाप्ता की सहायता से रोका गया। प्रतिक्रिया स्वरुप दूसरे समुदाय के लोग घरों से निकल कर एकत्रित हो गये। भीड़ से समझाईश की गई, लेकिन लोग नहीं माने तथा उत्तेजित होकर नारेबाजी कर साम्प्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिश करने लगे।

कुछ समय बाद मौके पर एएसपी सिकाउ घनश्याम शर्मा, एएसपी पीटीएस किशनगढ़ लोकेश त्रिपाठी, डीएसपी मांडल कन्हैया लाल, एसडीएम माण्डल, तहसीलदार माण्डल, डीएसपी आसींद लक्ष्मण राम सहित अन्य अधिकारी अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर आ गये और भीड़ में शामिल लोगों से समझाइश की। लेकिन उत्तेजित भीड़ नहीं मानी। पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर व मणिराज सिंह भी आये जिनके द्वारा भी भीड़ को समझाईश कर प्रशासन द्वारा सारी मांगें मान लेने की बात कही और घर जाने के लिए कहा, जिस पर भीड़ में शामिल लोग छात्रा की बोतल में यूरिन मिलाने वालों को मौके पर लाने व उन्हें यूरिन पिलाने की मांग करने लगे। इसी दौरान भीड़ में शामिल कुछ लोग पत्थर फैंकने लगे। एक युवक ने दुकान में लगे सीसीटीवी कैमरे तोड़ दिये। प्रतिक्रिया स्वरुप दूसरे समुदाय की बस्ती की ओर से भी पत्थर व ईंटें फेंकी गई।

पुलिस ने भीड़ को हटाया। दोनों तरफ से फैंके गये पत्थर से पीटीएस कमांडेंट की सरकारी बोलेरो जीप का शीशा टूट गया। इस रिपोर्ट पर पुलिस ने दोनों समुदायों के 79 लोगों को नामजद करते हुये प्रकरण दर्ज कर लिया। पुलिस ने जुटी भीड़ में से प्रकाश पुत्र शिवगिरी गोस्वामी, मुकेश गिरी पुत्र गोपाल गिरी गोस्वामी भगवानपुरा, नौरत लाल पुत्र बक्सु लाल खारोल, जमना लाल पुत्र अंबा लाल बलाई लुहारिया , ब्रहमानन्द पुत्र लादू लाल शर्मा थाबोला, परमेश्वर पुत्र जीवराज जाट निवासी केरियाखेडा, अकबर पुत्र सदीक पठान लुहारिया को डिटेन कर शान्ति कायम रखने के लिए धारा 151 में गिरफ्तार किया गया व बबलू सिंह पुत्र जगदीश सिंह जादव दरोगा निवासी लुहारिया जो पूर्व में भी धारा 108 में पाबंद चल रहा है को धारा 151-122 में गिरप्तार किया गया। मौके से आठ बाइक धारा 38 पुलिस एक्ट के तहत जब्त की गई।

वहीं दूसरी और सकल हिंदू समाज और हिंदू संगठनों ने माण्डल में जबकि एबीवीपी के छात्रों ने कलेक्ट्री पर आरोपीयो के ख़िलाफ़ सख़्त कार्यवाही की माँग को लेकर प्रदर्शन किया। माण्डल में प्रदर्शन के दौरान आक्रोशित भीड़ ने मांडल कस्बे में दशमी पर पारंपरिक तरीके से निकल रहे चारभुजा भगवान के बेवान के दौरान लखारा चौक में एक समुदाय के द्वारा लगाए गए साउंड बंद नहीं करने से विवाद और इसके चलते तीन दिन मांडल के बाजार बंद रहने के मामले और इसके बाद सोमवार को लुहारिया माहौल गरमाने के मामले में रैली के रूप में उपखंड अधिकारी को ज्ञापन देने जाने की योजना बनाई।

ये लोग मांडल कस्बे से होकर एसडीएम कार्यालय जाना चाहते थे, लेकिन मांडल व लुहारिया की घटना को लेकर उपजे हालात को देखते हुये पुलिस ने इन्हें कस्बे में प्रवेश करने से रोक दिया। इसके चलते ये लोग प्रशासन से उलझ गये, जिससे वहां गहमा-गहमी हो गई। ज्ञापन देने जाने वाले लोग कस्बे के अंदर से होकर जाने की जिद पर अड़ गये और बागोर-मांडल मार्ग के बीच बैठ कर प्रदर्शन करने लगे। पूर्व मंत्री कालू लाल गुर्जर और अन्य नेताओं की समझाइश से मामला सुलझ गया। इसके बाद ये लोग सीधे ही मांडल तहसील कार्यालय पर उपखंड अधिकारी हुकमी चंद को ज्ञापन देने के लिए पहुँचे और ज्ञापन सौंपा।

ब्लैकमेल कर नाबालिग से दुष्कर्म, आरोपी गिरफ्तार

नोखा, (निसं)। नाबालिग बालिका से दुष्कर्म करने तथा ब्लैकमेल करने के आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। थानाधिकारी आलोकसिंह ने बताया कि 28 जुलाई पीड़िता ने मामला दर्ज कराया था।

- **बड़ी बहन के अश्लील फोटो और वीडिया दिखाकर धमकाया**

रिपोर्ट में बताया कि वह कक्षा 10वीं में पढ़ती है। मेरे स्कूल आते-जाते समय महेन्द्र बिश्नोई रोजाना पीछा करता है। धमकी देता है कि तुझे पढ़ने नहीं दूंगा तथा उठाकर ले जाउंगा। आरोपी ने कहा कि तेरी बड़ी बहन के अश्लील फोटो व वीडियो मेरे पास है। वायरल करने की धमकी देकर दो बार दुष्कर्म किया। पीड़िता ने बताया कि आरोपी ने मुझे और बड़ी बहन को मिलने के लिए घर बुलाया था। बड़ी बहन को कमरे में बंद उसके साथ उसके साथ जबरदस्ती की। थानाधिकारी आलोक सिंह ने बताया मामले में कार्रवाई करते हुए आरोपी महेन्द्र बिश्नोई को 30 जुलाई को नोखा से गिरफ्तार कर लिया गया। आरोपी को पोक्सो कोर्ट बीकानेर के समक्ष पेश कर किया गया। जहां से केन्द्रीय कारागृह बीकानेर भेज दिया गया है।

आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग

चूरू, (कासं)। गत दिनों नाबालिग छात्रा के साथ दुष्कर्म का प्रयास करके उसका दांत तोड़ने वाले आरोपी दीपक को गिरफ्तार करने की मांग की गई है। यहां राजेंद्रसिंह शेखावत, डॉक्टर राजीव बाकोलिया, छात्र नेता प्रशांत शर्मा, रवि सारस्वत आदि द्वारा हस्ताक्षर करके एडीएम के माध्यम से मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को भेजे गए एक ज्ञापन में लिखा है कि विद्यालय से पेन लेने के लिए गई 15 वर्षीय दसवीं की छात्रा के साथ दीपक ने दुष्कर्म करने का प्रयास किया और उसके साथ मारपीट की जिससे उसका दांत टूट गया। थाने में मुकदमा दर्ज होने के बावजूद पुलिस ने दीपक को गिरफ्तार नहीं किया है। इस संबंध में राजस्थान विधानसभा के नेता प्रतिपक्ष राजेंद्र राठौड़ और राजस्थान महिला आयोग अध्यक्ष रेहाना रियाज चिश्ती को भी अवगत करवाया गया है।

राजस्थान जनजाति क्षेत्रीय विकास सहकारी संघ लि.
''जनजाति विकास भवन'' प्रतापनगर, उदयपुर (राज.)
Phone:0294-2490357, 2491740 Email:rtadcf.tad@rajasthan.gov.in, rtadcf@rediffmail.com
क्रमांक एफ 21 (100) (II) राजस संघ/विपणन/2023-24/439 दिनांक: 31.07.2023

ई-निविदा सूचना

क्षेत्रीय प्रबंधक उदयपुर, बांसवाड़ा एवं सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक आबू रोड़ कार्यालयों द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत खाद्यान्न एवं अन्य वस्तुओं के परिवहन हेतु दिनांक 01.09.2023 से 31.08.2024 तक की अवधि के लिए ई-बोलियां आमंत्रित की जाती है। ऑनलाइन निविदा 16.08.2023 को शाम 6.00 बजे तक अपलोड की जानी चाहिए।

विस्तृत निविदा सूचना और निविदा दस्तावेज वेबसाइट http://sppp.rajasthan.gov.in और http://eproc.rajasthan.gov.in से डाउनलोड किए जा सकते है।

उदयपुर UBN-TCF2324SLRC00001
बांसवाड़ा UBN-TCF2324SLRC00002
आबू रोड़ UBN-TCF2324SLRC00003

महाप्रबंधक
राजससंघ, उदयपुर

स्टेट हाइवे पर बैठकर स्कूल की छात्राओं ने विरोध-प्रदर्शन किया

स्कूल के बगल में बनी दो दुकानों के निर्माण का मामला

विद्यालय के बाहर स्टेट हाइवे धौलपुर-बसेड़ी की मुख्य सड़क पर बैठी बालिकाएं।

धौलपुर, (निसं)। जिले में बाड़ी शहर के सीनियर सेकेंडरी बालिका विद्यालय में मंगलवार को उस वक्त हंगामा खड़ा हो गया। जब स्कूल की सैकड़ों बालिका ने विद्यालय के बाहर स्टेट हाईवे धौलपुर-बसेड़ी की मुख्य सड़क पर बैठ गई और विरोध प्रदर्शन करने लगी।

विद्यार्थी परिषद के बैनर तले हो रहे इस विरोध प्रदर्शन के पीछे विद्यालय परिसर के बगल में बन रही दो दुकानों के नव निर्माण का कारण बताया जा रहा है। विरोध कर रही विद्यालय की छात्राओं ने आरोप लगाया कि स्कूल की जगह में अवैध निर्माण हो रहा है। वहीं स्कूल प्रशासन ने बताया कि स्कूल की जगह पर नगर पालिका द्वारा पूर्व में पट्टा काट दिया गया था, जबकि भूमि विद्यालय के खसरा नम्बर में बोल रही है। जिसका मामला कोर्ट में चल रहा है। ऐसे में विद्यालय की छात्राओं ने आक्रोशित होकर विरोध प्रदर्शन किया है। मामले को लेकर स्कूल के प्रधानाचार्य विनोद कुमार शर्मा ने बताया कि विद्यालय के मुख्य गेट के बगल में दो दुकान हैं जो पूर्व से बनी हुई थी। उनको तुड़वाकर फिर से नवनिर्माण कराया जा रहा है। इसके पीछे विरोध यह है कि यह विद्यालय की भूमि में बनी है। हालांकि इस पर नगर पालिका ने पट्टा काटा है। जिसको लेकर कोर्ट में मामला चल रहा है।

मामले को देखते हुए मौके पर पहुंचे एसडीएम गिरधर मीणा ने बताया

■ 15 से 20 मिनट तक लगा रहा जाम

कि पूर्व में नगर पालिका के पट्टे पर यह दुकानें बनी हुई थी। जिनको द्वारा से बनवाया जा रहा है। जो दुकान मालिक है उस पर नगर पालिका का पट्टा भी है और अनुमति भी है साथ में कोर्ट से भी उस के पक्ष में आदेश दिया है। इसको लेकर विद्यालय प्रशासन और स्कूल की छात्राओं ने आज सड़क पर बैठकर विरोध किया था। जिसमें विद्यार्थी परिषद के कुछ पदाधिकारी शामिल थे, लेकिन उनको समझाईश कर मामला शांत करा दिया है। इस दौरान मौके पर कोतवाली थाना अधिकारी महेंद्र सिंह चौधरी के साथ पुलिस का जाप्ता मौके पर पहुंचा और मामले को शांत कराया। करीब 15 से 20 मिनट तक छात्राएं सड़क पर बैठी रही। जिससे बसेड़ी और धौलपुर रोड पर जाम लग गया।

कावड़ यात्री पहुंचे खोहरा धौला कुआं

महुवा, (निसं)। सोरोजी से महादेव मंदिर खोहरा धौलाकुआं पहुंची कांवड़ यात्रा का भाजपा नेता पूर्व प्रधान राजेंद्र मीना के साथ ग्रामीणों ने पैट्रोल पंप नौगांव पर माला साफा जलपान करा कर स्वागत सम्मान किया।

मंगलवार सुबह पहुंची कांवड़ यात्रा का कस्बे सहित रास्ते में जगह जगह पुष्प वर्षा एव अल्पाहार जलपान करवाकर स्वागत किया। इस दौरान भाजपा नेता राजेंद्र मीना ने कहां की धर्म की जड़ सदा हरि होती है और जिनकी धर्म और ईश्वर में आस्था रहती हैं उन्हें आत्मिक मजबूती मिलती है धर्म के काम में सभी को हंसी खुशी से भाग लेना चाहिए और हिल मिलकर काम करना चाहिए और समय समय पर धार्मिक कार्यक्रम होने चाहिए भोले के जयकारे लगाते हुए कांवड़ यात्रा को रवाना किया। इस दौरान रमसी लाल मीना, हिम्मत सिंह मीना , गब्बर मीना, कमल राम मीना, नारायण मीना, विजय सिंह मीना, मुनीराम मीना, रामसहाय मीना, मोहन मीना, ओमप्रकाश मीना, धनफुल मीना, सुरज्ञान मीना, बबलू वीरेंद्र मीना, भुल्लू, दिनेश, सहित दर्जनों महादेव भक्तगण मौजूद थे।

सार-समाचार

दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया

करौली, (निसं)। राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के आह्वान पर 11सूत्रीय मांगों को लेकर सामान्य चिकित्सालय करौली एवं मातृ एवं शिशु चिकित्सालय करौली में 2घंटे कार्य बहिष्कार कर गेट बैठक रखी गई। आगामी दिनों में आंदोलन को और तेज करने का निर्णय लिया गया फिर भी सरकार से सकारात्मक परिणाम वार्ता नही होती है तो राजस्थान की समस्त नर्सेज एकदिवसीय सामूहिक आकस्मिक अवकाश लेकर 23.अगस्त .को जयपुर राजधानी कूंच करेगी जिसमें नर्सेज 50से55 हजार की तादात में विरोध प्रदर्शन करेंगे जिसकी समूची जिम्मेदारी राजस्थान सरकार की होगी इस अवसर पर नर्सेज कर्मी हरसहाय गुर्जर,कैलाश बैरवा,राघवेंद्र शुक्ला,नीरज शर्मा, अमित मीना,अरविंद कुमार मीणा,मनोज कुमार मीणा,मुकुट शर्मा,जगमोहन माली,रजनीकांत मीणा,चेतन सिंह, मोहन सिंह मीणा,मनीष मीणा,रवि मीणा,ममता शर्मा, रितु ठाकरे, मनोज मीणा, पुष्पेंद्र मीणा, सुरेश गुर्जर, विष्णु गुप्ता, सतीश शर्मा वही मण्डरायल रोड स्थित जिला चिकित्सालय कि एमसीएच बिंग में बद्री लाल प्रजापत,विशंभर शर्मा,हेमराज मीणा, हंसराम मीणा,हेमंत शर्मा,मीना पटेल,रीना बिंदल सहित दोनों चिकित्सालयो में कार्यरत सैंकड़ों नर्सिंग स्टाफ ने 2 घंटे का कार्य बहिष्कार करते हुए धरना प्रदर्शन किया

दो पक्षों में पथराव

भरतपुर (निस)। मथुरा गेट थाना क्षेत्र के प्रिंस नगर कॉलोनी में मकान के पीछे गेट निकालने को लेकर दो पक्षों में जमकर पथराव हुआ। यह पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। पथराव में मोहन की पत्नी घायल हो गई जिसे आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया। जिसके बाद दोनों पक्ष मथुरा गेट थाने में एक दूसरे के खिलाफ शिकायत करवाने पहुंचे। इस दौरान मोहन घर पर था। तभी मोहन के घर पर करीब 6 लोग मुंह पर कपड़ा बांध कर आये और मोहन के पैर में गोली मारकर फरार हो गए। मोहन ने बताया कि ओंकार का मकान बन रहा है, वह पीछे की तरफ से मकान का गेट निकालना चाहता है। जो गलत है, वह उसका विरोध कर रहे हैं। सुबह दोनों पक्षों में गेट न निकालने को लेकर जमकर पथराव हुआ। यह पूरी घटना ओंकार के घर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। घटना में मोहन की पत्नी को चोट आई है। जिसे आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। घटना के बाद दोनों पक्ष मथुरा गेट थाने में मामला दर्ज करवाने पहुंचे। उस दौरान मोहन सिंह अपने घर पर था। तभी मोहन सिंह के घर करीब 6 बदमाश आये उन्होंने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था। उन्होंने मोहन सिंह के घर के बाहर से मोहन सिंह को आवाज दी, जैसे ही मोहन सिंह घर के बाहर आया तभी बदमाशों ने मोहन सिंह के पैर में गोली मार दी, जिसमें मोहन सिंह घायल हो गया। जिसके बाद मोहन सिंह ने फोन कर अपने परिवार वालों को घटना के बारे में बताया। तब मोहन सिंह के परिवार के लोग थाने से घर पहुंचे। उन्होंने मोहन सिंह को आरबीएम अस्पताल में भर्ती करवाया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है।

चोरी का मामला दर्ज

भरतपुर (निस)। मथुरा गेट थाना क्षेत्र में विधि महाविद्यालय में पेपर देकर आए तीन विद्यार्थियों ने मोबाइल व एटीएम कार्ड चोरी होने का मामला थाना मथुरा गेट में दर्ज कराया है। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है। पुलिस को दी गई षिकायत में बताया कि 31 जुलाई को सचिन अपने दोस्तों विपुल व षुभम के साथ विधि महाविद्यालय में द्वितीय वर्श के परीक्षा देने के लिए बलैनो गाडी से गए थे। गाडी कॉलेज के अंदर पार्क की थी। दोपहर एक बजे से 4 बजे तक पेपर आयोजित हुआ। परीक्षा में जाने से पहले सचिन, षुभम व विपुल ने अपने मोबाइल व पर्स गाडी में रख दिए थे। जब परीक्षा खत्म करने बाहर आए तो गाडी का सीसा टूटा मिला। जब गाडी में सामान चैक किया तो तीनो के एटीएम कार्ड, क्रेडिट कार्ड, पैन कार्ड व नगदी चोरी पाई गई। जिसे किसी अज्ञात ने चोरी कर लिया। सचिन ने बताया कि उसके पर्स में 4 हजार रूपये नगद व एटीएम कार्ड से 25 हजार रूपये व क्रेडिट कार्ड से 12282 रूपये डेबिट कर लिए। इसी तरह षुभम गुप्ता के एटीएम से 98500 रूपये व पेटीएम पेमेंट बैंक से 40 हजार रूपये व क्रेडिट कार्ड से एक हजार रूपये डेबिट कर लिए व पर्स से 16 हजार रूपये निकाल लिए। विपुल के एटीएम से भी एक हजार रूपये निकाल लिए। जिस पर मथुरा गेट थाना पर मामला दर्ज कर कार्यवाही की मांग की गई। फिलहाल पुलिस मामले के अनुसंधान में जुटी हुई है।

सेवानिवृत्ति पर दी भावभीनी विदाई

सूरौठ, (निसं)। शिक्षा विभाग से सेवानिवृत्त होने पर गौंड का सर्व समाज के लोगों ने किया गर्मजोशी के साथ भव्य स्वागत सम्मान जिस पर राजेंद्र विजयवर्गीय गिरधारी सोनी राकेश शुक्ला पंकज गौड प्रेम सिंह गंधार सुरेश शर्मा प्रभात हरिओम गोयल पालन सिंह गंधार ने जानकारी देते हुए बताया कि नरेंद्र गौंड के सेवानिवृत्त होकर अपने गांव जटवाड़ा आने पर गौंड का जुलूस निकाला गया जुलूस गंगापुर भरतपुर मेगा मार्ग होते हुए जटवाड़ा ठाम के प्रमुख मार्गो से होते निज निवास पर पहुंचे नरेंद्र गौंड का जगह-जगह सभी लोगों ने माला व साफा पहनाकर व गुलाल लगाकर जोरदार तरीके से भव्य स्वागत सम्मान किया गया साथ ही नरेंद्र गौंड को समस्त स्टाफ कर्मियों कि ओर से भी स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सत्कार किया गया उनके द्वारा दी गई सेवाओं सराहना कि और सभी उपस्थित कर्मचारी गणों ने भावभीनी विदाई दी इस मौके पर कई लोग रहे उपस्थित।

मांगों को लेकर ज्ञापन दिया

महुवा, (निसं)। सैनी समाज के द्वारा 11 सूत्रीय माँगों को लेकर तहसीलदार को तहसील कार्यालय में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के नाम प्रदेश सोशल मीडिया प्रभारी तरुण सैनी के नेतृत्व में ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में उन्होंने बताया कि पूर्व में भी ज्ञापन देकर समाज की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री को अवगत करवा दिया गया था। लेकिन अभी तक उस पर कोई सकारात्मक कार्रवाई नहीं की गई उन्होंने चेतावनी देते हुए बताया कि जल्द हमारी माँगों पर सहमति बनाए अन्यथा 10 अगस्त को बड़े जन सैलाब के साथ मुख्यमंत्री हाउस कूच किया जाएगा। 11 सूत्री मांगो में 12 प्रतिशत आरक्षण, महात्मा ज्योतिबा फुले बोर्ड की नियुक्तियां, फूले दंपति को भारत रत्न सहित अन्य मांगे शामिल है। इस मौके पर फुले ब्रिगेड के तहसील अध्यक्ष लोकेश सैनी रामगढ़, हेमंत सैनी, जलसिंह सैनी, मुखराम सैनी, लोकेश केसरी, महेंद्र सैनी, बनवारी सैनी, घनश्याम सैनी, दीपक सैनी, संजय सैनी, अशोक सैनी, विनोद सैनी, पवन सैनी, मुखराम सैनी जेईन सैनी आदि लोग मौजूद थे।

नौ को लगाई जायेगी अमृत वाटिका

करौली, (निसं)। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार के राष्ट्रीय सेवा योजना एवं नेहरू युवा केन्द्र से संबंधित युवा स्वयंसेवको एवं युवा मंडलो द्वारा सभी विभागों के समन्वय से आजादी के अमृत महोत्सव के अंतर्गत मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत प्रत्येक ग्राम पंचायत में 75 पौधों की अमृत वाटिका 9 अगस्त को लगाई जाएगी। इसके अंतर्गत गांव गांव में पंच प्रण की शपथ भी दिलायी जाएगी इस जन भागीदारी के अभियान में जो भी युवा, युवा मंडल, एनजीओ, सीबीओ, स्वयंसेवक व समाजसेवक जो भी स्वयंसेवा से भाग लेना चाहते है वे अपना पंजीकरण नेहरू युवा केंद्र करौली कार्यालय में करा सकते है एवं अन्य जानकारी के लिए नेहरू युवा केन्द्र करौली के विकास सिंह से 8619994950 संपर्क कर सकते है।

कदंब व अन्य प्रकार के पौधे लगाये

हिंडौन सिटी, (कासं)। निदान सेवा संस्थान की ओर से निमुंडे हनुमान मंदिर पर संस्था के कार्यकर्ताओं ने कदम्ब का पेड़,आंवले,बेलपत्र,गुलाब के पेड़, चमेली व छायादार पौधों को लगाया गया। संस्थान के अध्यक्ष पंकज सोनी ने बताया कि निदान सेवा संस्थान द्वारा वर्षा ऋतु में संस्थान द्वारा मंदिर व शिक्षा संस्थानों मैं प्रत्येक वर्ष पौधरोपण किया जाता है। सैकड़ों पौधों को लगाया जाता है। संस्थान की ओर से आज हिंडौन-करौली मार्ग स्थित निमंडे हनुमान मंदिर पर कई प्रकार के पेड़ पौधों का रोपण किया गया। जिसमें महात्मा संतो के साथ वृक्षारोपण किया गया। पौधरोपण करने में पंकज सोनी,पुष्पेंद्र चौधरी, सतीश तिवारी,भगवान तिवारी, महात्मा कपिल गिरी महाराज,महात्मा हनुमान दास महाराज,हितेश सैन आदि लोग शामिल रहे।

गैर शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों की ड्यूटी नहीं लगाने को लेकर ज्ञापन सौंपा

शिक्षकों ने गैर शैक्षणिक कार्यो में ड्यूटी नहीं लगाए जाने की मांग को लेकर एडीएम प्रशासन रतन कुमार (दाएं से पहले) को ज्ञापन सौंपा।

भरतपुर (निस)। राजस्थान शिक्षक संघ (राष्ट्रीय)के कार्यकर्ताओं ने अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट भरतपुर को कम्प्यूटर अनुदेशकों की समस्याओं एवं गैर शैक्षणिक कार्यों में शिक्षकों की ड्यूटी ना लगाई जाने को लेकर ज्ञापन सौंपा।

इस अवसर पर संभाग संयुक्त मंत्री ओमप्रकाश खुंटेला, जिलामंत्री भरतपुर लाखन सिंह जघीना ,कंप्यूटर अनुदेशक संघ से संभाग प्रभारी तेज शर्मा, उपाध्यक्ष अतेंद्र चौधरी,सचिव आकाश,कोषाध्यक्ष पार्थ ,वैशाली, प्रमिला, साक्षी गुप्ता सहित तमाम कंप्यूटर अनुदेशक एवं शिक्षक संघ राष्ट्रीय के अनेक कार्यकर्त्ता उपस्थित थे। निकट भविष्य में 10 अगस्त से संचालित होने वाले इंदिरा गांधी मोबाइल वितरण कैंप में कम्प्यूटर अनुदेशकों को ना लगाए जाने को लेकर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेटेक को ज्ञापन सौंपते हुए उनको बताया कि यदि कंप्यूटर अनुदेशकों को मोबाइल वितरण कैंप लगाया जाता है तो विद्यालय में इंस्टाल हो रही आईसीटी लैब का काम बाधित होता है.। आईसीटी लैब हेतु स्मार्ट क्लास, प्रोजेक्टर एवम अन्य सामान आकर इंस्टॉल होना है इसके लिए कुछ दिवस पूर्व ही ट्रेनिंग भी दी गई थी।

वर्तमान में लैब का इंस्टालेशन का कार्य प्रगति पर है.विद्यालयों में चल रही कंप्यूटर अध्यापन की कक्षाएं खाली रहेंगी। जिससे विद्यार्थी अध्यापन नही कर पाएंगे। बीकानेर निदेशालय द्वारा भी इस बारे में आदेश जारी किया गया कि कंप्यूटर अनुदेशक शिक्षा संवर्ग का पद है एवम इनको कार्यव्यवस्तार्थ लिपिकीय कार्य एवम अन्य कार्यों में ना लगाया जाए।

सचिवालय घेराव में पहुंचे भाजपाई

करौली, (निसं)। करौली शहर मंडल अध्यक्ष योगेश शर्मा उर्फ योगी के नेतृत्व में नहीं सहेगा राजस्थान कार्यक्रम के चलते सचिवालय जयपुर के घेराव हेतु करौली शहर मंडल से बसें एवं वाहन रवाना हुए। करौली शहर मंडल के महामंत्री आशीष जैन एडवोकेट ने बताया कि कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा नेता अशोक सिंह धाबाई ने सभी बसों और वाहनो को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जिसमें सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे सभी लोगो ने गर्म जोशी के साथ कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारेबाजी की कार्यक्रम मे पूर्व जिला अध्यक्ष प्रहलाद सिंहल,कैलाश शर्मा, सुरेश शुक्ला, केके मित्तल,पुष्पेंद्र सैनी, केके सारस्वत, मुकेश सालोत्री, जयेन्द्र सिंह एडवोकेट, अजय पाल, तेजेंद्र सिंह, उत्तम सिंह जादौन, विस्तारक, सतीश व्यास, पंकज अग्रवाल, सुमित भट्ट,कपिल मित्तल, अशोक वर्मा, द्वारका प्रसाद,वेद प्रकाश सिंहल, हेमेंद्र व्यास उर्फ कान्हा, शीलू पाल, मुकेश कुशवाहा, धन सिंह, तपन व्यास, आशा शर्मा, अनीता शर्मा, कमल,विकास जादौन आदि सैकड़ों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

सर्व समाज व विधायकों की सहमति से बनेगी कार्यकारिणी

करौली, (निसं)। करौली जिला मुख्यालय पर आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान कांग्रेस के नवनियुक्त जिला अध्यक्ष ने कहा कि सर्व समाज के लोगों को साथ लेकर विधायकों की सहमति से ही कार्यकारिणी का गठन किया जाएगा।

करौली शहर के गुलाब बाग तिराहा स्थित अजय होटल में मंगलवार को कांग्रेस जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा पूर्व प्रधान हिण्डौन ने प्रेस वार्ता की इस दौरान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सचिव भूपेंद्र भारद्वाज,जिला बाल कल्याण समिति के अध्यक्ष अनिल शर्मा सहित कई कांग्रेसी उपस्थित थे नवनियुक्त जिला अध्यक्ष शिवराज मीणा ने कहा कि सर्व समाज के लोगों को साथ लेकर और जिले के चारों विधायकों की सहमति से ही कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा कार्यकारिणी बनाकर प्रदेश मुख्यालय भेज दी गई है शीघ्र ही वहां से हरी झंडी मिलते ही कार्यकारिणी की घोषणा कर दी जाएगी उन्होंने कहा कि प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने मुझे जो जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी दी है उसको मे पूरी ईमानदारी के साथ निभाऊंगा और कांग्रेस से जुड़े प्रत्येक व्यक्ति को साथ लेकर बिना भेदभाव के पार्टी की मजबूती के लिए काम करूंगा।

उन्होंने कहा कि राजस्थान सरकार ने आम आवाम और गरीब तबके के लोगों के साथ-साथ सभी के लिए महत्वाकांक्षी योजनाएं लागू की हैं जिनका लोग लाभ ले रहे हैं उन योजनाओं को आने वाले विधानसभा चुनावों में गांव-गांव,ढाणी- ढाणी के घर-घर ले जाएंगे और लोगों को अवगत कराएंगे ताकि चुनावों में जिले की चारों विधानसभा की सीट जीत पाएंगे इसके अलावा उन्होंने कांग्रेस में चल रही गुटबाजी के सवाल के जवाब में कहा कि लोगों में मतभेद हो सकते हैं गुटबाजी नहीं है अगर फिर भी कोई बात है तो उसे मिल बैठ कर सुलझाएंगे और जिले के चारों विधायकों को एक जाजम पर लाकर कांग्रेश को मजबूत बनाएंगे।

अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन की बैठक

हिंडौन सिटी, (कासं)। अखिल भारतीय अब्बासी वेलफेयर एसोसिएशन की एक बैठक शाहगंज में फखरुद्दीन अब्बासी की अध्यक्षता में आयोजित की गई।

बैठक में मुख्य अतिथि एसोसिएशन के प्रदेश सचिव कलमुद्दीन अबासी,जिला अध्यक्ष जमील अब्बासी उर्फ गुड्डु अब्बासी रहे।बैठक में 25 फरवरी को आयोजित होने वाले 1 के सामूहिक विवाह सम्मेलन की तैयारियों को लेकर आर्थिक सहयोग के लिए भामाशाह आगे आए और उन्होंने 730200 रुपए का आर्थिक सहयोग किया है। जिस पर एसोसिएशन ने उनका आभार प्रकट किया है। सोमवार 5:00 से शुरू हुई बैठक का रात्रि 10:00 बजे तक समापन हुआ।बैठक को संबोधित करते हुए जिला अध्यक्ष जमील अब्बासी उर्फ गुड्डु ने कहा कि समाज में विधवा और गरीब तबके के लोगों के बच्चों को पहली प्राथमिकता सामुहिक विवाह सम्मेलन में होगी। बैठक में प्रदेश सचिव कलमुद्दीन अब्बासी, जिला अध्यक्ष जमील अब्बासी उर्फ गुड्डु, उपाध्यक्ष अकरम अब्बासी करौली, जिला महासचिव रहमान आरेज, कोषाध्यक्ष सप्पो अब्बासी,इकराम अब्बासी, संगठन मंत्री बाबूभाई,मंत्री रफीक पटेल,हिण्डौन तहसील अध्यक्ष नूर इस्लाम उर्फ लाला, वरिष्ठ सदस्य जमील अब्बासी, नूरमोहम्मद,,पिंटू अब्बासी महताब पुरा,सोएब उर्फ मुन्ना आदि अतिथियों का साफा माला पहनाकर स्वागत सम्मान किया गया।बैठक में अली अब्बासी जुम्मा अब्बासी साबू अब्बासी पप्पू अब्बासी जाकिर कमालपुरा चांद अब्बासी यूसुफ अब्बासी सोनू अब्बासी वेदों अब्बासी अली मोहम्मद अब्बासी साबू अब्बासी अख्तर शौकीन अब्बासीअब्बासी शाहरुख अब्बासी जबरू अब्बासी नूर मोहम्मद अब्बासी मोनू अब्बासी नूरदीन अब्बासी अयूब अब्बासी शेर मोहम्मद अब्बासी शौकीन अब्बासी कमरू अब्बासी हमीद अब्बासी हफीज अब्बासी सुल्तान इस्लामपुरा पार्षद पीर मोहम्मद अब्बासी शाहिद अब्बासी नजरू अब्बासी मुफीद अब्बासी चांद मिस्त्री हनीफ मिस्त्री लाला अब्बासी रानू अब्बासी शहीद अब्बासी जहीर अब्बासी पिंटू अब्बासी शरीफ गब्बू अब्बासी सहित समाज के सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

सी.एम. ने कार्रवाई के दिए निर्देश

महवा, (निसं)। राज्यसभा सांसद डॉ किरोड़ी लाल मीणा द्वारा ग्राम पंचायत गगवाना टूड़ियाना व बालाहेड़ी को महुवा पंचायत समिति में सम्मिलित करने व महुवा को जिला बनाने के संबंध में मुख्यमंत्री गहलोत को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने आवश्यक कार्यवाही हेतु अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास, पंचायत राज विभाग को शुभकामनाएं सहित पत्र भेजा है। सांसद डॉक्टर किरोड़ी लाल मीणा की पहल पर जल्द ही गगवाना, बालाहेड़ी, टूड़ियाना तीनों पंचायत पंचायत समिति महुवा में शामिल होंगी। डॉ किरोड़ी लाल मीना द्वारा मुख्यमंत्री को लिखे पत्र पर हुई कार्यवाही के बारे में बताते हुए भाजपा नेता राजेंद्र मीना ने कहां की सांसद डॉ. किरोड़ी लाल मीना ने ग्राम पंचायत गगवाना, टूड़ियाना, बालाहेड़ी को पंचायत समिति महुवा में जोड़ने और महुवा को जिला बनाने के संबंध में मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में मुख्यमंत्री ने आवश्यक कार्यवाही हेतु अतिरिक्त मुख्य सचिव, ग्रामीण विकास, पंचायत राज विभाग को शुभकामनाएं सहित पत्र भेजा है। गगवाना, बालाहेड़ी, टूड़ियाना तीनों पंचायत पंचायत समिति महुवा में शामिल होंगी।

विजेता बालक-बालिका को मैडल और प्रशंसा पत्र दिये

करौली, (निसं)। तीन दिन से जिला मुख्यालय पर चल रही जिला बॉक्सिंग संघ द्वारा राजस्थान सब जूनियर बालक एवं बालिकाओं की बॉक्सिंग प्रतियोगिता का समापन त्रिलोक चंद माथुर स्टेडियम मैं संपन्न हुआ।

इस अवसर पर समापन के मुख्य अतिथि महिला थाना एडिशनल एसपी किशोर बुटोलिया एवं विशिष्ट अतिथि बाल अधिकारिता विभाग की सहायक निर्देशक श्रद्धा गौतम, करौली के प्रमुख व्यवसाई नरेश बंसल,बाल कल्याण समिति अध्यक्ष अनिल शर्मा,सदस्य फजल अहमद,दिलीप कुमार,स्वर्गीय मनीष राज की पत्नी तारा मीना,करौली थानाधिकारी यादवेंद्र सिंह एवं राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन के वरिष्ठ पदाधिकारी नरेंद्र सिंह निर्माण विशेष रूप से उपस्थित थे सोमवार प्रात: इस प्रतियोगिता में भारतीय मुक्केबाज मैरी कॉम के मुख्य कोच अनूप सिंह करौली इस प्रतियोगिता में उपस्थित हुए जिन्होंने लगातार कई वर्षो तक महिला बॉक्सिंग के राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय खिलाडी को कोच के रूप में प्रशिक्षण दिया उन्होंने बताया कि भारत में और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर होने वाली बॉक्सिंग प्रतियोगिता नेशनल बॉक्सिंग कॉमनवेल्थ गेम एशियाई गेम मे भाग लेने वाले और मेडल जीतने वाली कई महिला खिलाड़ियों को प्रशिक्षण दिया था इस 38वीं राज्यस्तरीय बालक मुक्केबाजी प्रतियोगिता का चैंपियनशिप सीकर रहा बालिका चैंपियनशिप मे भरतपुर विजेता रही करौली की तरफ से इस प्रतियोगिता में सचिन सारस्वत ने गोल्ड मेडल जीता जिसने जयपुर के गहलोत को हराया बालिका वर्ग में श्रेया गोयल ने सिल्वर मेडल जीता। इस प्रतियोगिता में संरक्षक के रूप में मनोज गर्ग संघ के अध्यक्ष निर्मल मीणा, दारा सिंह मीणा सचिव,उपाध्यक्ष नरेश बंसल, जिया उल्लाह खान, धीरेंद्र बैसला, कोषाअध्यक्ष रिद्धि चंद बंसल, सह सचिव यादराम मीणा, पुष्पेंद्र शर्मा, साजिद खान, बॉबी सिंह राजावत, विक्रम मीणा, सोनू सारस्वत ने प्रतियोगिता में अपना सहयोग दिया इस प्रतियोगिता में करौली के विधायक लाखन सिंह द्वारा जिला बॉक्सिंग संघ की मांग पर एक बॉक्सिंग रिंग देने की घोषणा की जो शीघ्र ही जिला बॉक्सिंग संघ को स्वीकृत की जाएगी प्रतियोगिता के अंत में राजस्थान बॉक्सिंग एसोसिएशन के सचिव नरेंद्र निर्माण ने सभी का धन्यवाद व्यक्त किया एवं उन्होंने कहा कि इस प्रतियोगिता के आयोजन कर्ता विशेष रूप से दारा सिंह मीणा का बहुत-बहुत आभार जो इतनी छोटी सी जगह में उन्होंने इतनी बड़ी राज्य स्तरीय बॉक्सिंग प्रतियोगिता कराई प्रतियोगिता में जिला बॉक्सिंग संघ के सचिव दारा मीणा द्वारा समस्त खिलाड़ियों रेफरी एवं कोच सहित दर्शकों का स्वागत एवं अभिनंदन किया गया प्रतियोगिता के समापन पर आने वाले अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

प्रदेश स्तरीय महाघेराव कार्यक्रम में सैंकड़ों की संख्या में गंगापुर सिटी से पहुंचे भाजपाई

गंगापुर सिटी से सचिवालय घेराव के लिए रवाना होते भाजपा कार्यकर्ता।

गंगापुर सिटी, (निसं)। भारतीय जनता पार्टी नेतृत्व द्वारा नहीं सहेगा राजस्थान अभियान के अंतर्गत कांग्रेस सरकार के भ्रष्टाचार, कुशासन, बिगडती कानून व्यवस्था, युवा, महिला एवम किसान विरोधी नीतियों के खिलाफ मंगलवार को आयोजित सचिवालय महाघेराव कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी गंगापुर सिटी से अनेक बडे व छोटे वाहनों के माध्यम से प्रात: 8 बजे रवाना होकर पहुंचे।

कार्यक्रम में समस्त प्रदेश पदाधिकारियों द्वारा प्रदेश की कांग्रेस सरकार पर रीट पेपर लीक मामला महिलाओं के बढते ग्राफ, बिजली के बिलों की दर में अघोषित बढोतरी, युवाओं की बेरोजगारी भत्ते के मामले में वादाखिलाफी, सम्पूर्ण प्रदेश के किसानों को खाद बीज उपलब्ध कराने की असफलता जैसे मुद्दों को गलत तरीके से उठाया गया। समस्त कार्यकर्ताओं और आमजन द्वारा नहीं सहेगा राजस्थान महिलाओं पर अत्याचार नहीं सहेगा अत्याचार नहीं सहेगा राजस्थान जैसे नारों से गुंजायमान कर दिया। इस दौरान भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी पी जोशी के आव्हान पर सम्पूर्ण प्रदेश के उपस्थित सभी कार्यकर्ताओं द्वारा आगामी विधानसभा चुनावों में प्रदेश कांग्रेस सरकार को उखाड फेंकने का संकल्प लिया गया।

भाजपा शहर मंडल प्रवक्ता धनेश शर्मा ने बताया कि गंगापुर शहर से जिलाध्यक्ष सुशील दीक्षित, पूर्व विधायक मानसिंह गुर्जर, सभापति शिवरतन अग्रवाल, प्रधान मंजू गुर्जर, महामंत्री उदय सिंह गुर्जर, भाजपा वरिष्ठ कार्यकर्ता हेमंत शर्मा, कार्यक्रम के विधानसभा संयोजक एडवोकेट नवीन शर्मा, महेंद्र दीक्षित, उपसभापति वीरेंद्र शर्मा, शहर मंडल अध्यक्ष गिरधारी सोनी, बजीरपुर से नेमी चंद मीणा, अखिलेश शर्मा, हरिओम पटेल, मंडल महामंत्री मिथिलेश व्यास, गोपाल धामोनिया, अंजू जाटव, राधा दीक्षित सहित भाजपा वरिष्ठ नेताओं के नेतृत्व में गंगापुर सिटी से रामभरोसी वैष्णव, पार्षद धन सिंह मावई, पूर्व सभापति दीपक सिंघल, रामबाबू शर्मा, श्याम टेलर, भानु पारिक, सुरेश चंद शर्मा, महेश गोत्तम, चिरंजी लोधा, सचिन शर्मा, गोविंद गर्ग, पार्बद बबलू चौधरी, गोविंद पाराशर, संदीप शर्मा, जमना लाल वैष्णव, वीरू बजाज, नवल दंनगस सहित सैकडों की संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

वाहन चोर गिरफ्तार, दो बाइक बरामद

महुवा, (निसं)। थाना पुलिस ने शातिर वाहन चोर को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। वही उसे कब्जे से दो बाइक सहित अन्य सामान बरामद किया है। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ एक दर्जन से अधिक मामले दर्ज है। थाना प्रभारी जितेंद्र सिंह सोलंकी ने बताया कि मंडावर रोड निवासी प्रदीप सिंह गुर्जर के द्वारा मामला ने मामला दर्ज करवाया था कि अज्ञात चोर उसके मकान का ताला तोड़कर पानी की मोटर, कूलर, गैस सिलेंडर की सहित अन्य घरेलू सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर हेड कांस्टेबल राजेश्वर सिंह, कांस्टेबल गौरी शंकर, बने सिंह, कालू राम, मनोज, वीरेंद्र की टीम गठित कर आरोपी रिंकू जाटव पुत्र अशोक कुमार जाटव निवासी धन्तूरी महुवा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से एक कूलर, एक घरेलू गैस सिलेंडर, स्टील की घी बरनी, दो बाइक बरामद की है। आरोपी आदतन चोरी का अपराधी है। जिसके खिलाफ जयपुर, महुवा, मंडावर, सलेमपुर, बांदीकुई थानों में चोरी, लूट, नकबजनी, हत्या का प्रयास, मारपीट, अवैध हथियार रखने जैसे 15 मुकदमे दर्ज है।

घना पक्षी विहार के पास कब्जा की हुई जमीन से अतिक्रमण हटाये

विवादित जमीन, केवलादेव घना पक्षी विहार के इको सेंसेटिव जोन में होने के बावजूद किया गया अवैध निर्माण

पुलिस तथा प्रशासन एवं वन विभाग के अधिकारियों ने अतिक्रमण को ध्वस्त कराया।

- शेरा पहलवान व उसके साथियों ने कर रखा था जमीन पर अनाधिकृत अवैध कब्जा
- भू-माफियाओं के खिलाफ भरतपुर पुलिस द्वारा भविश्य में अपनाई जावेगी जीरो टोलरेंस की नीति

भरतपुर, (निसं)। मृदुल कच्छावा जिला पुलिस अधीक्षक भरतपुर के निर्देशन में ऑपरेशन सुदर्शन चक्र के तहत भू-माफियाओं के विरूद्ध कारवाई को अंजाम दिया गया। भरतपुर शहर में जमीनी विवाद में आये दिन हो रहे फायरिंग के मामलों पर अंकुश लगाने के लिये शीशम तिराहे के नजदीक घना पक्षी विहार के बगल में एनएच-21 पर स्थित जमीन पर शेरा पहलवान व उसके अन्य साथियों द्वारा अवैध रूप से कब्जा की हुई जमीन से अतिक्रमण हटाये जाने की कारवाई की गई।

उक्त जमीन पर उपखण्ड न्यायालय से स्टे आदेश होने के बावजूद शेरा पहलवान व उसके साथियों द्वारा विवादित जमीन की चारदीवारी कर टीनशेड डालकर अनाधिकृत अवैध कब्जा कर रखा था। उक्त अवैध कब्जे को आज प्रातः 6 बजे पुलिस, प्रशासन व वन विभाग की टीम द्वारा संयुक्त रूप से कारवाई करते हुये ध्वस्त कर दिया गया। समस्त कारवाई के दौरान भूपेन्द्र शर्मा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मुख्यालय भरतपुर तथा देवेन्द्र परमार उपखण्ड मजिस्ट्रेट भरतपुर एवं वन विभाग के अधिकारी भी मौजूद रहे। मौके पर शान्ति एवं कानून व्यवस्था बनाये रखने के लिये नगेन्द्र सिंह वृत्ताधिकारी वृत शहर भरतपुर तथा अरूण सिंह थानाधिकारी पुलिस थाना सेवर मय क्यूआरटी तथा पुलिस लाईन भरतपुर के 50 हैड कानिस्टेबल कानिस्टेबल के जाप्ता के साथ अतिक्रमण हटाये जाने के दौरान उपस्थित रहे।

नर्सेज कर्मियों ने प्रदर्शन कर कार्य बहिष्कार किया

जिला अस्पताल में दो घंटे वार्डों में व्यवस्था चरमराई

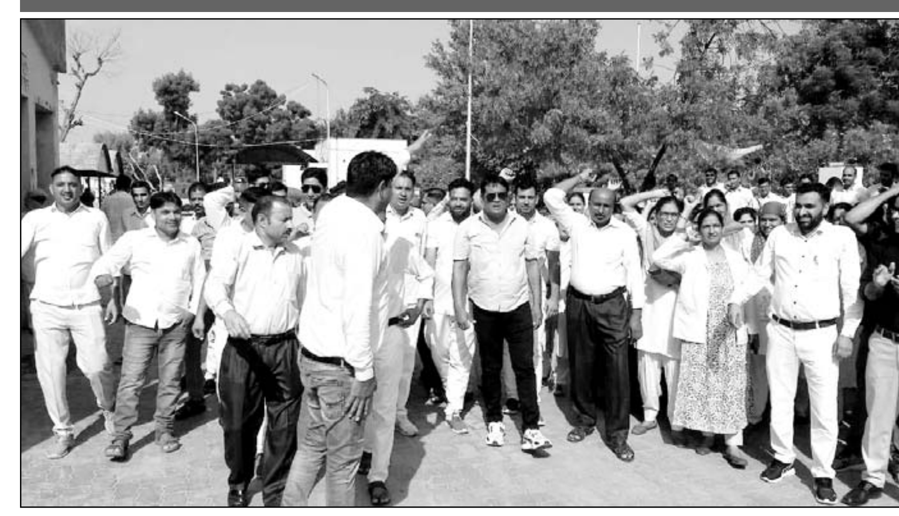
मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले विरोध-प्रदर्शन किया।

- वेतन विसंगति और ग्रेड पे बढ़ाने सहित 11 सूत्री मांगें

चूरू, (कासं)। पिछले 15 दिनों से 11 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के बैनर तले राजकीय भरतिया अस्पताल में प्रदर्शन कर रहे नर्सिंगकर्मियों ने मंगलवार को दो घंटे का कार्य बहिष्कार कर विरोध-प्रदर्शन किया। इस कारण जिला अस्पताल में दो घंटे वार्डों में व्यवस्था चरमरा गई। हालांकि आपातकालीन वार्ड में सेवाएं शुरू रही।

राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के जिला संयोजक प्रदीप चौधरी ने बताया कि वेतन विसंगति और ग्रेड पे बढाने सहित 11 सूत्री मांगों को लेकर राजस्थान नर्सेज संयुक्त संघर्ष समिति के आव्हान पर 18 जुलाई से नर्सिंगकर्मी जिला अस्पताल में शांतिपूर्वक प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन सरकार ने उनकी मांगों पर कोई ध्यान नहीं दिया, जिसके बाद मजबूरन उन्हें कार्य बहिष्कार का रास्ता अपनाना पड़ा। चौधरी ने कहा कि अगर फिर भी राज्य सरकार उनकी मांगें नहीं मानती तो प्रदेशभर के नर्सिंगकर्मी जयपुर में डेराडालकर प्रदर्शन करेंगे। जिलाध्यक्ष सुमेर सिहाग ने प्रदर्शन की आगामी रणनीति के बारे में पदाधिकारियों से चर्चा की। सिहाग ने बताया कि अगर सरकार ने नर्सेज की मांगों को नहीं माना तो आगामी 16 अगस्त तक लगातार दो घंटे का कार्य बहिष्कार किया जायेगा।

इस अवसर पर प्रदर्शन करने वालों में पुरुषोत्तम सुंडा, हीरालाल सुथार, सुनील गढ़वाल, अनीता, पिंटू, मामराज ईषराण, नरेश खीचड़, नरेश मीणा, विनोद माहिच, महेंद्र भाम्बू, धर्मेंद्र सिहाग, संतोष बलाई, रोशनी कस्वां, फतेहचंद सैनी, रीना डूडी, सरिता, प्रमिला, विनोद, सरोज, मनेष, सुमन, चंद्रकला, सीटू कस्वां, चंचल, प्रियंका, धनेष, पूनम, दीपा, गीता चौधरी, सुभाष, मंजू, सुनीता, ताराचंद, संदीप सिंह, सन्ने सिंह, सुप्यार, रजनी सहित बड़ी संख्या में नर्सिंग कर्मी उपस्थित थे।

छह फीट लम्बा अजगर को देख परिवार के उड़े होश

रेस्क्यू को पहुंची वन विभाग की टीम खाली हाथ लौटी

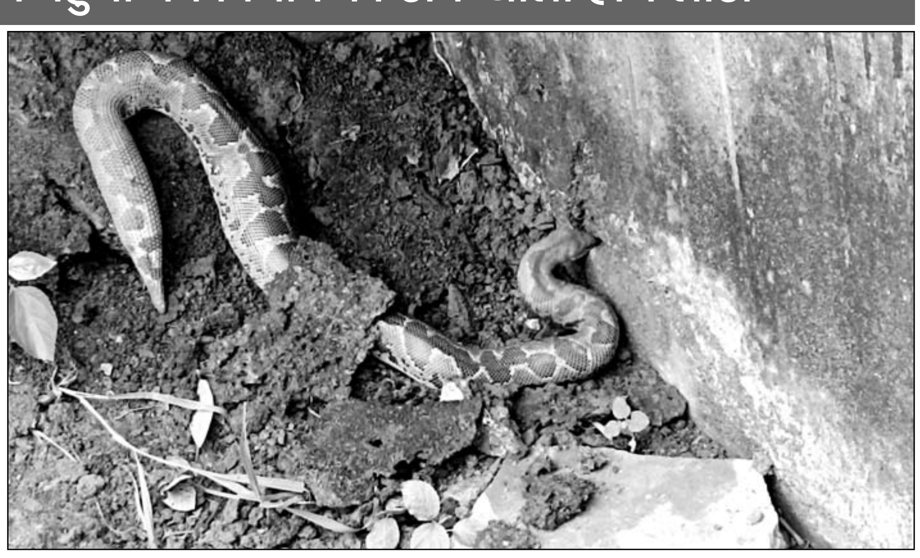
सेडुलाई कॉलोनी के एक घर में निकला विशालकाय 6 फीट लंबा अजगर।

लालसोट, (निसं)। उपखंड मुख्यालय के सेडुलाई कॉलोनी में सरकारी अध्यापक एवं स्काउट गाइड संघ के सचिव श्रीकांत शर्मा के मकान के अंदर करीब छह फीट लंबा विशालकाय अजगर देखकर परिवारजनों के होश उड़ गए। अध्यापक शर्मा ने बताया कि विगत शाम के समय उनकी पत्नी बच्चे आदि घर में टहल रहे थे।

इसी दौरान बाडे की तरफ पहुंची उनकी पत्नी को अचानक एक विशालकाय सांप नजर आया। इसकी सूचना उनकी पत्नी द्वारा उनको दी गई। इसके बाद उनकी पत्नी द्वारा बाड़े का दरवाजा बंद कर खुद को सुरक्षित जगह पर खड़ा कर लिया गया। इस मामले को लेकर उनके द्वारा सारे घटनाक्रम की जानकारी वन विभाग को दी गई। इसके बाद मौके पर पहुंचे रेंजर जगदीश मीणा के नेतृत्व में कर्मियों द्वारा मोबाइल में खींची हुई फोटो को देखा तो अजगर सांप होने की पुष्टि की गई। मौके पर पहुंचे वन विभाग की टीम को दंपत्ति द्वारा बताया गया कि वह सांप पास ही एक कच्ची दीवार को लांघ कर खेत में घुस गया है।

वहीं मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम द्वारा संभावित किसी अन्य खतरे को भांपते हुए अजगर सांप को रेस्क्यू करने के लिए सर्च ऑपरेशन चलाया गया। काफी देर चलाए गए अभियान के दौरान अजगर सांप कहीं नजर नहीं आया। वहीं वन विभाग की रेस्क्यू टीम खाली हाथ वापस लौट गई। वहीं क्षेत्र के प्रमुख प्राणी विज्ञान रामगढ़ पचवारा कन्या महाविद्यालय के प्राचार्य सुभाष पहाड़िया ने बताया कि बारिश का मौसम होने के कारण जिस जगह अजगर सांप द्वारा सुरक्षित शरण ली गई होगी संभवत पानी भरने के कारण अजगर सांप सुरक्षित स्थान की तलाश में एवं भूखा होने एवं अगर मादा अजगर हुआ तो फोटो में दिखने के हिसाब से संभवत या प्रसव पीड़ा केके चलते या शिकार की तलाश में इधर-उधर भटक रहा होगा। वन विभाग के अधिकारियों द्वारा उपस्थित लोगों एवं जिस घर में अजगर सांप निकला था परिवार के लोगों को निगरानी बरतने के लिए कहते हुए ऐसे वन्यजीवों से दूरी बनाए रखने एवं देखने पर तत्काल वन प्रशासन को सूचना देने की बात कही गई।

हत्या का आरोपी रिमांड पर

सुजानगढ़, (निसं)। राजेश सांखला हत्याकांड के आरोपी हैदर तेली को रतनगढ़ न्यायालय में पेश किया गया। जहां से आरोपी को दो दिन के पुलिस रिमांड पर सौंपे जाने के आदेश दिए गए। सीआई मुकुट बिहारी ने बताया कि राजेश सांखला हत्याकांड के आरोप हैदर तेली को रतनगढ़ न्यायालय में पेश कर दो दिन का रिमांड लिया गया है। रिमांड अवधि में आरोपी से हत्या में काम लिए हथियार एवं मृतक के मोबाइल की बरामदगी करने के साथ ही विभिन्न पहलुओं पर बारीकी से जांच की जायेगी तथा अन्य की संलिप्तता के बारे में भी गहनता से पूछताछ की जायेगी। ज्ञात रहे कि उधार लिए गए तीस हजार रूपये के तकादे से परेशान होकर हैदर ने फावडे की डंडे के वार से राजेश की हत्या कर दी थी।

मां-बेटी के शवों का तीसरे दिन पोस्टमार्टम हुआ

जोधपुर, (कासं)। शहर के सैन्य क्षेत्र हमीदाबाग में रविवार की अलसुबह संदिग्ध हालात में सैन्य क्वार्टर में मां बेटी की मौत हो गई थी। उनके अधजले शव पलंग पर पड़े हुए थे। घटना के तीसरे दिन मंगलवार को परिजन के जोधपुर पहुंचने पर शवों का मिलिट्री अस्पताल में मेडिकल बोर्ड गठित कर पोस्टमार्टम प्रक्रिया आरंभ की गई। मृतका की बड़ी बहन आई है साथ ही उसके पति के घरवालें अस्पताल पहुंचे हैं। सूबेदार ने मां बेटी के शवों को प्रथम दृष्टया देखा तब उनके मुंह से झाग निकल रहे थे। ऐसे में दोनों की मौत पर संदेह गहरा गया और सूबेदार की तरफ से जहर देकर मारने की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दी गई थी। फिलहाल मौत के कारणों का खुलासा पोस्टमार्टम से ही हो पाएगा। जानकारी के अनुसार गत रविवार की अलसुबह सेना में जवान व नायक के पद पर पदस्थ रामप्रसाद की पत्नी रूक्मीना उम्र 25 साल और मासूम बेटी रिद्धिमा उम्र 2 साल अधजली हालत में मिले थे।

कुएं में गिरने से किसान की मौत

मालपुरा, (निसं)। लाम्बाहरिसिंह कस्बा निवासी एक किसान की मंगलवार को कृषि कार्य के दौरान कुएं में गिरने से मौत हो गई। थाना पुलिस एएसआई रामस्वरूप खिंची ने बताया कि मंगलवार की दोपहर को रामसहाय खटीक अपने खेत पर कृषि कार्य कर रहा था। कुएं की मुंडेर के पास कार्य करने के दौरान असंतुलित हो कुएं में गिर जाने से मौत हो गई। पास ही खेत में कार्य कर रही मृतक की पत्नी के चिल्लाने की आवाज सुन पहुंचे ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत कर शव को कुएं से बाहर निकाला।

साधु ने बालिकाओं के अपहरण का प्रयास किया

- सतर्क युवक मनीष नागर व ग्रामीणों द्वारा अपहरण के प्रयास को विफल किया

नैनवां, (निसं)। राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी खानपुरा के पास साधु वेशधारी कुछ लोगों द्वारा विद्यालय से घर जा रही बालिकाओं को केलों (फल) का प्रलोभन देकर अपहरण करने का प्रयास किया। सतर्क युवक मनीष नागर व ग्रामीणों के द्वारा अपहरण के प्रयास को विफल किया। घटना की सूचना पर नैनवां थाना पुलिस को दी।

सूचना के आधे घंटे बाद पुलिस मौके पर पहुंची। बच्चियों व लोगों ने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी पर साधु वेशधारी कुछ लोगों ने विद्यालय से घर जा रही बालिकाओं को केले का प्रलोभन देकर लाल कलर की गाड़ी में अपहरण करने का प्रयास किया। साधु वेशधारी अपहरणकर्ताओं की इन हरकतों को देखकर मनीष नागर सहित कुछ ग्रामीणों ने पूछताछ शुरू की तो अपहरणकर्ता हिंडोली की तरफ फरार हो गए। क्षेत्र में लगातार बढ रही आपराधिक घटनाओं के चलते आमजन में भय का माहौल है जैसा कि विदित है कि अभी 15 दिन पूर्व एक लड़की का इसी राष्ट्रीय राजमार्ग 148 डी पर से अपहरण हुआ था जिसकी रिपोर्ट परिजनों द्वारा थाने में दी गई मगर कार्यवाही ना होने पर पीडित पिता ने एक बार फिर नैनवा एसडीएम से न्याय की गुहार लगाई।

क्षेत्र में लगातार घट रही बड़ी आपराधिक घटनाओं का खुलासा न होने व पुलिस प्रशासन के लगातार विफल रहने के चलते अपराधियों के हौसले लगातार बुलंद है। जिसके चलते एक बार फिर स्कूली बच्चियों के अपहरण करने का प्रयास करने का मामला सामने आया। जैसा कि लोगों बताया कि अब तक क्षेत्र में घटित कई बड़ी आपराधिक घटनाएं पुलिस के लिए अनसुलझी पहेली बनी हुई है। बालिका के परिजन बाबूलाल ने नैनवा थाने में रिपोर्ट देकर अपहरणकर्ताओं के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

नीलामी पर हाईकोर्ट ने मांगा जवाब

चाकसू, (निसं)। कस्बे में नगरपालिका की ओर से आईडीएसएमटी कॉलोनी में गैर मुमकिन पाल एवं राजस्थान उच्च न्यायालय द्वारा अब्दुल रहमान प्रकरण में इस प्रकार की विक्रय, आवंटन नियम आदि से प्रतिबंधित होने के बावजूद प्रशासन द्वारा आवासीय स्कीम काटने के मामले को लेकर 12 जुलाई 2023 को जिला कलेक्टर द्वितीय के स्टे के आदेश के बाद राजस्थान हाईकोर्ट ने आईडीएसएमटी स्कीम के तहत चाकसू नगर पालिका की ओर से मंदोकरा तालाब की पाल के पास करीब पन्द्रह रिहायशी भूखंडों की नीलामी की प्रक्रिया को याचिका के निर्णय के अधीन रखा है। यह नीलामी बुधवार को होनी है। न्यायाधीश एमएम श्रीवास्तव व प्रवीर भटनागर की खंडपीठ ने राधेश्याम सैनी की जनहित याचिका पर इस मामले में स्वायत्त शासन सचिव, नगर पालिका ईओ व चाकसू एसडीओ से जवाब भी मांगा है।

प्रार्थीपक्ष की ओर से अधिवक्ता प्रहलाद शर्मा ने कोर्ट से कहा कि नगर पालिका आईडीएसएमटी स्कीम के तहत रिहायशी भूखंडों की नीलामी कर रही है, लेकिन यह जमीन मंदोकरा तालाब की पाल पर है। ऐसे में बारिश के कारण तालाब टूटने पर इस क्षेत्र में जलभराव से जनहानि की आशंका है। इस परिस्थिति में भूखंडों की नीलामी की प्रक्रिया पर रोक लगाई जाए। वहीं उपरोक्त तालाब की पाल के पास काबिज किसान बाबूलाल सैनी, प्रहलाद सैनी एवं प्रभु सैनी ने बताया कि तालाब के पास और पाल के लगवा हमारी काश्तकारी भूमि है जिस पर हमारे परिवार खेती किसानी कर कर अपने परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। तालाब ओवरफ्लो हो जाने के बाद खेती किसानी, साधनों को लाने ले जाने और आने जाने के रूप में यहां काबिज किसान परिवार उपरोक्त पाल का जन्म से उपयोग करते आ रहे हैं।

घायल युवक की मौत

बीदासर, (निसं)। कस्बे के सीकर-नोखा मार्ग स्टेट हाईवे पर 28 जुलाई को मोटरसाईकिल के सामने गाय आने से उसको बचाने के चक्कर में बाईक फिसल जाने से घायल हुए 24 वर्षीय बैरासर निवासी राधेश्याम की ईलाज के दौरान बीकानेर में मौत हो गई।

पुलिस सुत्रों के अनुसार बैरासर निवासी मृतक के चाचा आशुदास स्वामी ने पुलिस को लिखित रिपोर्ट दी कि मेरा भतीजा राधेश्याम 28 जुलाई को सरदारशहर से अपने गाँव बैरासर आ रहा था। रात्रि में 10 बजे के लगभग ढोली कृषि फार्म हाऊस ढिगारीया के पास अचानक मोटर साईकिल के आगे गाय आ गई। गाय को बचाने के चक्कर में मोटर साईकिल फिसल गई। जिससे वह गम्भीर रूप से घायल हो गया।

घायल अवस्था में साण्डवा के सरकारी अस्पताल ले गये जहाँ चिकित्सा ने प्राथमिक उपचार कर गम्भीर हालत को देखते हुये बीकानेर रेफर कर दिया। जहाँ राधेश्याम की ईलाज के दौरान मृत्यु हो गई। पुलिस ने मृतक के चाचा आशुदास की रिपोर्ट पर मरग का मामला दर्ज मृतक के शव का बीकानेर पीबीएम अस्पताल में पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया।

दो पक्षों में पथराव और फायरिंग

धौलपुर, (निसं)। धौलपुर शहर के कोतवाली थाना इलाके की आशियाना कॉलोनी में सोमवार रात को दो पक्षों में झगड़ा हो गया। जिसमें पथराव और फायरिंग भी की गई। जिससे लोगों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली थाना पुलिस मौके पर पहुंच गई। लेकिन तब तक आरोपी मौके से भाग गए।

वहीं मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी मनोज कुमार भी रात को ही मौके पर पहुंच गए और पूरे घटनाक्रम की जानकारी ली तथा संदिग्ध लोगों के ठिकानों पर छापामार कार्रवाई कर आरोपियों को गिरफ्तार करने के पुलिस अधिकारी को निर्देश दिए।

कॉलोनी वासियों से पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में प्रथम दृष्टया झगड़े का कारण कोई पुराना जमीनी विवाद बताया जा रहा है। जिसकी वजह से दो पक्ष रात को आमने सामने हो गए। जिनमें पहले दोनों और से जमकर पथराव हुआ और बाद में फायरिंग करने की भी बात सामने आ रही है।

एसपी मनोज कुमार ने बताया कि आशियाना कॉलोनी में जैसे ही झगड़े की सूचना मिली तो कोतवाली थाना पुलिस मय पुलिस जाब्ता मौके पर पहुंची। इसके साथ ही डिप्टी एसपी मनिया सहित डीएसटी टीम और बड़ी संख्या में पुलिस बल भी मौके पर पहुंच गया। पुलिस झगड़ा करने वालों की तलाश कर रही है। इसके अलावा मौके पर लोगों से पूछताछ कर इस पूरे घटनाक्रम में शामिल लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जा रही है।

वहीं घटना को लेकर आशियाना कॉलोनी धौलपुर निवासी इस्लाम ने गब्बर और पाल सिंह के खिलाफ मारपीट तथा फायरिंग करने का मुकदमा कोतवाली थाने में दर्ज कराया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सुजला जिला बनाने की मांग, 122 वें दिन भी धरना जारी

जिला नहीं बनाने पर वोट की चोट देने की चेतावनी

सुजानगढ़ जिले की मांग के समर्थन में प्रदर्शन करते हुए धरनार्थी।

सुजानगढ़, (निसं)। सुजला जिला बनाने की मांग के समर्थन में लगातार 122 वें दिन गांधी चौक में धरना जारी रहा। सुजला महासत्याग्रह द्वारा दिए जा रहे धरने पर मंगलवार को संयोजक श्रीराम भामा ने कहा कि सुजला जिला नहीं बनाने पर क्षेत्र की जनता द्वारा वोट की चोट दी जायेगी।

भंवरलाल गिलाण ने कहा कि जनभावना के अनुरूप कार्य नहीं करने पर लोकतंत्र में जनता नेताओं को अर्श से फर्श पर ला देती है। इस दौरान यूसुफ गौरी, भगवती प्रसाद सोनी, रामनिवास भाट जसवंतगढ़ ने ढोल नगाडों के साथ सुजला जिला बनाना होगा के नारे बुलन्द किये।

धरने का नेतृत्व मनोज सोनी व हाजी हाकम अली खां द्वारा किया गया। इस अवसर पर राजकुमार सैन, मंगतू अली घोसी, गोविंद जोशी, मोहमद अकरम, जितेंद्र सैनी, मोहित प्रजापत, मनोज प्रसाद रेगर, रूपाराम सांसी, दीनदयाल नाई, अब्दुल वकास गौरी, अब्दुल वाहिद बेहलिम, आदिल, किशोर सिंधी, रमेश कुमार, अब्दुल सहित बडी संख्या में धरनार्थी उपस्थित रहे।

सोनार दुर्ग में अधुरा रह गया झूलते तार का समाधान

दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य विद्युत विभाग द्वारा आज तक नहीं करवाया गया

विश्वविख्यात सोनार दुर्ग में तारों का जंजाल।

- सोनार दुर्ग को देखने के लिए हर साल लाखों की संख्या में सैलानी जैसलमेर पहुंचते हैं

जैसलमेर, (नि.सं.)। जैसलमेर शहर के पर्यटन स्थल भ्रमण करने और कैमरे में कैद करने अनगिनित देसी और विदेशी सैलानी प्रति वर्ष आते हैं परंतु खुले बिजली के तार होने से फोटोग्राफी में भारी परेशानी देखनी पड़ती है। वर्ष 2011 में तत्कालीन जिला कलेक्टर गिरीराजसिंह कुशवाह द्वारा विश्व विख्यात पटुआ हवेली, नथमल हवेली और सोनार दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य करवाने का विद्युत विभाग को निर्देश दिए। कुशवाह के कार्यकाल में विश्व विख्यात पटुआ हवेली, नथमल हवेली में अंडरग्राउंड केबल का कार्य पूर्ण हो गया। कुशवाह का तबादला सवाईमाधोपुर हो जाने के पश्चात सोनार दुर्ग में अंडर ग्राउंड केबल का कार्य विद्युत विभाग द्वारा आज तक नहीं करवाया गया। झूलते तार बीच में आने के कारण सैलानियों को फोटोग्राफी में भारी परेशानी आ रही है।

हर साल लाखों की संख्या में सैलानी स्वर्णनगरी घूमने आते है। जिसमें उनके लिए सबसे प्रमुख पर्यटन स्थल सोनार दुर्ग है, जो विश्व का एकमात्र लिविंग फोर्ट है। लेकिन इसके बावजूद सरकारी विभाग सोनार दुर्ग को पूरी तरह से अनदेखा करते हैं। 2011 में सोनार दुर्ग को बिजली की तारों से मुक्त करने के लिए अंडरग्राउंड केबलिंग का काम भी शुरू हुआ था। लेकिन जिला कलेक्टर कुशवाह का तबादला सवाईमाधोपुर हो जाने के पश्चात सोनार दुर्ग अंडर ग्राउंड योजना ठंडे बस्ते में चली गई। जिससे आज भी लोग जूझ रहे है। यहां भ्रमण पर आने वाले सैलानी सोनार दुर्ग, पटवा हवेली और नथमल हवेली को आराम से निहार सके। इसके लिए कुशवाह द्वारा अंडर ग्रांउड केबलिंग का काम शुरू करवाया गया था। पटवा हवेली और नथमल हवेली में तो यह काम हो गया। लेकिन सोनार दुर्ग में पाइप डालने के बावजूद अंडरग्राउंड केबलिंग नहीं हो सकी। जिससे आज भी दुर्गवासी झूलती तारों के संकट से जूझ रहे हैं।

पटवा हवेली और नथमल हवेली के आस पास तो अंडरग्राउंड केबल बिछा दी गई। लेकिन दुर्ग का उस समय से अटका हुआ काम आज भी अटका हुआ ही है। सोनार दुर्ग के रहवासी रोज करंट के डर से सामना करते हुए अपना जीवन बसर कर रहे है। लेकिन डिस्कॉम व नगर परिषद के अधिकारियों को इससे कोई सरोकार नहीं है। शहर में सबसे तंग गलिया सोनार दुर्ग में है। जिससे झूलती तारों से कभी भी हादसा हो सकता है लेकिन दुर्गवासियों की इस समस्या से जिले के किसी भी अधिकारी को कोई सरोकार नहीं है। जबकि सोनार दुर्ग को देखने के लिए हर साल लाखों की संख्या में सैलानी जैसलमेर पहुंचते है।

कांग्रेस सरकार के खिलाफ भाजपा का जयपुर में बड़ा प्रदर्शन, हजारों लोग उमड़े

पुलिस ने किया हल्का बल प्रयोग, पुलिस से झड़प के कारण उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया व अन्य कार्यकर्ताओं को चोटें आईं

सचिवालय घेराव के लिये कूच करने से पहले भाजपा प्रदेश कार्यालय पर एक सभा का आयोजन किया गया।

जयपुर। भाजपा का कांग्रेस सरकार के खिलाफ बड़ा प्रदर्शन किया। हालांकि प्रदेशभर से आने वाली जनता की नजरें पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे को तलाश रही थी। इस प्रदर्शन में पूर्व मुख्यमंत्री राजे के शामिल नहीं होने की चर्चाएं रहीं। इसके साथ ही प्रदेश भाजपा ऑफिस पर सभा के साथ ही पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने सचिवालय घेराव के लिए कूच किया। स्टेच्यू सर्किल पर पुलिस ने वॉटर कैनन का इस्तेमाल कर भाजपा कार्यकर्ताओं को खदेड़ दिया। वहीं, उपनेता प्रतिपक्ष एवं भाजपा पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया जब कार्यकर्ताओं के साथ बेरिकेड्स की तरफ कूच कर रहे थे तो पुलिस प्रशासन ने काफी देर तक वाटर कैनन चलाई और धक्का मुक्की की। लगातार वाटर कैनन चलाने से सतीश पूनिया की आंखों में और सिर में हल्की चोटें आई हैं। इसके साथ ही भाजपा के कई नेताओं की पुलिस से झड़प हो गई। पुलिस के साथ धक्का-मुक्की में आठ कार्यकर्ताओं को चोटें आई हैं। एसएमएस अस्पताल में प्राथमिक उपचार के बाद छह लोगों को छुट्टी दे दी गई जबकि दो कार्यकर्ता विमल अग्रवाल और प्रदीप तिवाड़ी को अस्पताल में भर्ती किया गया है।

प्रदर्शन में प्रदेश अध्यक्ष सीपी जोशी, केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत, नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड़, उप नेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया, सांसद राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, सांसद सुमेधानंद सहित भाजपा के कई बड़े नेताओं ने गिरफ्तारियां दीं।

प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा सरफरोशी की तमन्ना अब हमारे दिल में है, देखना है दम कितना, इस मुगलिया सलतनत में है। उन्होंने कहा जनता जनार्दन अपने वोट की ताकत से किसी को फर्श से अर्श तक पहुंचाती है तो सत्ता में आने के बाद जनता से धोखा करने वाली सरकार को वोट की पेटी में बंद करके हमेशा हमेशा के लिए ताला लगाने की ताकत भी है इस जनता जनार्दन में है। सामने उमड़ा जन सैलाब बता रहा है इस तुष्टिकरण करने वाली, युवाओं को धोखा देने वाली, पेपर लीक करने वाली, किसानों के साथ वादाखिलाफी करने वाली, नारी की सुरक्षा करने वाली, पेट्रोल डीजल बिजली पर महंगाई को समाप्त ना कर सकने वाली महाभ्रष्ट कांग्रेस सरकार की विदाई तय है। पेपर लीक पर सरकार फेल हो गई इस तमाम घटनाक्रम के बाद भी आपने उस मंत्री को पद से नहीं हटाया। लेकिन लाल डायरी में ऐसा क्या है, कि इसका नाम आते ही आपने उस मंत्री को पद से हटा दिया। आखिर लाल डायरी का सच क्या है, इसका जवाब जनता मांग रही है।

- **जनता में फर्श से अर्श तक पहुंचाने और धोखा देने वाली सरकार को पेटी में बंद करके हमेशा के लिए विदा करने की ताकत होती है : सी.पी.जोशी**
- **संत विजयदास का आत्मदाह और लाल डायरी जैसे गंभीर मामले कांग्रेस को हमेशा के लिए सत्ता से उखाड़ फेंकेंगे : अरूण सिंह**
- **मीरा और पद्मिनी की धरती अब दुष्कर्मियों को मर्द कहने वाले नेताओं को नहीं सहेगी : राजेन्द्र राठौड़**

प्रदेश प्रभारी एवं भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव अरूण सिंह ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेशभर से जनविरोधी गहलोत सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लेकर सचिवालय का महाघेराव करने जनता आज जयपुर पहुंची है। आज का महाघेराव अपने आप में ऐतिहासिक है। प्रदेश में अपराध बेलगाम है पडौस के राज्यों से अपराधी राजस्थान में घुसकर फिरौती, फायरिंग और सुपारी किलिंग को अंजाम दे रहे हैं। संत विजयदास का आत्मदाह हो या लाल डायरी ये सभी कांग्रेस को हमेशा के लिए सत्ता से उखाड़ फेकेगी। प्रशासन की ओर से जगह-जगह बसों को रोका जा रहा है, लेकिन जनता में सरकार के खिलाफ आक्रोश है।

नेता प्रतिपक्ष राजेन्द्र राठौड ने कहा कि लाल डायरी सरकार को ललकारने के लिए आक्रोशित जनता बडी संख्या में सचिवालय घेराव के लिए जयपुर पहुंची है। सरकार को चेताते हुए कहा कि सिंहासन खाली करो कि जनता आती है। मीरा और पद्मिनी की धरती अब दुष्कर्म नहीं सहेगी, मर्दों का प्रदेश कहने वाले बेशर्म नेताओं को नहीं सहेगी। लाल डायरी से घबराई सरकार को पता है कि उनके सामने उनके ही मंत्री ने आरोप लगाए हैं कि इस डायरी में पांच हजार करोड़ के भ्रष्टाचार का काला चिट्ठा है। सरकार के राज्य मंत्री का दर्जा प्राप्त गोपाल केसावत 18 लाख की रिश्वत लेते पकड़े जाते हैं।

जनसभा में डॉ. पूनिया ने कहा कि भाजपा का आज का यह आगाज राजस्थान के इतिहास में अंजाम तक जाएगा, कार्यकर्ताओं के मजबूत इरादे, आपकी ताकत, आपकी संख्या और आपका जज्बा आज इस बात को निश्चित रूप से तय करेगा कि राजस्थान के राजनीतिक इतिहास में यह कांग्रेस का विदाई समारोह होगा। अशोक गहलोत की सरकार में ही यह संभव है कि अस्पताल में मरीजों के पैर चूहे कुतर जाते हैं। कांग्रेस की सरकार माफियाओं की सरकार है, यह राजनीतिक माफिया है, शिक्षा माफिया है, पर्यटन माफिया है, यह भूमाफिया है, यह शराब माफिया है, यह खनन माफिया है, यह अपराध माफिया है, यह किसान विरोधी माफिया है,यह पेपर लीक माफिया है, ऐसी सरकार की विदाई आज ही लिख दी जाए।केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पैर में एक कील क्या लगी, पट्टा बांधकर सो गए। धोखा देकर सत्ता में आई इस सरकार को अब राजस्थान नहीं सहेगा। कहा कि काल के कपाल पर लिखा हम मिटाएंगे, भ्रष्टाचारियों से राज्य को मुक्ति दिलाएंगे। आज की सभा से आप सभी संकल्प लेकर अपने अपने क्षेत्र में जाएंगे और चुनावों की तैयारी में जुटेंगे।

चोट का बहाना बनाकर पेशी से बचना चाहते थे सीएम : शेखावत

नई दिल्ली/जयपुर। केंद्रीय जलशक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत द्वारा दायर मानहानि मामले में राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को तगड़ा झटका लगा है। राउज एवेन्यू कोर्ट के विशेष न्यायाधीश एम के नागपाल की अदालत ने गहलोत की उस याचिका को सिरे से खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने 7 अगस्त की पेशी से राहत देने की मांग की थी। ऐसे में अब अशोक गहलोत को राउज एवेन्यू कोर्ट में पेश होना ही पड़ेगा।

शेखावत ने इस मुद्दे पर पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पिछले महीने अदालत में इस मामले की सुनवाई हुई थी। अदालत ने गहलोत को 7 अगस्त को पेश होने को कहा था। मुख्यमंत्री की तरफ से इस फैसले के खिलाफ सेशन कोर्ट में राउज एवेन्यू कोर्ट के फैसले पर रोक लगाने के लिए पुनर्विचार याचिका दायर की गई। लेकिन आज अदालत ने तमाचा मारते हुए मुख्यमंत्री को राहत देने से इंकार कर दिया। अदालत ने मुख्यमंत्री गहलोत को व्यक्तिगत रूप से पेश होने का निर्देश दिया। केंद्रीय मंत्री ने तंज कसते हुए कहा कि मुख्यमंत्री के पैर में पट्टी 7 अगस्त तक नहीं खुलेगी। मुख्यमंत्री चोट का बहाना बनाकर पेशी से बचना चाहते थे।

कन्हैयालाल हत्याकांड के आरोपियों के खिलाफ बहस पर सुनवाई टली

जयपुर, (का.सं.)। एनआईए मामलों की विशेष अदालत ने उदयपुर के कन्हैयालाल टेलर की हत्या मामले में आरोपियों को 7 अगस्त को पेश होने का निर्देश देते हुए चार्ज बहस पर सुनवाई टाल दी है। वहीं मामले के एक आरोपी मोहम्मद जावेद की जमानत अर्जी पर भी उसी दिन सुनवाई रखी है। जेल प्रशासन की ओर से किन्हीं कारणों से आरोपियों को पेश नहीं किया जा सका। जिस पर कोर्ट ने आगामी सुनवाई पर उन्हें पेश करने को कहा है। वहीं एक अन्य आरोपी फरहाद शेख की ओर से पेश जमानत अर्जी पर अदालत ने 4 अगस्त को सुनवाई रखी है। गौरतलब है कि पिछली सुनवाई पर आरोपी जावेद की ओर से कोर्ट में अर्जी दायर कर कहा था कि वह मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद व रियाज अत्तारी को नहीं जानता और ना कोई ऐसा साक्ष्य है, जिसमें इस अपराध में उसकी कोई भी संलग्नता पाई गई हो। इसलिए उसे जमानत दी जाए। इससे पहले कोर्ट ने आरोपियों की अर्जी पर एनआईए को उन्हें इलेक्ट्रॉनिक साक्ष्य और आरोप पत्र की कॉपी हिंदी में मुहैया कराने का निर्देश दिया था। इस मामले में एनआईए ने दिसंबर 2022 में गौस मोहम्मद व मोहम्मद रियाज अत्तारी सहित सभी आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा के तहत आतंकी गतिविधियों के आरोप में चालान पेश किया था। इसमें एनआईए ने प्रथम दृष्टया मुख्य आरोपी गौस मोहम्मद व मोहम्मद रियाज और पाक निवासी दो आरोपियों सहित अन्य आरोपियों पर हत्या, अन्य धर्म व जाति को अपमानित व क्षित पहुंचाने सहित आतंकी गतिविधियों के संबंध में आरोप माने थे।

प्रदेश की हजारों खदानों की नीलामी का रास्ता साफ

जयपुर, (का.सं.)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक अहम फैसले में प्रदेश की हजारों खदानों की नीलामी का रास्ता साफ करते हुए राजस्थान हाईकोर्ट के 2013 के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें पहले आओ,पहले पाओ की नीति के आधार पर पट्टे जारी करने के लिए कहा था। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि सरकार की नियमों में संशोधन करने की स्वतंत्र शक्ति है और इसमें पेंडिंग आवेदन पत्र आड़े नहीं आते हैं। ऐसे में शीर्ष अदालत को हाईकोर्ट का आदेश रद्द करने में कोई हिचकिचाहट नहीं हो रही है। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस एएस बोपन्ना व एमएम सुंदरेश की खंडपीठ ने यह आदेश राज्य सरकार की अपील मंजूर करते हुए दिया।

123 पुलिस अफसरों के तबादले

- **प्रदेश में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 70 और पुलिस उपाधीक्षक स्तर के 53 अधिकारियों को बदला गया है।**

जयपुर। आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर गृह विभाग में लगातार तबादलों का दौर जारी है। इसके चलते मंगलवार को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर के 70 और पुलिस उपाधीक्षक स्तर के 53 अधिकारियों के तबादले किए हैं। इनमें अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक आशा राम चौधरी को एडिशनल डीसीपी कंट्रोल रूम जयपुर पुलिस कमिश्नरेट, शिल्पा चौधरी व राजेन्द्र कुमार चारण को सीआईडी एसएसबी जयपुर, कमल कुमार जांगिड को सीआईडी सीबी जयपुर, सरिता बड गुर्जर को पुलिस परामर्श व सहायता केन्द्र जयपुर कमिश्नरेट, नरपत सिंह व लालचंद कायल को एसओजी जयपुर, संध्या यादव को नगर निगम ग्रेटर जयपुर, सुमन चौधरी को एडिशन डीसीपी जयपुर पूर्व, दिनेश कुमार को एडिशनल डीसीपी जयपुर उत्तर सैंकेड, रेवंतदान को एडिशनल डीसीपी जयपुर साउथ, विजेन्द्र सिंह भाटी को एडिशनल डीसीपी जयपुर उत्तर प्रथम, ज्ञानप्रकाश नवल को एडि. डीसीपी ट्रेफिक जयपुर नोर्थ, कुशाल सिंह खींची को एडि. डीसीपी इंटेलिजेंस व सुरक्षा पुलिस कमिश्नेट, विपिन शर्मा को एडि. डीसीपी जयपुर साउथ और सरिता सिंह को अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक राजस्थान पुलिस अकादमी के पद पर लगाया है। वहीं पुलिस उपाधीक्षक सुरेन्द्र सिंह को एसीपी रामगंज, संजय शर्मा को एसीपी मालवीय नगर और महेन्द्र कुमार गुप्ता को सीआईडी एसएसबी जयपुर शहर लगाया गया है।

चीन को रौंददकर ग्रुप-डी के शीर्ष पर इंग्लैंड

एडिलेड, 1 अगस्त। लौरेन जेम्स के दो दर्शनीय गोलों के दम पर इंग्लैंड ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के एकतरफा मुकाबले में चीन को 6-1 से रौंदकर ग्रुप-डी तालिका में शीर्ष स्थान हासिल किया। हिंडमार्श स्टेडियम पर इंग्लैंड की इस विशाल जीत में लौरेन ने 41वें और 65वें मिनट में गोल किये, जबकि एलिसिया रूसो, लौरेन हेम्प, क्लोई केली और रेचल डेली ने एक-एक गोल का योगदान दिया। विश्व कप के आठ आयोजनों में पहली बार ग्रुप चरण में बाहर होने वाले चीन की ओर से सिर्फ वांग शुआंग (57वां मिनट) ही गोल कर सकीं। इंग्लैंड की टीम अब सुपर-16 में सोमवार को नाइजीरिया का सामना करेगी। दिन के एक अन्य ग्रुप-डी मुकाबले में, डेनमार्क ने हैती को 2-0 से हराकर सुपर-16 में जगह बनायी। निब स्टेडियम पर विजेता टीम के गोल परनाइल हार्डर (21वां मिनट) और सैन नीलसन (90 10वां मिनट) ने किये। प्री क्वार्टरफाइनल में डेनमार्क का मुकाबला मेज़बान ऑस्ट्रेलिया से होगा।

नीदरलैंड ने वियतनाम को फुटबॉल का पाठ पढ़ाया

डुनेडिन, 1 अगस्त। नीदरलैंड ने फीफा महिला विश्व कप 2023 के ग्रुप-ई मुकाबले में आक्रामक फुटबॉल का उत्कृष्टतम प्रदर्शन करते हुए मंगलवार को वियतनाम को 7-0 से पीट दिया। डच टीम के इस अविस्मरणीय प्रदर्शन में लिके मार्टन्स, कात्जा स्नोएस, और डैनियल वैन डी डॉन्क ने एक-एक गोल किया। एसमी ब्रग्ट्स और जिल रूर्ड ने दो-दो गोल का योगदान दिया। नीदरलैंड को ग्रुप-ई में पहले स्थान पर रहने के लिये अमेरिका से अधिक अंक अर्जित करने थे। डच टीम ने इस विशाल जीत के साथ आसानी से अपने ग्रुप में शीर्ष स्थान हासिल किया। नीदरलैंड ने तीन मैचों में सात अंकों के साथ सुपर-16 में प्रवेश किया। दूसरी ओर, अपने आखिरी ग्रुप चरण मैच में पुर्तगाल के साथ गोलरहित ड्रॉ खेलने वाले अमेरिका ने पांच अंकों के साथ प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनायी।

स्टार स्पोर्ट्स पर प्रसारित होगा महिला विश्व कप सुपर-16 चरण

मुंबई, 1 अगस्त। भारत के प्रमुख खेल प्रसारक स्टार स्पोर्ट्स ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड में जारी फीफा महिला विश्व कप 2023 के सुपर 16 चरण के प्रसारण अधिकार हासिल किये हैं। कंपनी ने मंगलवार को यह जानकारी दी। स्टार स्पोर्ट्स ने एक विज्ञप्ति में कहा कि उसके चैनलों पर टूर्नामेंट के सुपर-16 मुकाबलों के लाइव प्रसारण के अलावा ग्रुप चरण मुकाबलों की हाइलाइट्स भी दिखाई जायेंगी। प्रसारणकर्ता सेमीफाइनल और फाइनल के लिये क्षेत्रीय भाषा की कमेंट्री जोड़कर टूर्नामेंट के कवरेज को बढ़ाने की भी योजना बना रहा है। स्टार स्पोर्ट्स के प्रवक्ता ने फीफा विश्व कप 2023 के साथ जुड़ाव पर कहा, ''फीफा महिला विश्व कप 2023 महिलाओं के खेल का अंतिम प्रदर्शन और उत्सव है।

स्टिमाच ने एशियाई खेलों के लिये भारतीय टीम की घोषणा की

नयी दिल्ली, 1 अगस्त। भारत की सीनियर पुरुष टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमैक ने 19 सितंबर से सात अक्टूबर तक चीन के हांग्झोउ में होने वाले 19वें एशियाई खेलों के लिये मंगलवार को 22 सदस्यीय टीम की घोषणा की। भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप-ए में मेजबान चीन, बंगलादेश और म्यांमार के साथ रखा गया है।

इस टूर्नामेंट में 23 टीमों को कुल छह समूहों में विभाजित किया गया है। ग्रुप ए, बी, सी, ई और एफ में चार-चार टीमें हैं जबकि ग्रुप डी में तीन टीमें हैं। दो बार की एशियाई खेलों की चैंपियन भारतीय टीम नौ साल बाद पहली बार महाद्वीपीय खेलों की फुटबॉल प्रतियोगिता में भाग ले रही है।

भारतीय स्क्वाड : गोलकीपर : गुरप्रीत सिंह संधू, गुरुमीत सिंह, धीरज सिंह मोइरांगथेम। **डिफेंडर :** संदेश झिंगन, अनवर अली, नरेंद्र गहलोत, लालचुंगनुंगा, आकाश मिश्रा, रोशन सिंह, आशीष राय। **मिडफील्डर :** जेकसन सिंह थौनाओजम, सुरेश सिंह वांगजाम, अपुइया राल्टे, अमरजीत सिंह कियाम, राहुल केपी, नाओरेम महेश सिंह। **फॉरवर्ड :** शिव शक्ति नारायणन, रहीम अली, अनिकेत जाधव, विक्रम प्रताप सिंह, रोहित दानू, सुनील छेत्री। **प्रमुख कोच :** इगोर स्टिमाच।

एशियाई खेलों में पहली बार हिस्सा लेगी भारतीय सॉफ्टबॉल टीम

नयी दिल्ली, 1 अगस्त। चीन के हांग्झोउ में 23 सितंबर से होने वाले एशियाई खेलों में भारत पहली बार सॉफ्टबॉल के खेल में प्रतिस्पर्धा करेगा। भारतीय सॉफ्टबॉल संघ ने एक विज्ञप्ति में कहा कि एशियाड में हिस्सा लेने के लिये 16-सदस्यीय महिला टीम का चयन किया गया है। टीम चयन के लिये संभावितों की सूची के लिये परीक्षणों के बाद जून-जुलाई में दो सप्ताह के कोचिंग कैंप और परीक्षणों का आयोजन किया गया था। इस टीम में तीन अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी चुना गया है।

मौजूदा राष्ट्रीय चैंपियन महाराष्ट्र ने भारतीय टीम में सबसे अधिक खिलाड़ियों का योगदान दिया। राज्य की पांच लड़कियों को राष्ट्रीय टीम में जगह मिली है, जबकि केरल और पंजाब से क्रमश: तीन और दो खिलाड़ियों को चुना गया है। छत्तीसगढ़, ओडिशा, हिमाचल प्रदेश, दिल्ली, तेलंगाना और मध्य प्रदेश से एक-एक खिलाड़ी ने टीम में जगह बनायी है।

सॉफ्टबॉल संघ की अध्यक्ष नीतल नारंग ने कहा, ''एशियाई खेलों में भारतीय महिला सॉफ्टबॉल टीम की भागीदारी हमारे खिलाड़ियों के लिये चमकने और महाद्वीप की सर्वश्रेष्ठ टीमों के खिलाफ अपनी योग्यता साबित करने का अवसर है। इसके अलावा, यह उपलब्धि युवा एथलीटों, विशेषकर लड़कियों की भावी पीढ़ियों को सॉफ्टबॉल को पसंदीदा खेल के रूप में अपनाने के लिये प्रेरित करेगी।

उल्लेखनीय है कि सॉफ्टबॉल पहली बार एशियाई खेलों में पदार्पण कर रहा है। भारत को एशियाई चैंपियनशिप में नियमित भागीदारी के आधार पर एशियाई खेलों में वाइल्ड कार्ड प्रवेश दिया गया है।

एशियाई खेलों के लिये भारतीय सॉफ्टबॉल टीम : ऐश्वर्या रमेश पुरी, ऐश्वर्या सुनील बोडके, मोनाली मानसिंग नातू, स्वप्नाली सी वेडनेड, सई अनिल जोशी, अंजलि पल्लिकरा, स्टेफी साजी, रिंटा चेरियन, ममता गुगुलोथ, गंगा सोना, ममता मिन्हास, संदीप कौर, कुमारी मनीषा, ईशा, स्वेतासिनी सबर, नित्या मालवी, प्रियंका बघेल (स्टैंडबाय)। अतिरिक्त खिलाड़ी : मनीषा कुमारी, प्रीति वर्मा, चित्रा।

स्वितोलिना ने अजारेंका को हराया, हाथ नहीं मिलाए

वाशिंगटन, 1अगस्त। यूक्रेन की एलिना स्वितोलिना ने डीसी ओपन टेनिस टूर्नामेंट में बेलारूस की विक्टोरिया अजारेंका को सीधे सेटों में हराने के बाद अपनी इस प्रतिद्वंदी से हाथ नहीं मिलाए। स्वितोलिना ने सोमवार को खेले गए पहले दौर के इस मैच में 7-6 (2), 6-4 से जीत दर्ज की। यूक्रेन में युद्ध के दौरान स्वितोलिना और उनके देश की अन्य खिलाड़ियों ने रूस और बेलारूस की अपनी प्रतिद्वंद्वियों से हाथ मिलाने से परहेज की है। रूस ने फरवरी 2022 में बेलारूस की मदद से यूक्रेन पर हमला किया था और यह युद्ध अभी जारी है। स्वितोलिना और अजारेंका के बीच मैच से पहले ही दर्शकों को बता दिया गया था कि दोनों खिलाड़ी मैच के बाद एक दूसरे से हाथ नहीं मिलाएंगे। टेनिस में मैच समाप्त होने के बाद खिलाड़ी आपस में हाथ मिलाते हैं लेकिन स्वितोलिना और अजारेंका ने केवल चेयर अंपायर से हाथ मिलाया। स्वितोलिना के इस कदम की कुछ दर्शकों ने सराहना भी की। स्वितोलिना ने बाद में कहा, ''यह सही फैसला है। मैंने डब्ल्यूटीए से कहा कि वह यूक्रेन के खिलाड़ियों के फैसले का सम्मान करे और उसने ऐसा किया।''

भारत ने खड़ा किया 351 रन का विशाल स्कोर

तारोबा, 1 अगस्त। भारत ने ईशान किशन, शुभमन गिल, संजू सैमसन और कप्तान हार्दिक पांड्या के दमदार अर्धशतकों की बदौलत वेस्टइंडीज के खिलाफ तीसरे वनडे में 50 ओवर में 5विकेट खोकर 351रन बनाए हैं। भारत के लिए शुभमन गिल ने सर्वाधिक 85 रन बनाए। वेस्टइंडीज की ओर से शेफर्ड ने दो विकेट लिए।इससे पहले तीसरे वनडे में भारत को शुभमन गिल और ईशान किशन ने दमदार शुरुआत दिलाई। दोनों के बीच शतकीय साझेदारी हुई। ईशान किशन ने लगातर तीसरा फिफ्टी लगाई है, हालांकि एक बार फिर बड़ी पारी खेलने में असफल रहे।ईशान किशन 64 गेंद में 77 रन बनाकर आउट हुए। ऋतुराज गायकवाड़ कुछ कमाल नहीं दिखा सके और 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। संजू सैमसन अर्धशतकीय पारी खेलकर आउट हुए। उन्होंने 41 गेंद में 51 रन बनाए। सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल 92 गेंद में 85 रन बनाकर पवेलियन लौटे। सूर्यकुमार यादव और हार्दिक के बीच 50 से ज्यादा रन की साझेदारी हुई। सूर्यकुमार 30 गेंद में 35 रन बना सके। हार्दिक पांड्या 52 गेंद में 70 रन बनाकर नाबाद लौटे। जडेजा ने 8 रन बनाए।

एआईटीए टेनिस टूर्नामेंट में वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों ने आसान जीत दर्ज की

चेन्नई, 1 अगस्त। वरीयता प्राप्त खिलाड़ियों को मंगलवार को यहां इंडियम एआईटीए (अखिल भारतीय टेनिस महासंघ) टेनिस चैंपियनशिप में पुरुष एकल के शुरुआती दौर में आसान जीत दर्ज की। वरीयता प्राप्त शीर्ष तीन खिलाड़ी पश्चिम बंगाल के नितिन कुमार सिन्हा, तमिलनाडु के वी एम रंजीत और तेलंगाना के विष्णु वर्धन ने सीधे सेटों में जीत दर्ज की।

अगले दो महीने हमारे लिये महत्वपूर्ण : हरमनप्रीत

नयी दिल्ली, 1 अगस्त। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा है कि 2024 पेरिस ओलंपिक खेलों में क्वालीफिकेशन को ध्यान में रखते हुए अगले दो महीने टीम के लिये बेहद महत्वपूर्ण होने वाले हैं। भारतीय टीम तीन अगस्त से 12 अगस्त के बीच एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी में हिस्सा लेकर अगले महीने चीन के हांग्झोउ में होने वाले एशियाई खेलों के लिये तैयारी करेगी। हरमनप्रीत की टीम अगर एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक हासिल करती है तो वह पेरिस ओलंपिक के लिये सीधा क्वालीफाई कर लेगी। हरमनप्रीत ने हॉकी ते चर्चा पॉडकास्ट के नवीनतम एपिसोड पर कहा, अगले दो महीने हमारे लिये बहुत महत्वपूर्ण हैं। एशियन चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में, हमारे पास हांग्झोउ एशियाई खेलों से पहले अच्छे प्रतिद्वंदियों के खिलाफ खेलने का अवसर है।

चौथी एशियाई चैंपियन्स ट्रॉफी जीतने चेन्नई पहुंची भारतीय टीम

चेन्नई, 1 अगस्त। बहुप्रतीक्षित हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी 2023 में हिस्सा लेने के लिये भारतीय पुरुष हॉकी टीम मंगलवार सुबह यहां चेन्नई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंची। हवाई अड्डे पर बड़ी संख्या में एकत्र हुए प्रशंसकों ने भारतीय टीम का गर्मजोशी से स्वागत किया। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन ने चेन्नई आगमन पर कहा, मुझे लगता है कि हमने स्पेन में हाल ही में संपन्न चार देशों के टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन किया है। पिछले 10 दिनों में हमने कुछ अच्छे विरोधियों का सामना किया और उनके खिलाफ अच्छा प्रदर्शन किया। हमने वैसे ही खेलना शुरू कर दिया है जैसे हम खेलना पसंद करते हैं।'' उन्होंने कहा, ''इसके अलावा, हमने अपने हालिया मैचों में अपने खेल में कुछ सामरिक बदलाव किये हैं और अब हम एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी में उन्हें लागू करने का लक्ष्य रखेंगे। हम इस टूर्नामेंट को एशियाई खेलों की तैयारी के लिये इस्तेमाल करेंगे।'' कप्तान हरमनप्रीत सिंह के नेतृत्व में भारतीय टीम कठोर प्रशिक्षण, रणनीतिक योजना और मजबूत टीम सौहार्द के साथ हीरो एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी चेन्नई 2023 के लिये तैयारी कर रही है। गौरतलब है कि भारत इस टूर्नामेंट के इतिहास में पाकिस्तान के साथ सबसे सफल टीम है। दोनों देशों ने तीन-तीन बार एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीती है और घरेलू सरज़मीन पर खेलते हुए हरमनप्रीत की टीम चौथी बार खिताब जीतने का लक्ष्य रखेगी।

भारतीय टीम तीन अगस्त को चीन के विरुद्ध अपना अभियान शुरू करेगी। इसके अलावा मेयर राधाकृष्णन स्टेडियम पर लीग चरण में भारत का सामना जापान, कोरिया, पाकिस्तान और मलेशिया से भी होगा। टूर्नामेंट प्रारूप के अनुसार, सभी छह टीमें राउंड-रॉबिन चरण में पांच मैच खेलेंगी और अंक तालिका की शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में प्रवेश करेंगी।

इस बीच, भारतीय टीम के उपकप्तान हार्दिक सिंह ने हाल के स्पेन दौरे पर टीम के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, ''हमने स्पेन में अच्छा प्रदर्शन किया, खासकर पिछले कुछ मैचों में जिसमें नीदरलैंड के खिलाफ 2-1 की जीत शामिल थी।'' उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि हमें खेल की गति को नियंत्रित करने की आवश्यकता है। हमें शुरुआत से ही ऐसा करने की जरूरत है ताकि हम खेल को सकारात्मक रूप से शुरू कर सकें।

हार्दिक ने कहा, ''मेरा मानना है कि प्रतियोगिता में भाग लेने वाली प्रत्येक टीम अच्छी गुणवत्ता की होने के कारण एक कठिन चुनौती पेश करेगी। नतीजतन, हमारा दृष्टिकोण हर मुकाबले के लिये पूरी लगन से तैयारी करना होगा।''

14 बार एक्सटैंशन व छः सालों के इंतजार के बाद आई रोहिणी आयोग की रिपोर्ट

- रोहिणी आयोग को ओ.बी.सी. के अंतर्गत आने वाली जातियों-उपजातियों में समान रूप से आरक्षण का बंटवारा किया जा सके इसके लिए उपाय एवं सुझाव ढूंढ़ने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी
- क्या राजनीतिक कारणों से रिपोर्ट आने में इतना विलम्ब और राजनीतिक कारणों से ही इस मौके पर यह रिपोर्ट तुरंत लाई गई है।
- रोहिणी आयोग का गठन वर्ष 2017 में सुप्रीम कोर्ट की पूर्व रिटायर्ड जज जस्टिस जी. रोहिणी की अध्यक्षता में की गई थी।
- रोहिणी आयोग ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को सौंप दी।

नई दिल्ली, 1 अगस्त। अदर बैकवर्ड कास्ट के लिए आरक्षण सिस्टम में व्याप्त खामियों को दूर करने तथा ओ.बी.सी. के अंतर्गत नये सब कैटिगरी जोड़ने के लिए बनाई गई रोहिणी आयोग की रिपोर्ट आखिरकार छः सालों बाद सामने आ ही गई है। अन्य पिछड़ा वर्ग की सब-कैटेगरी पर गौर करने के लिए बने आयोग ने सोमवार को भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को अपनी रिपोर्ट सौंप दी। यह रिपोर्ट ऐसे समय में आई है जब विपक्षी दलों की ओर से जाति जनगणना को लेकर लगातार मांग की जा रही है। विपक्ष भाजपा को मात देने के लिए पिछड़ी और अनुसूचित जाति के वोटरों को साधने का प्रयास कर रहा है।

ओ.बी.सी. के उप वर्गीकरण (सब-कैटेगरी) के परीक्षण के लिए अक्टूबर, 2017 की एक अधिसूचना के मार्फत अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए यह आयोग गठित किया गया था। दिल्ली उच्च न्यायालय की सेवानिवृत्त मुख्य न्यायाधीश जी. रोहिणी इस आयोग की अध्यक्ष हैं।

उनके नाम के चलते ही इसे रोहिणी आयोग कहा जाता है। अक्टूबर 2017 में गठित सेवानिवृत्त न्यायाधीश जी. रोहिणी की अध्यक्षता वाले आयोग को अब तक 14 बार विस्तार मिल चुका है। शुरुआत में ओ.बी.सी. कैटेगरी के भीतर लगभग 3,000 जातियों को उप-वर्गीकृत करने के लिए 12 सप्ताह का समय दिया गया था। लेकिन फिर इसे और विस्तार दिया गया। रोहिणी आयोग से ओ.बी.सी. जातियों के बीच 27 ओ.बी.सी. कोटा को समान रूप से विभाजित करने की सिफारिश करने के लिए भी कहा गया था।

समाज कल्याण मंत्रालय ने एक बयान में बताया कि 13 बार कार्यकाल बढ़ाये जाने के बाद इस आयोग ने सोमवार को अपनी रिपोर्ट राष्ट्रपति को सौंपी। आयोग को ओ.बी.सी. की केंद्रीय सूची में विभिन्न प्रविष्टियों का अध्ययन करने का जिम्मा दिया गया था। उसे किसी भी पुनरावृति, अस्पष्टता, विसंगति, वर्तनी या प्रतिलेखन (ट्रांसक्रिप्शन) की त्रुटियों को सुधारने, ओ.बी.सी. के बीच आरक्षण के लाभों के असमान वितरण का पता लगाने, तथा इन विभिन्न खामियों को वैज्ञानिक ढंग से दूर करने के लिए प्रणाली, मापदंड आदि तैयार करने का भी जिम्मा दिया गया था।

आयोग का गठन इस उम्मीद से किया गया था कि भाजपा सरकार अन्य पिछड़ा वर्ग के उप-समूहों को चिह्नित करके उनके बीच 27 केंद्रीय कोटा समान रूप से बांट सके। सीधे शब्दों में कहें तो उप-वर्गीकरण के पीछे का विचार विभिन्न ओ.बी.सी. समुदायों के बीच आरक्षण लाभों का समान वितरण सुनिश्चित करना है। अक्सर इस तरह की शिकायतें आती रहती हैं कि मजबूत जातियां अपने अच्छे आर्थिक और शैक्षिक स्तर के कारण बेहतर प्रतिस्पर्धी क्षमताओं के दम पर कमजोर जातियों के हिस्से के आरक्षण लाभों को हड़प लेती हैं।

'हरियाणा की साम्प्रदायिक हिंसा पूर्वनियोजित षडयंत्र का हिस्सा है'

चंडीगढ़, 1 अगस्त (वार्ता)। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर और गृह मंत्री अनिल विज ने नूंह की घटना को 'दुर्भाग्यपूर्ण' बताते हुये कहा है कि यह किसी बड़े षडयंत्र का हिस्सा प्रतीत होती है।

- हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने यह बात कही, नूह में सोमवार को फैली थी हिंसा जिसमें 2 पुलिसकर्मियों सहित पांच लोगों की मौत हो चुकी है।

दोनों नेताओं ने मंगलवार को यहां वरिष्ठ प्रशासनिक और पुलिस अधिकारियों के साथ एक बैठक में स्थिति की समीक्षा करते हुये यह बात कही तथा स्पष्ट किया कि सरकार उपद्रवियों को किसी सूरत में नहीं बख्शेगी एवं कड़ी कानूनी कार्रवाई करेगी। उन्होंने लोगों से शांति बहाल करने में सरकार के प्रयासों में मदद करने की अपील की।

पांच सालों में सुरक्षाबलों के 53 हजार जवानों ने नौकरी छोड़ दी

बी.एस.एफ के 23 हजार तथा सी.आर.पी.एफ के 13 हजार जवान नौकरियों से त्याग पत्र दे चुके हैं

- केन्द्रीय मंत्री नित्यानंद राय ने कांग्रेस सांसद मणिक्कम टैगोर के प्रश्न के जवाब में यह जानकारी लोकसभा में पेश की।
- 53,336 सी.ए.पी.एफ. कर्मियों में से, 47,000 सैनिकों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वॉलेन्टरी रिटायरमैंट या वीआर) ले ली, जबकि 6,336 ने अपनी सर्विस से इस्तीफा दे दिया। यह आंकड़ा 2018 से 2022 तक का है।

नई दिल्ली, 1 अगस्त। केंद्र सरकार ने मंगलवार को लोकसभा में ये जानकारी दी कि, पिछले पांच साल में 53 हजार से अधिक केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सी.ए.पी.एफ.) के जवानों ने अपनी नौकरी छोड़ दी। सरकार ने बताया कि कुल 53,336 सी.ए.पी.एफ. कर्मियों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति या इस्तीफा देकर अपनी नौकरी छोड़ दी। 53,336 सी.ए.पी.एफ. कर्मियों में से, 47,000 सैनिकों ने स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (वॉलेंटियरी रिटायरमेंट या वी.आर.) ले ली, जबकि 6,336 ने अपनी सर्विस से इस्तीफा दे दिया। यह आंकड़ा 2018 से 2022 तक है।

कांग्रेस सांसद मनिकम टैगोर के प्रश्न का लिखित जवाब देते हुए, केंद्रीय गृह राज्य मंत्री नित्यानंद राय ने एक सवाल के जवाब में कहा, "2021 में 12,003 कर्मियों ने नौकरी छोड़ी। वहीं 2022 में कुल 12,380 लोगों ने सी.ए.पी.एफ. से अपनी नौकरी छोड़ दी। 2020 में 7,690, 2019 में 10,323 और 2018 में 10,940 लोगों ने नौकरी छोड़ी।"

नित्यानंद राय द्वारा साझा किए गए आंकड़ों के अनुसार, 2018 से 2022 के बीच सीमा सुरक्षा बल यानी बी.एस.एफ. के सबसे ज्यादा 23,553 जवानों ने नौकरी छोड़ी है। इसमें से 21,692 जवानों ने वी.आर. लिया और 1861 ने इस्तीफा दिया था। इसके बाद केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल से 13,640 जवानों ने नौकरी छोड़ी। इनमें से 13,027 ने वी.आर. लिया और 613 ने इस्तीफा दिया। तीसरे नंबर पर असम राइफल्स है, जहां 5,393 (5,313 वीआर और 80 इस्तीफा) जवानों ने नौकरी छोड़ी।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सी.आई.एस.एफ.) से 5,151; भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आई.टी.बी.पी.) से 3,165 और सशस्त्र सीमा बल (एस.एस.बी.) से 2,434 जवानों ने नौकरी छोड़ी।

अविश्वास ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चर्चा कराने में अधिकतम संभव विलम्ब किया जाये। नियम यह कहते हैं कि अविश्वास प्रस्ताव पर चर्चा लोकसभा द्वारा इसे स्वीकार किये जाने के 10 दिन के अंदर हो ही जानी चाहिये। ज्ञातव्य है कि 8 अगस्त को चर्चा के लिये अंतिम तिथि थी क्योंकि गोगोई ने यह प्रस्ताव 20 जुलाई को पेश किया था।

अविश्वास प्रस्ताव को चर्चा/मतदान के लिये सूचीबद्ध किये जाने में हुये विलम्ब के प्रति अपना विरोध जताते हुये, कांग्रेस ने इस मीटिंग का बहिष्कार कर दिया।

विपक्षी गठबंधन इंडिया सरकार पर लगातार दबाव बनाये हुये हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे ने प्रधानमंत्री पर आरोप लगाया है कि वे चुनावी प्रयोजनों से पूरे देश में घूम रहे हैं लेकिन सत्र के दौरान मणिपुर दुखान्तिका पर संसद में आने से बच रहे हैं।

सेना के सभी अधिकारियों के लिए एक समान वर्दी का रूल लागू हुआ

- पहले, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी उनके हथियारों और रैंक के आधार पर भिन्न होती थी।
- उदाहरण के लिए, गोरखा राइफल्स के जनरल्स अपनी ट्रैडमार्क टोपी पहना करते थे। विशिष्ट बख्तरबंद रेजिमेंटों के जनरल्स भूरे रंग के जूते पहनते थे, और विशेष बल के जवान प्रसिद्ध मरुन कलर की बैरेट पहना करते थे।

नई दिल्ली, 1 अगस्त। सेना ने सीनियर लीड के पदों पर तैनात अधिकारियों में एक समान पहचान और दृष्टिकोण को बढ़ावा देने के लिए ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए सामान्य वर्दी अपनाई है। ब्रिगेडियर और उससे ऊपर के रैंक के अधिकारियों के लिए सामान्य वर्दी का निर्णय अप्रैल में सेना प्रमुख जनरल मनोज पांडे की अध्यक्षता में सेना कमांडरों के सम्मेलन के दौरान व्यापक विचार-विमर्श के बाद लिया गया था, जिसे मंगलवार को लागू कर दिया गया।

नए नियम लागू होने के साथ वरिष्ठ अधिकारी अब अपने से संबंधित हथियारों और सेवाओं के लिए विशिष्ट साज-सामान नहीं रखेंगे। कंधे के चारों ओर लटकने वाली डोरी को भी हटा दिया गया है। ये अधिकारी अब गहरे हरे रंग की बेरी पहनेगे हैं। वे सभी पीतल के रैंक पहनेंगे। इन अधिकारियों में प्रमुख जनरल, लेफ्टिनेंट जनरल और सेना प्रमुख शामिल हैं।

पहले, वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पहनी जाने वाली वर्दी उनके हथियारों के आधार पर भिन्न होती थी। उदाहरण के लिए, गोरखा राइफल्स के जनरलों ने अपनी ट्रेडमार्क टोपी पहना करते थे। विशिष्ट बख्तरबंद रेजिमेंटों के उनके समकक्ष भूरे रंग के जूते पहनते थे, और विशेष बल के जवान प्रसिद्ध मैरून बेरेट पहना करते थे।

सभी वरिष्ठ अधिकारी अब से केवल काले जूते पहनेंगे। बेल्ट अब रेजमेंट या सेवा विशिष्ट नहीं है।

यू.पी. में साम्प्रदायिक...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आ गया है, जो याचिका अधीनस्थ न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ दायर की गई है, जिसमें ए.एस.आई. को एक सर्वे करने की अनुमति दी गई थी जिससे तय हो सके कि संबंधित मस्जिद किसी मंदिर के ऊपर बनाई गई थी या नहीं। इस तमाम बयानों के फलस्वरूप, धार्मिक एवं राजनैतिक मामलों में उफान आ सकता है। स्वामी प्रसाद मौर्य, जिनका पूर्व में दिया गया विवादास्पद बयान अखबारों की सुर्खी बन चुका है, ने आग में घी डालते हुये कहा है कि अगर भाजपा हर मस्जिद के नीचे कोई मंदिर ढूढ़ेगी तो लोग मंदिरों के नीचे बौद्ध मठ/विहार ढूंढ़ना शुरु कर देंगे। उन्होंने कहा कि ऐसे साक्ष्य हैं जो यह दर्शाते हैं कि बद्रीनाथ तथा केदारनाथ मंदिर नवीं तथा 8वीं शताब्दी में बौद्ध मठ थे। उन्होंने जोर देते हुये कहा कि पुरी का जगन्नाथ मंदिर, सबरीमाला का अयप्पा मंदिर तथा पन्ढ़रपुर का विठोबा मंदिर बौद्ध मठ थे, जिन्हें ध्वस्त करके हिन्दू धर्म के तीर्थ बना दिये गये। उन्होंने कहा कि लोगों को चाहिये कि वे ऐसे मुद्दे उठाये जाने के प्रति सावधान एवं सतर्क रहें ताकि साम्प्रदायिक सौहार्द एवं सभी धर्मों के सम्मान की भावना बनी रहे।

मौर्य की टिप्पणी पर बसपा प्रमुख मायावती ने बड़ी तीखी टिप्पणी की है। उन्होंने मौर्य से सवाल किया है कि वे इन मामलों पर उस समय क्यों खामोश थे, जब वे भाजपा सरकार में मंत्री थे। मायावती ने कहा, "चुनावों के समय विवाद पैदा करना उनकी (मौर्य) एवं समाजवादी पार्टी की घृणित राजनीति है। इनके द्वारा बौद्ध तथा मुस्लिम समुदाय दिग्भ्रमित नहीं होने वाला हैं।"

'मणिपुर में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आरंभ में सॉलीसिटर जनरल तुषार मेहता ने मणिपुर सरकार की ओर से स्टेट्स रिपोर्ट पेश की और माना कि ज़मीनी स्थिति बहुत बुरी है और कोर्ट द्वारा बताई गई गलतियों का कोई औचित्य नहीं है।

मेहता ने कहा कि कुल 6523 एफ.आई.आर. हैं जिनमें जीरो और पंजीकृत दोनों हैं। इनमें से अधिकांश को संबंधित थानों में भेज दिया गया है और पुलिस अधिकारियों को संवेदनशील होने को कहा गया है। मणिपुर पुलिस ने सात लोगों को गिरफ्तार किया है जिनमें से एक किशोर है।

सीमा क्षेत्रों (मणिपुर) में हो रही घटनाओं को बहुत व्यथित करने वाली बताते हुए एटॉर्नी जनरल बताते हुए एटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमण ने कहा, "हमें एक संतुलित रवैया अपनाना पड़ेगा। सरकार विवरण लेकर वापस आएगी और कोर्ट की सहायता करेगी। सी.बी.आई. को देखने दीजिए वास्तविकता क्या है।"

बैंच ने कहा कि सी.बी.आई. के लिए इतने मुकदमों की जांच करना संभव नहीं हैं इसलिए वह मामले को देखने के लिए रिटायर्ड जजों का पैनल बनाने जा रहा है। दो महिलाओं को निर्वस्त्र घुमाने के वीडियो को "बहुत चिंताजनक" बताते हुए बैंच ने राज्य पुलिस से एफ.आई.आर. दर्ज होने में हुए लंबे विलंब के बारे में पूछा।

जस्टिस चन्द्रचूड़ ने कहा, "एक बात स्पष्ट है कि वीडियो मामले में एफ.आई.आर. दर्ज करने में देरी हुई।"

वायरल वीडियो के संबंध में एफ.आई.आर. दर्ज करने में विलंब के लिए मणिपुर पुलिस की खिंचाई करत हुए कोर्ट सोमवार को इसे "अभूतपूर्व स्तर का जघन्य अपराध" बताया और एस.आई.टी. गठित करने के संकेत दिए।

कल सुनवाई में कोर्ट ने सरकार से मुश्किल सवाल पूछे।

शिव सेना ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

शामिल हैं, ने कहा कि संवैधानिक बैंच को जम्मू-कश्मीर का मामला निपटा लेने दीजिए।

याचिका में दावा किया गया है कि चुनाव आयोग का यह कहना गलत है कि दसवीं अनुसूची के तहत अयोग्यता व चुनाव चिन्ह आदेश के तहत कार्यवाही विभिन्न क्षेत्रों में होती है और विधायकों को अयोग्य किसी राजनैतिक दल की सदस्यता त्यागने पर आधारित नहीं है।

यह भी कहा गया है कि चुनाव आयोग का यह मानना गलत है कि शिव सेना में विभाजन हो गया है।

चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे गुट को असली शिव सेना के रूप में मान्यता देकर स्व. बाला साहेब ठाकरे द्वारा स्थापित अविभाजित शिव सेना का चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिया था।

सी.एम. गहलोत के ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कर दिया है। साथ ही अदालत ने सी.एम. गहलोत को 7 अगस्त को वीडियो कॉन्फ्रैंन्सिंग (वी.सी.) के जरिए पेश होने के लिए कहा है। इसके साथ ही अदालत ने मामले की अंतिम बहस 17 अगस्त को तय की है। अदालत ने यह आदेश अशोक गहलोत की रिवीज़न याचिका पर दिए। रिवीज़न में सी.एम. ने निचली कोर्ट के 6 जुलाई के उस आदेश को चुनौती दी है, जिसमें उन्हें समन के जरिए अदालत में पेश होने का निर्देश दिया गया था। सी.एम. की ओर से पूर्व महाधिवक्ता जी.एस. बापना ने पैरवी करते हुए कहा कि, मामले में दायर मानहानि के परिवाद में आपराधिक मानहानि के कोई तत्व ही नहीं हैं। अखबार में छपी खबरों को पूर्ण रूप से सत्य नहीं माना जा सकता। इसके अलावा सी.एम. ने जो बयान दिया था वह गृह मंत्री के तौर पर और एस.ओ.जी. की रिपोर्ट के आधार पर दिया था। एस.ओ.जी. ने अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट में परिवादी शेखावत को आरोपी माना है। वहीं निचली अदालत ने मामले में प्रसंज्ञान लिए बिना ही साक्ष्य लिया है। इसलिए उनके खिलाफ समन पर रोक लगाई जाए। अदालत ने समन पर रोक लगाने से इन्कार करते हुए सी.एम. को व्यक्तिगत पेशी के बजाय वी.सी. के जरिए पेश होने के लिए कहा।

गौरतलब है कि, केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह ने दिल्ली की निचली कोर्ट में संजीवनी घोटाले मामले में, सी.एम. गहलोत के बयानबाजी करने पर उनके खिलाफ आपराधिक मानहानि का दावा दायर किया है। जिस पर सुनवाई करते हुए अदालत ने सी.एम. गहलोत को समन जारी कर तलब किया था।

सुप्रीम कोर्ट से कर्नाटक के उप मु.मंत्री को बड़ी राहत

- सुप्रीम कोर्ट ने आय से अधिक सम्पत्ति रखने के मामले में डी.के. शिवकुमार के खिलाफ सी.बी.आई जांच की याचिका खारिज कर दी
- केंद्रीय एजेंसी सीबीआई ने अपने आरोप में दावा किया कि कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री रहते हुए शिवकुमार ने अप्रैल 2013 से अप्रैल 2018 तक आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक 74.93 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी।

नई दिल्ली, 1 अगस्त (वार्ता)। उच्चतम न्यायालय ने कर्नाटक उच्च न्यायालय के उस आदेश के खिलाफ केंद्रीय जांच ब्यूरो (सी.बी.आई.) की याचिका सोमवार को खारिज कर दी, जिसमें कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार के कथित तौर पर अर्जित आय से अधिक संपत्ति की जांच पर अंतरिम रोक लगा दी गई थी।

न्यायमूर्ति बी.आर. गवई, न्यायमूर्ति सी.टी. रविकुमार और न्यायमूर्ति संजय कुमार की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया।

कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष शिवकुमार की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता ए एम सिंघवी ने दलील देते हुए कहा कि मामला उच्च न्यायालय की खंडपीठ के समक्ष लंबित है। पीठ ने इसका दलील का संज्ञान लिया और सी.बी.आई. की याचिका खारिज कर दी।

सिंघवी ने कहा कि सीबीआई की याचिका उच्च न्यायालय के अंतरिम आदेशों के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि मामला उच्च न्यायालय के समक्ष निर्णय के अंतिम चरण में है।

शीर्ष अदालत की पीठ ने अपने आदेश में कहा,चूंकि वर्तमान विशेष अनुमति याचिका पूरी तरह से एक अंतरिम आदेश से उत्पन्न हुई है, हम वर्तमान याचिका पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं। संबंधित पक्षकारों के लिए उपलब्ध सभी प्रश्न उच्च न्यायालय के समक्ष निर्णय के लिए रखे गए हैं।

इससे पहले सी.बी.आई. की ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल एस.वी. राजू ने कहा कि केंद्रीय जांच एजेंसी ने उच्च न्यायालय की खंडपीठ द्वारा दिए गए रोक आदेश के खिलाफ एक अलग याचिका दायर की है।

गौरतलब है कि इस फरवरी 2023 में उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति के नटराजन की एकल पीठ ने शिवकुमार को 74 करोड़ रुपये के आय से अधिक संपत्ति मामले में अंतरिम राहत दी थी, जिसकी जांच सी.बी.आई. द्वारा की जा रही थी। केंद्रीय एजेंसी सी.बी.आई. ने अपने आरोप में दावा किया कि कर्नाटक के ऊर्जा मंत्री रहते हुए शिवकुमार ने अप्रैल 2013 से अप्रैल 2018 तक आय के ज्ञात स्त्रोतों से अधिक 74.93 करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की थी।

'गलत टैस्ट रिपोर्ट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

कार्यरत टैक्नीशियन और लैब में रिपोर्ट को हस्ताक्षरित करने वाले डॉक्टर की जानकारी लेना अनिवार्य है।

यह जानकारी लैब के संचालकों को रूल्स में वर्णित 'फॉर्म' को भरकर देनी होती है। इसके बाद चिकित्सा विभाग अगले दस दिन के भीतर लैब का अस्थायी पंजीयन कर लैब संचालकों को "सर्टिफिकेट" दे देता हैं।

यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कानून के अनुसार प्रशासन को अस्थायी पंजीयन का सर्टिफिकेट देने के बाद दो साल के भीतर उक्त लैब्स का सर्वे कर पुष्टि करनी होती है कि उनके द्वारा दी गई जानकारी सही है कि नहीं। सर्वे के दौरान चिकित्सा अधिकारियों को यह देखना होता है कि लैब कानून द्वारा तय किए गए न्यूनतम मानकों का अनुसरण कर रही है कि नहीं। जो लैब्स न्यूनतम मानकों का अनुसरण कर रही होती हैं केवल उन्हीं का स्थायी पंजीकरण किया जा सकता है।

केन्द्र सरकार ने वर्ष 2020 में न्यूनतम मानकों में संशोधन किया था, अतः राज्य सरकार को 2022 से मैडिकल लैब्स का सर्वे कर स्थायी पंजीयन कर लेना चाहिए था और उससे संबंधित आंकड़े ना केवल अपनी वैबसाईट पर प्रकाशित कर देने चाहिए थे बल्कि केन्द्र सरकार के साथ भी साझा कर देने चाहिए थे। यह बड़ी चौंकाने वाली बात है कि कानूनी स्थिति को जानते हुए भी राज्य सरकार ने चंद जिलों में मैडिकल लैब्स का ही स्थायी पंजीयन किया और जयपुर और अन्य कई बड़े जिलों में किसी भी लैब का पंजीयन नहीं किया है चाहे वह सरकारी हो या प्राइवेट।

इस खोज खबर के दौरान आर.टी.आई. से प्राप्त इस जानकारी में यह भी देखा गया कि एक तरफ स्वास्थ्य विभाग ने केन्द्र सरकार को दौसा जिले में पंजीयन हो चुकी लैब्स के विषय में कोई जानकारी नहीं दी। इसका अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है की केन्द्र सरकार की वैबसाइट पर कोई जानकारी उपलब्ध नहीं है, जबकि केन्द्र सरकार के अधिकारियों से प्राप्त जानकारी के अनुसार उनकी वैबसाईट पर उपलब्ध जानकारी ही नवीनतम जानकारी है। वहीं दूसरी ओर राज्य सरकार से दौसा जिले में पंजीकृत लैब्स की जानकारी मांगी गई तो पता चला कि स्वास्थ्य विभाग ने 21 लैब्स का स्थायी पंजीयन किया है, जिनमें कई सरकारी और कई प्राइवेट लैब्स हैं। हैरानी की बात है कि राज्य सरकार से आर.टी.आई. के माध्यम से यह जानकारी 24 अगस्त 2021 को मांगी थी, परंतु केन्द्र सरकार की वैबसाईट अनुसार आज भी दौसा जिले में एक भी लैब पंजीकृत नहीं है। राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के बीच सामंजस्य और तालमेल के विचित्र अभाव के कारण आमजन को सही जानकारी नहीं मिल पा रही है। जबकि कानूनी तौर पर राज्य सरकार को यह जानकारी केन्द्र सरकार के साथ साझा करनी ज़रूरी है।

दस्तावेज़ नं. "ए" में आर.टी.आई. द्वारा प्राप्त सूचना के अनुसार दौसा जिले में 21 मैडिकल लैब्स का स्थायी पंजीकरण किया जा चुका है। परंतु यह जानकारी राज्य सरकार ने अपनी किसी भी वैबसाईट पर या अखबार में प्रकाशित नहीं की है। दूसरी ओर यह जानकारी केन्द्र सरकार की वैबसाईट पर भी नहीं है। उल्लेखनीय है कि दस्तावेज़ नं. "बी" से स्पष्ट है कि राज्य सरकार ने लैब्स के पंजीकरण से संबंधित जानकारी ना तो केन्द्र सरकार के साथ साझा की है और ना ही अखबारों में प्रकाशित करवाई है, जो कि नियमों का सीधा-सीधा उल्लंघन है।

दस्तावेज 'ए'

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दौसा

क्रमांक/कलनी/2021/601 दिनांक 24.08.2021

श्रीमान निदेशक (जन स्वा0)
चिकित्सा एव स्वास्थ्य सेवायें राज0 जयपुर।

विषय:- सूचना अधिकार अधिनियम 2005 की सूचना भिजवाने बाबत ।
संदर्भ:-आपके पत्रांक चिप्र/सीईए/आरटीआई2005/2021/1665 दिनांक 17.08.2021
महोदय,
उपरोक्त विषयान्तर्गत संदर्भित पत्रानुसार रोग विज्ञान प्रयोगशाला स्थाई पंजीकरण चाही गई सूचना दौसा जिले की निम्नानुसार प्रेषित है।

क0 स0	नैदानिक स्थापन का नाम और पता	पंजीकरण की तिथी
1	श्री बालाजी लैब एण्ड डाईग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	10.06.2020
2	राजधानी हॉस्पिटल एण्ड डाईग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	10.06.2020
3	श्री श्याम एक्स रे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
4	ओके डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
5	जयपुर एक्स रे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
6	एडवास एक्स रे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
7	ए वन डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	26.03.2021
8	स्टार एक्स रे एण्ड पैथ लैब दौसा	26.03.2021
9	शिवम् लैब एण्ड वैलनेस सेन्टर दौसा	26.03.2021
10	माया देवी मेमोरियल हॉस्पिटल एण्ड डाईग्नोस्टिक सेन्टर महवा	26.03.2021
11	प्रखर लैब बॉदीकुई	26.03.2021
12	साकेत डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	26.03.2021
13	लक्ष्मी एक्सरे एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	30.07.2021
14	गोमती डायग्नोस्टिक सेन्टर महवा	30.07.2021
15	रिलाइबल डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	30.07.2021
16	जगहितम हॉस्पीटल बॉदीकुई	30.07.2021
17	यूनिक केयर डायग्नोस्टिक सेन्टर दौसा	30.07.2021
18	श्वेता डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021
19	विनायकलैबोरेटरी एण्ड एक्स-रे सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021
20	शिव डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021
21	शर्मा किलनिक एण्ड डायग्नोस्टिक सेन्टर बॉदीकुई	30.07.2021

डॉ मनीष चौधरी
मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दौसा

क्रमांक/कलनी/2021/ 602 दिनांक 24.08.2021
प्रतिलिपि:- निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
दौसा

दस्तावेज 'बी'

Page 3 of 34

राजस्थान सरकार
निदेशालय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाये, राजस्थान, जयपुर
स्टेट हैल्थ सोसायटी (एन.सी.डी.)
E-mail ID<npcdcsrajasthan@gmail.com> Contact No. : 9413923136

क्रमांक: एन.सी.डी./CEA/2021-22/460-70 दिनांक: 27-7-2021

समस्त मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
राजस्थान।

विषय:-क्लिनिकल एस्टेबिलशमेन्ट एक्ट 2010 एवं राजस्थान क्लिनिकल एस्टेबिलशमेन्ट रूल्स 2013 के अन्तर्गत निजी चिकित्सालयों का अस्थाई एवं रोग विज्ञान प्रयोगशाला के स्थाई पंजीकरण की सूचना प्रेषित करने बाबत्।

उपरोक्त विषयान्तर्गत लेख है कि क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट एक्ट 2010 एवं राजस्थान क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट रूल्स 2013 के अन्तर्गत सभी पद्धति के राजकीय एवं निजी चिकित्सालय, क्लिनिक तथा अन्य चिकित्सा संस्थानों का अस्थाई पंजीकरण किया जाना है एवं रोग विज्ञान प्रयोगशाला के न्यूनतम मानक की अधिसूचना जारी हुए 2 वर्ष से अधिक समय होने के कारण उनका केवल स्थाई पंजीकरण ही किया जाना है।

राजस्थान क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट रूल्स 2013 की धारा 5(3) के अनुसार जिन चिकित्सा संस्थानों का अस्थाई पंजीकरण किया गया है उनकी सूचना 45 दिवस में विभागीय वेबसाईट एवं स्थानीय समाचार पत्रों में प्रकाशित करने का प्रावधान है।

उक्त रूल्स की धारा 6(2) के अनुसार रोग विज्ञान प्रयोगशाला स्थाई पंजीकरण किया जाना है, के द्वारा न्यूनतम मानक की पूर्ति की गई है, के संबंध में 30 दिवस में आपत्ति (Objection) लेने हेतु प्रपत्र 4 को भरकर दो स्थानीय समाचार पत्रों मे प्रकाशित एवं विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने का प्रावधान है।

उक्त एक्ट एवं रूल्स के अन्तर्गत चिकित्सा संस्थानों एवं रोग विज्ञान प्रयोगशाला का अस्थाई एवं स्थाई पंजीकरण के संबंध में विभागीय वेबसाईट पर अपलोड करने एवं दो स्थानीय समाचार पत्रों मे प्रकाशित करने के संबंध में सूचना निदेशालय को प्रेषित नहीं की जा रही है जिससे उक्त एक्ट एवं रूल्स में वर्णित नियम का उल्लंघन (Violation) हो रहा है।

अतः वर्तमान में अस्थाई/स्थाई पंजीकृत चिकित्सा संस्थान/रोग विज्ञान प्रयोगशाला की सूचना संलग्न प्रपत्र में दिनांक 26.07.2021 तक ईमेल आईडी npcdcsrajasthan@gmail.com पर भिजवाना सुनिश्चित करें तथा भविष्य में अस्थाई/स्थाई पंजीकृत किये गये चिकित्सा संस्थान/रोग विज्ञान प्रयोगशाला की सूचना प्रत्येक माह की 1 व 16 तारीख को उक्त ईमेल आईडी पर भिजवाना सुनिश्चित करें। सूचना समय पर नहीं भिजवाने की स्थिति में एक्ट/रूल्स का उल्लंघन(Violation) मानते हुए होने वाली विभागीय कार्यवाही के लिए आप स्वयं व्यक्तिशः जिम्मेदार होंगे।

पत्र को पूर्ण प्राथमिकता देवें।

संलग्नः-उपरोक्तानुसार।

निदेशक (जन स्वा.)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
जयपुर (राज.)

क्रमांक: एन.सी.डी./CEA/2021-22/460-70 दिनांक: 27-7-2021
प्रतिलिपि: निम्न को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है:-

1. निजी सचिव, शासन सचिव महोदय, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, राजस्थान, जयपुर।
2. निजी सचिव, निदेशक (जन स्वा./आरसीएच) चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें, जयपुर।
3. समस्त जिला कलेक्टर, राजस्थान।
4. समस्त संयुक्त निदेशक, जोन, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें. राजस्थान।
5. समस्त उप मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी (स्वा.), राजस्थान।
6. समस्त क्लिनिकल एस्टेब्लिशमेन्ट एक्ट सैल, कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, राज.।
7. प्रभारी, सर्वर रूम, मुख्यालय।
8. कार्यालय प्रति।

संयुक्त निदेशक (चि.प्र.)
चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवायें,
जयपुर (राज.)

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, जी-1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौन सिटी, जिला करौली से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2008/27147 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908